आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
09.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.03
सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:11 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 24 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 304, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आज हमारी सेना गोलियों का जवाब गोलों से देती है : धामी

मुख्यमंत्री ने कुमाऊं रेजीमेंट केंद्र में अमर बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

- सैनिकों एवं अग्निवीरों के साथ संवाद कर किया उत्साहवर्धन

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय सेना पहले से अधिक सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनी है। आज हमारी सेना दुश्मनों की गोलियों का जवाब गोलों से देकर देश की सीमाओं की मजबूती से रक्षा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कुमाऊं रेजीमेंट केंद्र, रानीखेत पहुंचकर अमर बलिदानियों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनिकों एवं अग्निवीरों के साथ संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र में प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं, आधुनिक हथियारों एवं वीर नारियों के कल्याण की गतिविधियों का अवलोकन भी किया। कुमाऊं रेजीमेंट मुख्यालय के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों के परिवारजनों से भेंट की।

कुमाऊं रेजीमेंट केंद्र में अमर बलिदानियों को सलामी देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

सैनिकों एवं अग्निवीरों के संवाद के दौरान मुख्यमंत्री के कहा कि उत्तराखंड सरकार पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों तथा अमर बलिदानियों के आश्रितों के सम्मान और कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेंशन एवं आर्थिक सहायता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि वीर परिवारों को हर स्तर पर सम्मान, सुरक्षा और संबल मिल सके।

चाय पर चर्चा, सुनीं जनसमस्याएं

रानीखेत : मुख्यमंत्री धामी ने जनपद अल्मोड़ा के दो दिवसीय दौरे के दौरान रानीखेत में प्रात :कालीन भ्रमण के दौरान स्थानीय नागरिकों के साथ चाय पर संवाद स्थापित कर 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान को लेकर उनका फीडबैक लिया। आमजन ने अभियान की सराहना करते हुए इसे जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक प्रभावी पहल बताया तथा सरकार का आभार व्यक्त किया। वहीं, प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रतिभाग कर मुख्यसेवक के स्टॉल पर बैठकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका स्थित कश्मीरी लॉबिस्ट की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एनआईए की विशेष अदालत ने अमेरिका स्थित कश्मीरी लॉबिस्ट गुलाम नबी शाह उर्फ डॉ. फई की 1.5 कनाल से अधिक भूमि कुर्क करने का आदेश दिया। सहायक लोक अभियोजक मोहम्मद इकबाल राठेर ने फई की संपत्ति कुर्क करने का अनुरोध करते हुए अर्जी दायर की थी जिसके बाद न्यायाधीश यहाया फिरदौस ने यह आदेश पारित किया। अर्जी में कहा गया कि इस अदालत ने 2020 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी को पहले ही फरार घोषित कर दिया है।

मुर्शिदाबाद में पिता-पुत्र की हत्या के मामले में 13 को उम्रकैद

कोलकाता। मुर्शिदाबाद की एक अदालत ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान अप्रैल में पिता-पुत्र की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में 13 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जांगीपुर की त्वरित कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ित परिवार को 15 लाख का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। 12 अप्रैल को जाफराबाद स्थित घर में भीड़ ने हरगोबिंद दास (72) और उनके बेटे चंदन दास (42) की हत्या कर दी थी।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम पर आरोप तय करने का आदेश

- 6 अन्य के खिलाफ भी आरोप होंगे तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने चीनी वीजा घोटाला मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम और छह अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का मंगलवार को आदेश दिया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने सातों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया और चेतन श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति को मामले में आरोपमुक्त कर दिया।

अदालत ने आपराधिक षड्यंत्र के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। चिदंबरम पर 2011 में एक बिजली कंपनी के लिए चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने में रिश्वतखोरी का आरोप है। तब उनके पिता पी. चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। इस मामले में सीबीआई ने अक्टूबर 2024 में कार्ति चिदंबरम और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने एक विशेष कोर्ट के समक्ष दाखिल किए गए अपने आरोपपत्र में शिवगंगा लोकसभा सीट से सांसद कार्ति चिदंबरम, उनके कथित करीबी सहयोगी एस. भास्कररमन, वेदांता की सहायक कंपनी टीएसपीएल और मुंबई स्थित बेल टूल्स का नाम लिया है। बेल टूल्स के जरिए रिश्वत दी गई थी।

50 हजार के इनामी शुभम समेत चार के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

वाराणसी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार में आरोपी एवं 50 हजार रुपये के इनामी शुभम जायसवाल समेत चार व्यक्तियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि शुभम जायसवाल पर पहले 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया जा चुका है।

बंसवाल ने बताया कि शुभम जायसवाल और तीन अन्य आकाश पाठक, अमित जायसवाल और दिवेश जायसवाल को देश छोड़ने से रोकने के लिए सोमवार को लुकआउट नोटिस जारी किए गए। बंसवाल ने बताया कि रांची के शैली ट्रेडर्स से जुड़ी कई फर्म के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल के लिए दिवेश जायसवाल और अमित जायसवाल फर्जी फर्म और फर्जी दस्तावेजों से बिल जनरेट कराने का काम करते थे। उन्होंने बताया कि चारों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एल आर कुमार के नेतृत्व में गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है।

कोडीन कफ सिरप मामला

- एसआईटी ने आकाश, अमित और दिवेश जायसवाल को देश छोड़ने से रोकने के लिए जारी किया नोटिस

मेसर्स सिंडिकेट के प्रोपराइटर पिता-पुत्र के करीबियों से पूछताछ

विशेश्वरगंज के औसानगंज निवासी मेसर्स सिंडिकेट के प्रोपराइटर मनोज यादव और उसके बेटे लक्ष्य यादव, सूजाबाद निवासी राहुल यादव, खोजवा के घनश्याम, अंकुश सिंह को एसआईटी ने रडार पर लिया है। इन आरोपियों के करीबियों से एसआईटी ने कई चक्र में पूछताछ की है। मनोज यादव और लक्ष्य यादव के सूजाबाद स्थित गोदाम से 60 लाख रुपये का कफ सिरप बरामद हुआ था।

हिंदुओं पर बर्बरता बंद करो

नई दिल्ली : बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जारी बर्बरता के विरोध में हजारों लोग बांग्लादेश उच्चायोग के नजदीक जुटे हुए हैं और उच्चायोग तक जाने की कोशिश में हैं। विहिप के इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

मौलाना तौकीर के करीबी के बरातघर पर चला बुलडोजर

बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को आईएमसी नेता मौलाना तौकीर रजा के करीबी सपा के पूर्व पार्षद वाजिद बेग का फरीदापुर चौधरी में स्थित बेग बरातघर के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा। आई लव मुहम्मद के पोस्टर विवाद को लेकर शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद से ही तौकीर रजा के करीबियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। बिना नक्शा पास कराए बने बेग बरातघर को बीडीए ने दो माह पूर्व अक्बटूर में नोटिस जारी किया था।

हल्द्वानी में दो सगे भाइयों की मौत, हत्या का अंदेशा

- घर में ही मिले दोनों के अलग-अलग जगह शव

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुखानी थाना क्षेत्र के बचीनगर में दो सगे भाइयों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार को एक भाई का शव घर के भीतर और दूसरे के घर के पीछे चबूतरे पर पड़ा पाया गया। पुलिस को घटना स्थल से आत्महत्या जैसे सुराग नहीं मिले हैं जिसके बाद से पुलिस ने हत्या के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, बचीनगर निवासी मनोज कुमार आर्या (45 वर्ष) पुत्र स्व. पूरन चंद्र यहां अपने छोटे भाई 31 वर्षीय सुनील, वृद्ध मानसिक दिव्यांग मां देवकी देवी और 12 साल की बेटी प्रतिमा के साथ रहता था। दोनों भाई पेशे से मजदूर और शराब के लती थे। बताया जाता है कि सोमवार को दोनों ने शराब पी, खाना खाया और सो गए। सुबह जब बेटी सोकर उठी तो दोनों भाई बेसुध पड़े थे। बेटी के शोर पर आसपास के लोग पहुंचे तो दोनों की संदिग्ध हालात में मौत की बात सामने आई। सूचना पर मुखानी पुलिस और सीओ सिटी अमित कुमार मौके पर पहुंचे। सीओ का कहना है कि मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके साथ स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का निधन

- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से थे सम्मानित

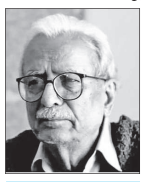

रायपुर। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का मंगलवार शाम यहां निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। उनके पुत्र शाश्वत शुक्ल ने बताया कि सांस लेने में तकलीफ होने के बाद उन्हें इस महीने दो तारीख को रायपुर के एम्स में भर्ती कराया गया था।

मंगलवार शाम 4.48 बजे में उन्होंने अंतिम सांस ली। एक नवंबर को जब प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया था तब शुक्ल व उनके परिवार से बात की थी। 'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'एक चुप्पी जगह' जैसे उपन्यासों के रचयिता शुक्ल को 59 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

राम मंदिर में लगेगी रत्नजड़ित 200 करोड़ की प्रतिमा

- 21 क्विंटल का घंटा मंदिर परिसर की बढ़ाएगा शोभा, दोनों ही चीजें उपहार में मिलीं
- संत तुलसीदास के मन्दिर के निकट 29 दिसंबर को किया जाएगा अनावरण

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर में भगवान श्री राम की रत्नजड़ित 200 क्विंटल की 200 करोड़ की प्रतिमा लेगी। ये प्रतिमा मंगलवार को कर्नाटक से अयोध्या पहुंची।

जिसे यात्री सुविधा केंद्र पर स्थापित संत तुलसीदास के मन्दिर के निकट स्थापित कर 29 दिसंबर को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा अनावरण किया जाएगा। इसके अलावा उपहार में मिला 21 क्विंटल पीतल का घंटा मंदिर परिसर में लगाया गया है। जो न सिर्फ मंदिर परिसर की शोभा बढ़ाएगा, बल्कि इसकी गूंज पूरे परिसर में सुनाई देगी। ट्रस्ट के व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव ने मंगलवार को बताया कि राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के बाद बंगलुरू के एक आर्टिस्ट ने इस प्रतिमा को एक फ्रेम में गढ़ कर 3 डी की तर्ज पर बनाया है। जिसकी ऊंचाई लगभग 10 फिट और चौड़ाई 8 फिट है। इसका वजन पांच क्विंटल बताया जा रहा है। सोने की इस प्रतिमा में हीरा, पन्ना समेत नौ रत्न जड़े हैं। जिसकी कीमत भी 200 करोड़ के करीब बताई गई है। प्रतिमा एक बंद वाहन में 1750 किलोमीटर का सफर करते हुए छह दिन में यहां पहुंची है।

स्टेट ब्रीफ

हाईकोर्ट के दावा प्रस्तुत करने के निर्देश

नैनीताल : हाईकोर्ट ने गूलरभोज के टंडाताल में आरक्षित वन क्षेत्र में रह रहे छह परिवारों को हल्की राहत देते हुए सक्षम अधिकारी के समक्ष दावा प्रस्तुत करने तथा सिंचाई विभाग को कार्रवाई से पहले उन्हें कुछ वक्त देने को कहा है। छह ग्रामीणों की ओर से सिंचाई विभाग की ओर से जारी नोटिस को चुनौती दी गई है। इस मामले में न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सिंचाई विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी कर हटाया जा रहा है। कई सालों से वे यहां रह रहे हैं।

महिला कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

देहरादून : अंकिता हत्याकांड में चल रहे ताजा प्रकरण को लेकर महिला कांग्रेस ने मंगलवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एश्ले हॉल चौक पर सरकार का पुतला दहन करके प्रदर्शन किया। रौतेला ने आरोप लगाया कि अंकिता हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा करने में पुलिस नाकाम रही। पुलिस ने मामले को उलझाने के लिए कमरे का नाम वीआईपी बताया लेकिन अब कथित तौर पर सामने आए बयानों ने साबित कर दिया है कि अपराध और अपराधियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

सहकारिता में उत्तराखंड बना देश का मॉडल राज्य : मुख्यमंत्री धामी

सहकारिता मेले का किया उद्घाटन, नाबार्ड के स्टेट फोकस पेपर का विमोचन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित सहकारिता मेला-2025 का उद्घाटन किया। साथ ही, नाबार्ड द्वारा प्रकाशित स्टेट फोकस पेपर 2026-27, उत्तराखंड का विमोचन किया तथा सहकारी समूहों को पांच-पांच लाख रुपये के ब्याजमुक्त ऋण के चेक भी वितरित किए।

सहकारिता मेले का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने के लिए देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। उत्तराखंड आज सहकारिता सुधारों में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। पूरे देश में बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के कंप्यूटरीकरण की शुरुआत उत्तराखंड से हुई और आज प्रदेश की सभी 670 सहकारी समितियां पूर्णतः डिजिटल हो चुकी हैं। कहा कि जहां पहले किसान दफ्तरों के चक्कर काटता था। वहीं, आज मोबाइल फोन के माध्यम से सभी सेवाओं से जुड़ रहा है और यही कांग्रेस के कागजी मॉडल और भाजपा के जमीनी मॉडल का अंतर है। भ्रष्टाचार पर सरकार की नीति स्पष्ट बताते हुए कहा कि जीरो टॉलरेंस के तहत कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

यह है राज्य फोकस पेपर 2026-27

यह दस्तावेज राज्य के प्राथमिकता क्षेत्रों के लिए ऋण क्षमता का व्यापक आकलन प्रस्तुत करता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 65,916 करोड़ अनुमानित है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 20.50 प्रतिशत अधिक है। जिला स्तर पर तैयार पोटेंशियल लिंक्ड क्रेडिट प्लान के आधार पर तैयार यह दस्तावेज संतुलित कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए एक रोडमैप है, जिसमें कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, बुनियादी ढांचा और जलवायु परिवर्तन पहलों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। नाबार्ड ने राज्य सरकार को समावेशी विकास के लिए ऋण योजना और विकासात्मक हस्तक्षेपों में सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

सीएम ने की साहसी छात्राओं की प्रशंसा

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने चमोली जिले के पोखरी विकासखंड के विद्यालय परिसर के पास घटित भालू हमले की घटनाओं को गंभीरता से लिया है और हमले में घायल हुए पीड़ित छात्र आरव से मंगलवार को फोन पर बात करके उसका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। उन्होंने कहा कि सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उपचार एवं सुरक्षा के हर स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने घटना के दौरान अदम्य साहस, सूझबूझ और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए भालू से बच्चों की जान बचाने वाली साहसी छात्राओं दिया और दीपिका से भी बात की। धामी ने छात्राओं की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में जिस साहस, धैर्य और जिम्मेदारी का परिचय उन्होंने दिया है, वह पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

बैठक में उठे सड़क, शिक्षा व पेयजल के मुद्दे

भीमताल : ब्लाक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई क्षेत्र पंचायत समिति की त्रैमासिक बैठक में बीडीसी सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने अपने गांवों में शिक्षा, सड़क और पेयजल की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई। सदस्यों ने जल जीवन मिशन योजना पर आरोप लगाया कि कई योजनाओं में बोरिंग हो गई किंतु गांवों को पानी नहीं मिल रहा कई स्थानों पर नल खुले छोड़े गए है। भीमताल विकास खंड सभागार में हुई बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

प्रमुख ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भीमताल में लंबित पड़े सड़क निर्माण कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करें। विद्युत विभाग को ग्रामीणों घरों के पास से जा रही लाइनों को हटाने एवं पोल बदलने के निर्देश दिए। सदस्यों ने कुछ विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों के उपस्थित न होने पर विभागों की योजनाओं को लेकर चर्चा करने से इनकार कर दिया। सदस्यों ने ऐसे अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का प्रस्ताव रखा। आगामी बैठकों में ऐसे अधिकारियों की कार्यप्रणाली के प्रति सख्त रुख अपनाने की अपील की।

चार दोषियों को उम्रकैद बीट वॉचर को न्याय

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- पेड़ कटान रोकने गई वन टीम पर बरसाई थीं गोलियां,
- 2019 की घटना में एक की मौत एक घायल

अमृत विचार: कालाढूंगी थाना क्षेत्र में साढ़े पांच साल पुराने सनसनीखेज फायरिंग मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वनकर्मियों पर जानलेवा हमला करने के दोषी चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी गई है। इस हमले में बीट वॉचर बहादुर सिंह की मौके पर जान चली गई थी, जबकि एक अन्य वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हुआ था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 22 जून 2019 की रात बरहैनी वन रेंज अंतर्गत बौर नदी के पास महोला के जंगल में अवैध रूप से पेड़ काटे जाने की सूचना पर वन रक्षक दीपक नेगी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई। टीम में बीट वॉचर बहादुर सिंह चौहान, महेंद्र सिंह, ब्रिजेंद्र सिंह, मोहम्मद जान और बच्चू शामिल थे।

जंगल के प्लॉट संख्या एन-1 में पहुंचते ही वनकर्मियों ने लकड़ी तस्करों को घेराबंदी की। इसी दौरान बाइक से पहुंचे आरोपियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां लगने से बीट वॉचर बहादुर सिंह के पेट में और महेंद्र सिंह के पैर में गंभीर चोट आई। वनकर्मियों की जवाबी कार्रवाई के बीच आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायलों को तत्काल एसटीएच हल्द्वानी लाया गया, जहां बाजपुर निवासी बहादुर सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस संबंध में वन रक्षक दीपक नेगी की तहरीर पर कालाढूंगी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के दौरान लखविंदर सिंह सहित चार आरोपियों की संलिप्तता सामने आई।

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 20 गवाह पेश किए। उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश हल्द्वानी सविता चमोली की अदालत ने लखविंदर सिंह, करन सिंह निवासी हरसान (बाजपुर), तथा परमजीत सिंह और सुरज सिंह निवासी मडैया, हट्टू कलोखेड़ा (ऊधमसिंह नगर) को दोषी ठहराया। अदालत ने चारों को उम्रकैद की सजा के साथ अर्थदंड भी लगाया है।

रामनगर में स्टोन क्रशर निर्माण पर लगी रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने रामनगर के पापड़ी गांव में स्टोन क्रशर के निर्माण पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के साथ ही कोई निर्माण कार्य नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता सतनाम सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किए। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के मानकों के विपरीत गांव में स्टोन क्रशर का निर्माण किया जा रहा है। मानकों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। नहर और नाले की भूमि पर भी निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे स्थानीय किसान और कृषि प्रभावित होगी। यही नहीं, स्टोन क्रशर से कुछ ही दूरी पर कथित रूप से प्राइमरी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, मंदिर और एक आश्रम मौजूद हैं। हाईकोर्ट ने पिछली बार सरकार को बिना जोन चिह्नित किए बिना प्रदेश में नये स्टोन क्रशर को लाइसेंस नहीं देने के निर्देश दिए थे। यह भी कहा गया कि जिस भूमि पर स्टोन क्रशर का निर्माण किया जा रहा है, वह सरकार द्वारा घोषित फल पट्टी क्षेत्र है। नियमानुसार कृषि प्रधान क्षेत्र में भारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना प्रतिबंधित है। याचिका में आरोप लगाया गया कि प्रशासन ने बुनियादी नियमों की अनदेखी कर निजी कंपनी को एनओसी जारी कर दी। ग्रामीण वर्ष 2018 से ही इसका विरोध करते आ रहे हैं।

शीर्ष कोर्ट के जस्टिस की निगरानी में हो सीबीआई जांच: गोदियाल

एजेंसी, नई दिल्ली

चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को भाजपा तथा प्रदेश सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए इस पूरे प्रकरण की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता में भाजपा के एक पूर्व विधायक की पत्नी होने का दावा करने वाली महिला द्वारा जारी वीडियो का हवाला दिया और कहा कि अब इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आ गई है। गोदियाल ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि यदि अगले 10-12 दिनों में सीबीआई जांच का फैसला नहीं हुआ तो कांग्रेस उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल में विशाल विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उत्तराखंड सरकार ने अपनी पूरी ताकत इस मामले को दबाने, अपराधियों को बचाने और यह सुनिश्चित करने में लगाई कि अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिल सके। कांग्रेस नेता ने कहा,

हमारी मांग है कि इस मामले की सीबीआई जांच हो और इस जांच की निगरानी उच्चतम न्यायालय के किसी वर्तमान अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा कराई जाए। वहीं, अध्यक्ष गोदियाल ने कहा कि दिल्ली आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का मेरा लक्ष्य है कि यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पहुंचे।

बता दें कि पौड़ी के एक रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने वाली अंकिता की 18 सितंबर, 2022 को कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। अदालत ने इस मामले में रिजॉर्ट के मालिक एवं भाजपा नेता के बेटे पुलकित आर्य और दो अन्य लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

पलटवार: समय पर सुबूत मांगने पर पीठ दिखा गयी कांग्रेस: भट्ट

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि अंकिता हत्याकांड में वीआईपी का राग अलापने वाली कांग्रेस समय पर सुबूत मांगने पर पीठ दिखा गयी। अगर, कांग्रेस गंभीर होती तो अदालत मे साक्ष्यों के साथ बयान दे सकती थी। उस समय डीजीपी ने सार्वजनिक अपील की थी कि यदि किसी को वीआईपी के बारे में जानकारी है तो आए और बताए। तब किसी ने नहीं बताया और न आज बता रहे हैं। अंकिता पर अनावश्यक षड्यंत्र कर कांग्रेस उस बिटिया की आत्मा को अपमानित करने का भी काम कर रही है।

कहा कि, अपुष्ट वायरल वीडियो को छेड़छाड़ वाला बताते हुए उसके

खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, ऐसे में उसे राजनैतिक हथियार बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है जबकि जिस महिला का ऑडियो वायरल किया है उसके पिछले कृत्य और राजनैतिक षड्यंत्र किसी से छिपा नहीं है। भट्ट ने कहा कि कड़ी जांच का ही नतीजा है कि आरोपी अभी तक बेल पर बाहर नही आ पाए। अंकिता के परिवारजनों के मन के मुताबिक सरकारी वकील दिए और उनकी हर मांग को पूरा किया गया। कांग्रेस राजनीतिक स्टंटबाजों के चक्कर मे जिम्मेदार राजनैतिक दल की भूमिका का निर्वहन नही कर रही है। सरकार का प्रयास रहा कि अपराधियों को सख्त सजा मिले और ऐसी पैरवी की गई कि अपराधियों को उम्रकैद हुई। वीडियो मे जिनके बयान और ऑडियो का जिक्र कांग्रेस नेता कर रहे हैं वो रोज अपने बयान, अपने झगड़े और फिर समझौता और बयान बदलने के लिए जाने जाते हैं। कांग्रेस चुनाव से पहले वीआईपी राग अलाप कर अपनी नाकामयाबियों से ध्यान हटा रही है। कांग्रेस को ही यह बताना चाहिए कि वीआईपी कौन है और उसने बयानबाजी के बजाय अदालत को जानकारी क्यों नही दी। अंकिता की असली अपराधी कांग्रेस ही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कथित तौर पर प्रदेश भाजपा के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल द्वारा अपने विरूद्ध किए जा रहे दुष्प्रचार के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज करायी।

समर्थकों के साथ नेहरू कॉलोनी थाने पहुंचे रावत ने पुलिस को पेन ड्राइव तथा अन्य साक्ष्यों के साथ तहरीर सौंपी जिसके आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की संबंधित धाराओं तथा भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी।

प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद रावत ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी रिपोर्ट लिखने में चार घंटे लगा दिए। कहा कि जब एक पूर्व मुख्यमंत्री की प्राथमिकी दर्ज कराने में इतना समय लग गया तो सामान्य व्यक्ति की हालत के बारे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। पूर्व सीएम रावत ने कहा, अन्ततोगत्वा चार घंटे बाद कांपते हाथों से पुलिस ने प्राथमिकी लिखी है। उनके हाथ इसलिए कांप रहे थे क्योंकि हमने इसमें तथ्यों के साथ भाजपा के अध्यक्ष और उनके सहयोगियों पर आरोप लगाया है कि वह एआई का दुरुपयोग कर हमारी एवं हमारी पार्टी की छवि को बिगाड़ रहे हैं तथा एक संप्रदाय विशेष को निशाना बनाकर सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पुलिस अपराधियों को कानून के दायरे में लाएगी। पूर्व सीएम ने एसएसपी ऑफिस जाकर एसपी सिटी से वार्ता की। उनके मोबाइल फोन से एसएसपी से भी वार्ता की। कहा कि, उनकी प्रतिष्ठा धूल में है तो जिंदगी खतरे में है।

भाजपा ने न वीडियो बनाया और न ही दुष्प्रचार की मंशा: चौहान

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा ने पूर्व सीएम हरीश रावत द्वारा पुलिस में की गई शिकायत को लेकर स्पष्ट किया कि हरदा से संबंधित वीडियो न तो पार्टी द्वारा बनाया गया और न ही पार्टी की मंशा किसी की छवि खराब करना है। अगर पूर्व सीएम द्वारा कोई मामला दर्ज कराया गया है तो उसका अध्ययन करेंगे क्योंकि पार्टी भी ऐसे वीडियो की जांच चाहती है और कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि पूर्व सीएम पर तुष्टिकरण के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। हरदा इससे

पहले सभी तीर्थों का भ्रमण कर चुके हैं और शायद कुछ गलतियों का प्रायश्चित करने की कोशिश भर थी। उन्होंने न्याय के देवता गोल्ज्यू के दरबार में भी इसी मुद्दे पर अर्जी में अर्जी लगाई थी। हालांकि उनकी यह मुराद पूरी नही हुई और पंचायत चुनाव में पराजय देखने को मिली। इस बार वे तुष्टिकरण से ध्यान हटाने को कानूनी प्रक्रिया का सहारा ले रहे हैं। भाजपा कानूनी प्रक्रिया का पूर्ण पालन कर संविधान प्रदत्त प्रक्रिया से आरोपों का जवाब देगी।

चौहान ने कहा कि हरदा जनादेश से खीजकर भाजपा पर तोहमत गढ़ रहे हैं। राज्य मे जितने भी फैसले लिए गए, इसमें यूसीसी, धर्मांतरण, दंगारोधी कानून, गौकशी, अवैध धार्मिक कब्जों पर वह विरोध करते दिखे। इन मुद्दों पर वह सरकार को कटघरे में खड़ा करते दिखे। डेमोग्राफी चेंज को लेकर वह मुखर रहे हैं। हरदा का मकसद पूरी तरह से राजनैतिक है। पांच साल में उन्हें याद आ रही है कि भाजपा उन्हें तुष्टिकरण पर घेर रही है। हरदा जनता का मूड भांप चुके हैं। उन्हें पार्टी से भी कोई समर्थन नहीं है। खुद को पीड़ाग्रस्त दिखाकर वह सहानुभूति बटोरना चाहते हैं।

8 फरवरी के बाद हों बार काउंसिल चुनाव

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने राज्य बार काउंसिल के चुनाव हेतु गठित हाई पावर कमेटी को पत्र भेजकर बार काउंसिल चुनाव 8 फरवरी के बाद कराने की मांग की है।

पत्रकार वार्ता में बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र पाल ने कहा कि हाईकोर्ट में 11 जनवरी से 4 फरवरी तक शीत अवकाश रहेगा। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्र के जिला न्यायालयों में भी जाड़ों के दिनों में 31 जनवरी तक सिविल वादों की सुनवाई नहीं होती है, जिस कारण अधिकांश अधिवक्ता अवकाश में होते हैं। जिस कारण बार काउंसिल के चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी अधिवक्ताओं से संपर्क नहीं कर सकेंगे। इसलिए बार काउंसिल के चुनाव 4 फरवरी के बजाए 8 फरवरी के बाद कराए जाएं। उन्होंने अधिवक्ताओं की मतदाता सूची अपडेट करने की भी मांग की।

अध्यक्ष डीसीएस रावत ने कहा कि पर्वतीय राज्य की बार काउंसिल के चुनाव होता है तो पर्वतीय क्षेत्र के अधिवक्ता प्रतिभाग नहीं कर पाएंगे। हाईकोर्ट में अवकाश होने के कारण हाईकोर्ट के अधिवक्ता मतदान को नहीं आएंगे। जिससे बार काउंसिल में पर्वतीय क्षेत्र का उचित प्रतिनिधित्व नहीं होगा इसलिए चुनाव की तिथि 4 फरवरी के बाद की जाए।

मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज

देहरादून: रोशनाबाद के योगस्थली खेल परिसर में मंगलवार को मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज हुआ। न्याय पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक चार स्तर पर होने वाली इस प्रतियोगिता में दो लाख खिलाड़ी शिरकत करेंगे और चैंपियन बनने वाले को पांच लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जायगी।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने ट्रॉफी का अनावरण और मशाल को प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कहा कि इस बार 26 खेल स्पर्धाएं रखी गई है, जिनमें आधुनिक खेलों के साथ परंपरागत खेलों को भी शामिल किया गया है। सांसद ट्रॉफी जीतने वाली टीम को दो लाख और विधानसभा ट्रॉफी जीतने वाली टीम को एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार राशि मिलेगी।

जेल में बंद कार्यकर्ताओं को देंगे कानूनी मदद

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पौड़ी लोकसभा सीट से सांसद अनिल बलूनी मंगलवार को मांस प्रकरण में जेल में बंद भाजपा नेता एवं मुख्य आरोपी बनाए गए मदन जोशी के आवास पर पहुंचे। उन्होंने जोशी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और पार्टी की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद बलूनी ने मांस प्रकरण को लेकर कहा कि पूरे मामले में निचले स्तर पर किसी साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस प्रकार बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता इस मामले में जेल में हैं, उससे यह स्पष्ट है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है। कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से मदन जोशी के घर पहुंचे हैं और इस मामले में जेल में बंद अन्य कार्यकर्ताओं के परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा अपने किसी भी कार्यकर्ता को अकेला नहीं छोड़ेगी। जिन कार्यकर्ताओं को कानूनी सहायता की आवश्यकता होगी, पार्टी उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी। बताया कि पार्टी स्तर पर सभी प्रभावित कार्यकर्ताओं को बेहतर कानूनी सलाह और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

वसीम हत्याकांड में होमगार्ड गिरफ्तार

हरिद्वार : 11 माह पहले वसीम हत्याकांड का खुलासा हुआ है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि, कोतवाली रानीपुर क्षेत्र में 18 जनवरी को ग्राम गढ़मीरपुर में लैब टैक्नीशियन वसीम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने होमगार्ड अभिमन्यु सिंह निवासी मंगलौर को गिरफ्तार कर लिया। अभिमन्यु ने बताया कि वह 2015 में होमगार्ड में भर्ती हुआ था। उसकी दोस्ती एक महिला होमगार्ड से हुई। महिला की पूर्व में वसीम से दोस्ती थी तथा उसके मोबाइल में वसीम के साथ फोटो एवं मैसेज थे। वसीम के उसे परेशान व प्रताड़ित करने से उसके मन में आक्रोश पैदा हुआ और उसने वसीम को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी।

जिला जज ने विधिक शिविर की तैयारियों का निरीक्षण किया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल की ओर से आगामी 4 जनवरी को रामनगर महाविद्यालय में बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के भी पहुंचने की प्रबल संभावना है।

जिला जज हरीश कुमार गोयल ने महाविद्यालय पहुंचकर आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण किया। शिविर का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को सामान्य कानूनी जानकारी एवं विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा सरकार की ओर से संचालित अनेकों निशुल्क जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में आम जनता को जागरूक किया जाना है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग नैनीताल की ओर से आम जनता के लिए निशुल्क चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों एवं जनता के लिए शिविर में आधार कार्ड, आय व जाति तथा स्थाई निवास आदि प्रमाण पत्र बनाने एवं समाज कल्याण विभाग की जन कल्याणकारी योजनाओं का पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल की सचिव पारुल थपलियाल, एसडीएम प्रमोद कुमार, प्राचार्य प्रो.एमसी पाण्डे, सीओ सुमित पाण्डेय आदि रहे।

विधिक शिविर के लिए महाविद्यालय में बैठक में मौजूद जिला जज। ● अमृत विचार

बैलपड़ाव में 25 से होगा खेल महाकुंभ

कालाढूंगी: न्याय पंचायत बैलपड़ाव खेल महाकुंभ 25 दिसंबर से शुरू होगा। 25 को बालक वर्ग व 26 दिसंबर 2025 को बालिका वर्ग की सभी प्रतियोगिताएं अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बैलपड़ाव के खेल मैदान में सुबह 9:30 बजे से शुरू होगी।

न्याय पंचायत स्तर पर अंडर 14 बालक-बालिका व अंडर-19 बालक-बालिकाओं की कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स एवं मुर्गा झपट की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रधानाचार्य नरेश सिंह रौतेला ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण के साथ आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, स्थाई निवास, एवं बैंक पासबुक की फोटो प्रति लाना भी अनिवार्य है।

शराब से सगे भाइयों की सुबह, शाम भी शराब पर खत्म

हाल में बेची थी जमीन, दोनों भाइयों के हिस्से में आए डेढ़-डेढ़ लाख रुपये हो सकते हैं हत्या की वजह, कच्ची शराब भी हो सकती है मौत का कारण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सगे भाई मनोज और सुनील की मौत से हर कोई स्तब्ध है। शराब पीकर इलाकाई लोगों की नाक में दम करने वाले इन भाइयों की सुबह की शुरुआत ही शराब से होती थी और रात खत्म भी शराब पर। हाल ही दोनों भाई जमीन बेचकर मालामाल हुए थे। चूंकि आत्महत्या के घटना स्थल से कोई निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में जमीन से मिली रकम और बची प्रॉपर्टी के लिए भी दोनों भाइयों की हत्या हो सकती है। हालांकि हत्या के भी कोई ठोस सुबूत नहीं मिले हैं। पुलिस की जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर निर्भर है।

मुखानी थाना क्षेत्र के बचीनगर एक में रहने वाले मनोज कुमार और सुनील पेशे से मजदूर थे। मनोज यहां अपनी मानसिक दिव्यांग मां देवकी देवी और 12 साल की बेटी प्रमिता के साथ रहता था। पास रहने वाले और रुद्रपुर में नौकरी करने वाले मनोज के चचेरे भाई अजय कुमार आर्या का कहना है कि दोनों भाई शराब के आदी थे। वह सुबह से ही शराब पीना शुरू कर देते थे। नशे में इलाकाई लोगों को गालियां देते थे। क्षेत्रीय लोग भी उनसे परेशान थे। शराब की लत का यह आलम था कि दोनों भाई अपनी साइकिल और घर का दरवाजा तक शराब के लिए बेच चुके हैं। अजय का कहना है कि उनके पिता और मनोज के पिता के बीच दो बीघा जमीन का बंटवारा हुआ था। मनोज और उसके भाई ने शराब के लिए सारी जमीन कौड़ियों के दाम में बेच डाली। सिर्फ एक छोटा सा खंडहरनुमा घर बचा है, जिसमें दोनों अपनी मां व प्रतिमा के साथ रहते थे।

हाल ही में दोनों ने तीन लाख रुपये में एक जमीन बेची थी। इससे मिले रुपये दोनों ने आधे-आधे बांट लिए थे, जिसके बाद से दोनों ने सिर्फ अत्यधिक शराब पीने लगे थे, बल्कि खाना भी ऑनलाइन ऑर्डर करते थे। माना जा रहा है कि जमीन से मिले रुपयों को हासिल करने के लिए भी दोनों भाइयों की हत्या की जा सकती है। हो यह भी सकता है कि बची जमीन को हथियाने के लिए दोनों को रास्ते से हटा दिया गया हो। हालांकि हत्या के पुख्ता निशान भी पुलिस को घटना स्थल से नहीं मिले हैं, लेकिन दोनों भाइयों की एक साथ मौत ने पुलिस के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सीओ सिटी अमित कुमार का कहना है कि इसे अभी आत्महत्या नहीं कहा जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आएगी।

इसी घर के अंदर और पीछे मिले सगे भाइयों के शव। ● अमृत विचार

परिजनों से जानकारी लेते सीओ अमित कुमार। ● अमृत विचार

चार साल पहले दो बच्चों को लेकर चली गई थी बीवी

मनोज की रानीखेत स्थित तिरछाखेत निवासी लता देवी से शादी हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हुए। कई साल तक लता इस बात का इंतजार करती रहीं कि मनोज की आदतों में सुधार आएगा, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो करीब चार साल पहले लता अपने दो बच्चों को लेकर गायब हो गई। मंगलवार को जब मनोज के मौत की खबर मिली तो चचेरे भाई अजय ने मनोज के साले को फोन किया। पता लगा कि उनका भी कई सालों से लता से संपर्क नहीं हुआ है।

बचीनगर में कच्ची शराब का बड़ा सिंडिकेट

दोनों भाई शराब के लती थे और अक्सर वह देसी शराब पीते थे, लेकिन जब देसी नहीं मिलती थी तो कच्ची शराब भी पी लेते थे। इलाकाई लोगों का कहना है कि बचीनगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कच्ची शराब की तस्करी की जाती है। महज 50 रुपये में शराब का पाउच यहां आसानी से उपलब्ध हो जाता है। हालांकि यह शराब नियमों के तहत नहीं बनाई जाती, जिससे इसके जहरीले होने की आशंका भी प्रबल रहती है। यह भी संभव है कि इसी शराब की वजह से भाइयों की मौत हुई हो।

बहनों का मां व बच्ची को अपनाने से इंकार

इस घटना के बाद मानसिक दिव्यांग मां देवकी देवी और महज 12 साल की प्रमिता का भविष्य अंधकार में है। इधर, मौत की खबर सुनकर मौके पर मृतकों की दो बहनें पहुंची। जब यह सवाल उठा कि अब मां और अनाथ हो चुकी प्रमिता की देखरेख कौन करेगा तो मनोज की दोनों बहनों ने हाथ खड़े कर दिए। बड़ी बहन का कहना था कि मां को वृद्धा आश्रम भेज देंगे, जिसका खर्चा वह दे देंगी। वहीं चचेरे भाई अजय ने बड़ा दिल दिखाया और प्रमिता की जिम्मेदारी लेने की बात कही।

सिटी ब्रीफ

अवैध लकड़ी ले जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली की सीज

हल्द्वानी : तराई पूर्वी वन डिवीजन की डौली रेंज टीम ने मंगलवार को किच्छा- लालकुआं नेशनल हाईवे पर गश्त के दौरान एक महिंद्रा ट्रैक्टर संख्या यूके 06 एन 7789 को जांच के लिए रोका। इस पर चालक ने ट्रैक्टर को किच्छा की ओर भगाया। वाहन का पीछा करने पर चालक ट्रैक्टर को शान्तिपुरी वन बैरियर के पास सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। वाहन की जांच करने पर वाहन में अवैध रूप से गुटेल लकड़ी का सोवता भरा पाया गया। ट्रैक्टर ट्रॉली की तलाशी ली तो कई अभिवहन संबंधित कोई वैध प्रपत्र नहीं मिले। इस पर टीम ने वाहन को लकड़ी समेत सीज कर दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : कालाढूंगी पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 23 दिसंबर को टीम ने चेकिंग के दौरान रिहान पुत्र शाहिद हुसैन निवासी वार्ड 4 कालाढूंगी को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके पास से कच्ची शराब से भरे 36 पाउच बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एएसआई जयपाल सिंह, कांस्टेबल अमनदीप सिंह व किशन नाथ थे।

डॉ. गणेश धर्मसक्तू सीनियर इनलैंड फेलोशिप से सम्मानित

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग के प्रो डॉ. गणेश सिंह धर्मसक्तू ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि अर्जित कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। डॉ. गणेश सिंह को हाल ही में गुवाहाटी में आयोजित ऑर्थोपेडिक्स के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित सीनियर इनलैंड फेलोशिप-2025 से सम्मानित किया गया।

इस सम्मान के लिए शैक्षणिक उपलब्धियां, शोधकार्य, प्रकाशित शोध-पत्र, वैज्ञानिक लेखन एवं व्याख्यानों की गुणवत्ता को प्रमुख मानदंड माना जाता है। देशभर से चयनित अत्यंत सीमित एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को ही यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान की जाती है।

सम्मान मिलने पर प्रो. डॉ. गणेश सिंह ने उत्तराखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. पुनीत अग्रवाल सहित चयन समिति का आभार जताया। प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने इस उपलब्धि पर प्रो. धर्मसक्तू को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अत्यंत गर्व का विषय है। इस प्रकार की उपलब्धियां संस्थान की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं चिकित्सकीय उत्कृष्टता को और अधिक सुदृढ़ करती हैं।

ज्वैलरी शॉप में चोरी के बाद ठेले वालों की शामत, एसपी से गुहार

- ठेले वाले बोले, उन्हें हटाने के नाम पर पुलिस कर रही बदसलूकी
- पुलिस ने रविवार को यहां-वहां ठेला लगाने वालों पर की थी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुखानी थाना क्षेत्र में ठेले और फड़ लगाने वालों की शामत आ चुकी है। पुलिस ठेले वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है और ठेले वाले पुलिस कर्मियों पर ही आरोप लगा रहे हैं। इसको लेकर ठेले वालों ने मंगलवार को एसपी सिटी से मुलाकात की और पुलिस कर्मियों के व्यवहार पर सवाल उठाए।

ठेले वालों का कहना था कि उन्हें हटाने के नाम पर पुलिस उनके साथ बदसलूकी कर रही है। जबकि ठेले वाले रोजी-रोटी के लिए ईमानदारी से सिर्फ अपना काम करते हैं। ठेलेवालों ने पुलिस की बदसलूकी से जुड़े कुछ फोटो और वीडियो भी एसपी को दिखाए। जिसके बाद एसपी ने पुलिस को निर्देशित किया कि वह अपनी कार्रवाई के दौरान किसी से भी जोर-जबरदस्ती या बदसलूकी नहीं करेंगे। यदि ऐसी शिकायत आती है तो फिर कार्रवाई होगी।

बता दें कि चोरी की घटना में शामिल जनक राज जोशी भी मुखानी थाना क्षेत्र में फड़ लगाकर सब्जी बेचता था। जिसके बाद पुलिस ने शहर में और खासतौर पर ज्वैलरी शॉप के आस-पास फड़-ठेले लगाने वालों की जांच और कार्रवाई शुरू की।

एसपी सिटी मनोज कत्याल से पुलिस अभद्रता की शिकायत करते ठेले वाले।

सिंधी चौक से तीन दिशाओं में बंटा चोरों का गैंग

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राधिका ज्वैलर्स में सवा करोड़ की चोरी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पुलिस उलझती जा रही है। इस मामले में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं और अब सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने के बाद चोरों का गैंग ऑटो से सिंधी चौक पहुंचा और यहां से तीन दिशाओं में बंट कर फरार हो गया। अभी तक घटना का जिस जनकराज जोशी को मुख्य आरोपी माना जा रहा है, वो चम्पावत की ओर भागा है।

कुसुमखेड़ा स्थित राधिका ज्वैलर्स में सेंधमारी की घटना बीती 17 दिसंबर को हुई थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने घटना स्थल से ही एक ऑटो बुक किया था। ऑटो वाले को राजी करने के लिए आरोपियों ने उसे अतिरिक्त भुगतान किया। जिसके बाद ऑटो चालक ने दो चक्कर लगाकर आरोपियों को सिंधी चौक पहुंचाया। यहां से गैंग के कुछ गुर्गे बरेली की ओर निकल गए और कुछ रामपुर रोड की ओर। जबकि मुख्य आरोपी जनकराज जोशी चम्पावत की ओर भागा। माना जा रहा है कि बरेली रोड की ओर गए गुर्गे पीलीभीत के रहने वाले हैं, जबकि रामपुर रोड की ओर भागे आरोपियों की तलाश मुरादाबाद में की जा रही है। इन दोनों दिशाओं में निकले गुर्गों ने सिंधी चौक से भागने के लिए कार का इस्तेमाल किया। जबकि तीसरा आरोपी जनकराज जोशी के चम्पावत की ओर जाने की बात सामने आई है। माना जा रहा है कि नेपाली मूल का जनक राज जोशी चम्पावत से होते हुए नेपाल पहुंच चुका है।

इस मामले में एक और बात यह सामने आ रही है कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद घटना स्थल पर ही माल का बंटवारा कर लिया था। जिसके बाद वह दुकान से बाहर आए, ऑटो बुक किया, सिंधी चौक पहुंचे और फिर अपने-अपने ठिकानों की ओर फरार हो गए। एसपी सिटी मनोज कत्याल का कहना है कि पुलिस की टीमें सही ट्रैक पर हैं और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपी जिस दिशा में भागे हैं, पुलिस उनके पीछे है।

इसी दुकान में चोरों ने दिया वारदात को अंजाम। ● अमृत विचार

पीलीभीत के मिले आधार कार्ड, असली हैं या नकली

हल्द्वानी : पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे सेंधमारी की वारदात में शामिल चोरों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पहले माना जा रहा था कि इस वारदात में जनकराज समेत कुल पांच लोग शामिल थे, लेकिन अब सामने आ रहा है कि इनकी संख्या 8 से अधिक है। जांच में पुलिस के हाथ कुछ आधार कार्ड भी लगे हैं और ये सभी आधार कार्ड उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के हैं। पुलिस अब इस बात की तस्दीक कर रही है कि ये आधार कार्ड असली हैं या फिर नकली। जांच में कई सीसीटीवी फुटेज भी ऐसे मिले हैं, जिसमें आरोपियों की तस्वीर साफ दिख रही है।

चोरों ने इतने सुबूत छोड़े कि उलझ गई पुलिस

हल्द्वानी : कुछ मामलों में पुलिस सुबूत की तलाश में कई-कई दिन गुजार देती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं है। चोरों ने चोरी के बाद घटना स्थल से लेकर उत्तर प्रदेश तक इतने सुबूत छोड़े हैं कि पुलिस उलझ गई है। पुलिस को अब यह समझ नहीं आ रहा है कि जांच की शुरुआत कहां से की जाए, ताकि वह सीधे गैंग तक पहुंच जाएं। यहां जिन सुबूतों की बात हो रही है, उसमें सबसे अहम है मोबाइल नंबर। पुलिस की मानें तो जनक राज जोशी ही आधा दर्जन से ज्यादा मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करता था। इन नंबरों में कई अन्य प्रदेशों के भी हैं।

दो गांवों में हुआ जंगलात की सीमा का निर्धारण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दमुवाढूंगा जवाहर ज्योति को राजस्व गांव बनाने की कवायद तेज हो गई है। फिलहाल जंगलात और राजस्व विभाग का दो गांवों में सीमा का चिन्हांकन व पैमाइश पूरी हो गई है जबकि चार-पांच गांवों में अभी भी सर्वे जारी है।

अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार ने इस वर्ष जुलाई में दमुवाढूंगा को राजस्व गांव बनाने के आदेश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने प्रक्रिया तेज कर दी है। दमुवाढूंगा जवाहर ज्योति की 643 एकड़ भूमि आ रही है। वहीं, 40 हजार की आबादी के साथ ही वार्ड 35, 36 और 37 के लोगों को भी फायदा होगा। राजस्व गांव बनाने का सर्वे नवरात्र में शुरू हुआ था इसमें राजस्व विभाग की ओर से सीमांकन पिलर्स लगा दिए थे। वहीं, वन विभाग ने भी दमुवाढूंगा से पनियाली तक बाउंड्री बनाकर उत्तरी सीमा का निर्धारण कर रहा है, राजस्व विभाग दक्षिणी सीमा पर चिन्हांकन कर पैमाइश कर रहा है। इधर, वन विभाग ने दो गांवों में सीमा का निर्धारण कर दिया है, एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि दमुवाढूंगा में उत्तरी व दक्षिण सीमा पर वन विभाग व राजस्व की टीमें काम कर रहे हैं। फिलहाल दो गांवों में दोनों विभागों ने सीमा निर्धारण कर लिया है जबकि चार से पांच गांवों में सीमा निर्धारण बाकी है।

हरीश रावत की छवि खराब करने की साजिश का आरोप, सौंपी तहरीर

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिंदुखत्ता एवं शहर कांग्रेस कमेटी लालकुआं ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली लालकुआं में तहरीर सौंपी है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया में पूर्व सीएम हरीश रावत का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

कांग्रेसियों ने वीडियो एआई तकनीक से तैयार बताते हुए वीडियो पोस्ट करने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पोस्ट को शीघ्र नहीं हटाया गया तो वे धरने में बैठने को बाध्य होंगे। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी हरेंद्र बोरा, बिंदुखत्ता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू, लालकुआं शहर अध्यक्ष भुवन पांडे, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष सूरज राय, ब्लॉक महामंत्री प्रदीप बथ्याल, पूर्व सैनिक जिलाध्यक्ष सूबेदार मेजर कुंदन सिंह मेहता, गिरधर सिंह बम, रमेश कुमार, शंकर राम, लक्ष्मण धपोला, प्रमोद चंदन बोरा, मीना कपिल, बीना, गोविन्द सिंह दानू, कमल दानू, माया देवी, पवन बिष्ट, नारायण सिंह, खुशहाल सिंह मेहता, दिनेश पासवान, विमला पासवान, रोहित व शाहिद समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

लालकुआं कोतवाली पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

छह ट्रेनें 25 दिसंबर से 31 जनवरी तक निरस्त

हल्द्वानी: लालकुआं, काशीपुर, रामनगर और कासगंज रेलखंड पर 25 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक छह पैसेंजर ट्रेनें अस्थायी रूप से निरस्त रहेंगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि इस अवधि में कुल छह ट्रेनें परिचालनिक कारणों से निरस्त रहेंगी। निरस्त होने वाली गाड़ियों में कासगंज-लालकुआं सवारी गाड़ी संख्या 55311, लालकुआं-काशीपुर गाड़ी संख्या 55309, काशीपुर-रामनगर सवारी गाड़ी संख्या 55305, रामनगर-काशीपुर सवारी गाड़ी संख्या 55306 शामिल हैं। काशीपुर-लालकुआं सवारी गाड़ी संख्या 55310 और लालकुआं-कासगंज एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15062 भी इस अवधि में नहीं चलेगी।

माल्टा फेस्टिवल में युवक को सम्मानित करते विधायक कैड़ा। ● अमृत विचार

विधायक कैड़ा ने किया माल्टा महोत्सव का शुभारंभ

हल्द्वानी, अमृत विचार : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने भीमताल स्थित विकास भवन परिसर में माल्टा महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से माल्टा महोत्सव का आयोजन प्रत्येक जनपद में किया जा रहा है। इसके माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। माल्टा से बने उत्पादों के प्रचार प्रसार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय कृषकों स्वयं सहायता समूह एवं उद्यमियों को मंच प्रदान कर स्वरोजगार के अवसर सृजित करना तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। विधायक ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से लगाए स्टॉलों का निरीक्षण किया और माल्टा उत्पादों की जानकारी ली। सरकार हर वर्ग के साथ खड़ी है।

सख्ती

जिला प्रशासन ने फर्जी स्थायी निवास प्रमाण पत्र वालों के बाद राशन कार्डों की जांच शुरू करने के निर्देश दिए

राशन कार्ड धारकों का होगा सत्यापन, कार्डों की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाने के बाद जालसाजी कर राशन कार्ड बनाने वाले जिला प्रशासन के निशाने पर आ रहे हैं। जिला प्रशासन राशन कार्डों की जांच शुरू करने जा रहा है, हालांकि अभी राशन कार्ड धारकों के ऑनलाइन केवाईसी जारी है, इसके पूरे होते ही राशन कार्ड बनाने के लिए, लगाए दस्तावेजों और कार्ड धारकों का सत्यापन किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों में फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ होने के बाद राशन कार्डों की जांच के भी निर्देश दिए हैं। एडीएम विवेक राय ने जिले के सभी उपजिलाधिकारियों को राशन कार्डों की जांच के लिए कहा है। इस जांच में राशन कार्ड बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए दस्तावेज पानी-बिजली के बिल, परिवार रजिस्टर की नकल, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पूर्व में बने राशन कार्ड के ट्रांसफर सर्टिफिकेट आदि की जांच की जाएगी। प्रशासन को आशंका है कि जिस तरह जालसाजी कर पानी-बिजली के बिलों को स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाने में इस्तेमाल किया गया, वैसे ही राशन कार्ड में भी इनका प्रयोग किया गया है। इसलिए राशन कार्डों के सत्यापन के लिए भी कहा गया है।

निरस्त किए स्थायी प्रमाण पत्र से बने राशन कार्ड

जिला प्रशासन ऐसे राशन कार्डों की भी जांच कर रहा है जो निरस्त किए गए स्थायी निवास प्रमाण पत्रों के आधार पर बनाए गए हैं। उन राशन कार्डों को प्राथमिकता से निरस्त किया जाएगा। बता दें कि जिला प्रशासन वर्ष 2020 से अब तक बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच कर रहा है इसमें 300 जांच के दायरे में हैं जिनमें 89 निरस्त हो चुके हैं।

सफेद राशन कार्ड वालों का होगा सत्यापन

प्रशासन के अनुसार बीपीएल राशन कार्ड के दस्तावेजों के साथ ही राशनकार्ड धारकों का सत्यापन किया जाएगा। शिकायतें मिली हैं कि कइयों के घरों में दो-चौपाया वाहन हैं, घरों में एसी लगे हुए हैं। घर में न्यूनतम दो अधिकतम तीन-चार सदस्य की मासिक आमदनी है फिर भी बीपीएल कार्ड का लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी निरस्त किया जाएगा।

> उच्च अधिकारियों के अनुसार, राशन कार्डों की जांच शुरू की जाएगी। अभी ऑनलाइन केवाईसी संचालित हो रही है, इसमें कई कुपात्र बाहर हो जाएंगे। फिर बाकी राशनकार्डों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी और रैंडमली राशन कार्ड धारकों का सत्यापन किया जाएगा। दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर बनाए गए राशन कार्डों को निरस्त किया जाएगा।
>
> -राहुल शाह, एसडीएम हल्द्वानी

भाजपा में मोर्चा अध्यक्षों के बाद अब प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर रार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा के मोर्चों में जिलाध्यक्ष को लेकर टकराव खत्म नहीं हुआ था कि अब प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर रार छिड़ गई है। इस वजह से प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा हुए काफी समय बीतने के बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी नहीं घोषित की जा सकी है।

भाजपा में विभिन्न मोर्चों के जिलाध्यक्ष को लेकर पहले जनप्रतिनिधि, प्रदेश पदाधिकारियों में टकराव था। इसकी वजह से नैनीताल जिले के सभी मोर्चों के अध्यक्ष की घोषणा अन्य जिलों की अपेक्षा देरी से हुई। जिलाध्यक्ष की घोषणा होते ही अंदरूनी कलह सतही हो गई थी, सोशल मीडिया पर विरोध दिख रहा था। जिला संगठन ने जैसे तैसे विरोधी सुरों को शांत किया। अब मोर्चों में प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर संघर्ष शुरू हो गया है। दरअसल, इस बार भी एक मोर्चे के प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और जनप्रतिनिधि में प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर रार है। सभी अपने-अपने समर्थकों को फिट करने में लगे हुए हैं। इधर, महिला मोर्चा में कल्पना बोरा, विजयलक्ष्मी चौहान और पूर्व जिलाध्यक्ष अलका जीना भी प्रदेश कार्यकारिणी की दावेदार हैं। वहीं, युवा मोर्चा में प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में प्रदेश उपाध्यक्ष सम्मानजनक पद है जिसके लिए पूर्व जिलाध्यक्ष कार्तिक हर्बोला, गौरव जोशी गवि व मोहित कांडपाल रेस में हैं। किसान मोर्चा में पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप कुकसाल, धीरज पांडेय, राजेंद्र तिवारी, कमल जोशी, सोबन सिंह और रमेश कुनियाल के नाम चर्चाओं में हैं। ओबीसी मोर्चा में पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कश्यप, वीरेंद्र जायसवाल के नाम चल रहे हैं। अब यह देखना होगा कि प्रदेश कार्यकारिणी में जगह बनाने में कौन सफल होता है।

सिटी ब्रीफ

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर शुरू

नैनीताल : भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय, नैनीताल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन आज आचार्य नरेन्द्र देव मानव सम्मान संस्थान में उत्साह, अनुशासन एवं सेवा-भाव के साथ किया गया। यह विशेष शिविर युवाओं में सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्रसेवा की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। आचार्य नरेन्द्र देव मानव सम्मान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्य गीत के साथ की गई। इसके उपरांत स्वयंसेवकों बैज अलंकरण समारोह हुआ। जिसके माध्यम से स्वयंसेवियों में संगठन के प्रति उत्तरदायित्व एवं गौरव की भावना का संचार किया गया। इस अवसर पर सभासद ललिता दफोटी का गरिमामयी आगमन हुआ। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में स्वयंसेवियों के उत्साह, अनुशासन एवं सेवा-भाव की सराहना करते हुए उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य प्रवीण सती, डॉ. रेनू बिष्ट, आलोक साह, आलोक भट्ट, गोविंद बोरा, गोविंद नेगी, निशा, गीतिका, नेहा, रोहित एवं नवीन पाठक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम प्रभारी मीनाक्षी बिष्ट ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवियों का आभार जताया। संचालन स्वयंसेवी सुनैना ने किया।

विंटर कार्निवाल में छाया चारु और परमीश का जादू

स्टार नाइट का हुआ आयोजन, उत्तराखंड, पंजाबी और बॉलीवुड के गानों पर जमकर झूमे स्थानीय लोग और पर्यटक

संवाददाता, नैनीताल

स्टार नाइट का शुभारंभ करते सांसद अजय भट्ट, विधायक सरिता आर्या, कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत व डीएम ललित मोहन रयाल।

स्टार नाइट के दौरान अपनी प्रस्तुति देते परमीश वर्मा।

अमृत विचारः नैनीताल में सात साल बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विंटर कार्निवाल का आगाज हुआ। स्टार नाइट में बॉलीवुड सुपर स्टार चारु और परमीश वर्मा की आवाज का जादू छाया रहा।

मंगलवार को विंटर कार्निवाल के दूसरे दिन स्टार नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व उत्तराखंड की संस्कृति कुमाऊं की प्रेम कथा राजुला मालूम शाही की प्रस्तुति के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट, विशिष्ट अतिथि विधायक सरिता आर्या रहीं। संचालन हेमंत बिष्ट, नवीन पांडे व मीनाक्षी कीर्ति ने किया। स्टार नाइट का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने किया। स्टार नाइट में वैशाली ने माही वे मुहब्बतां वे, आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लीजिए, मैं तेरी दिल्लगी, अभी तो पार्टी शुरू हुई है आदि गीतों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही मिश्रा ने तू जो छू ले प्यार से आराम से मर जाऊं, बॉलीवुड सुपर स्टार सेमवाल ने कजरा मुहब्बत वाला, आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लीजिए और सुपर स्टार चारु सेमवाल ने रात बाकी बात बाकी, दीवानी चली रे चली, लगा जा गले, झूठी खाई थी कसम जी निभाई नहीं, कजरा रे, तम्मा तम्मा लोगे, यार बिना चैन कहां रे, हरे कृष्णा हरे राम, बीडी जलइले आदि गीतों पर पर्यटक और स्थानीय लोग जमकर झूमे। सुपर स्टार परमीश वर्मा ने जाट कर, तेरी या गद्दिया, पट्ट लाके, गाल नी कडनी, सारे आम गल्ला, बदनाम नाम जाट, खुला गल करदे यारा जट, आदि सुपर हिट गीतों की प्रस्तुति दी जिस पर दर्शकों ने जमकर ठुमके लगाए। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि नैनीताल की और हमारी संस्कृति प्रेमी जनता इस कार्निवाल में प्रस्तुत हो रही है। हमारी कुमाउनी संस्कृति पूरे देश में प्रसारित हो रही है। उन्होंने कहा कि नैनीताल के प्रति प्रधानमंत्री का विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के आओ घाम तापों थीम पर आयोजित है। इसके साथ ही देवी भवानी दैणा होए गीत की प्रस्तुति भी दी। विधायक सरिता आर्या ने कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए जिला प्रशासन व जिला पर्यटन विभाग की आयोजन के लिए सराहना की। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने कहा कि कोरोना के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसे दोबारा शुरू किया गया है। नैनीताल का मौसम शीतकालीन कार्निवाल के लिए बेहतर है। वहीं जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कहा कि प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नैनीताल में इस भव्य विंटर कार्निवाल का आयोजन किया गया है। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल, अपर जिला अधिकारी विवेक रॉय, एसडीएम नवाजिश खालिक, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी, प्रताप बिष्ट सांसद प्रतिनिधि गोपाल रावत आदि मौजूद रहे।

रं एवं जोहार संस्कृति ने बिखेरे लोक रंग

कार्निवाल में धारचूला और दारमा घाटी से आए रं एवं जोहार समाज के सांस्कृतिक दलों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बने। पारंपरिक वेशभूषा, विशिष्ट आभूषणों और लोक कलाओं की मनोहारी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में कंधे पर चांदी की चेन अथवा मोटे धागे से लटकाए जाने वाले आभूषणों के गुच्छे 'छ्यामटांग', रंग-बिरंगे कपड़ों से बने पारंपरिक बटुए तथा लोक नृत्य-गीतों का सुंदर प्रदर्शन किया गया, जिसने उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया।

लाखिया भूत की प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र

विंटर कार्निवाल में हिलजात्रा लोकपर्व से जुड़ी लाखिया भूत की रहस्यमयी प्रस्तुति ने सभी का ध्यान खींचा। शिव के गण वीरभद्र के स्वरूप, भव्य मुखौटे और पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों के साथ की गई इस प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने दीं रंगारंग प्रस्तुतियां

कार्निवाल के दौरान दिनभर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, वहीं सायंकाल स्टार नाइट ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ स्कूली बच्चों ने भी मंच पर शानदार प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में फूड फेस्टिवल और नुक्कड़ नाटक भी आकर्षण का केंद्र रहे। लोक गायक गोविंद दिगारी ने 'गोविंद घुंघुर बजे दे', 'पहाड़ छुट्टी गो', 'ओ लाली' जैसे गीतों से समां बांधा। वहीं खुशी जोशी ने 'अल्मोड़ा अंग्रेज', 'हाय कड़कड़ी झीलेंमा' तथा राकेश खानवाल ने 'क्रीम पोडरा', 'हिमूली हालदार की चेली' जैसे लोकगीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।

नैनी झील में सेलिंग रिगाटा और दीपदान

कार्निवाल के अंतर्गत नौकायन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए नैनी झील में सेलिंग रिगाटा का आयोजन किया गया। सायंकाल तल्लीताल बोट स्टैंड, नैना देवी मंदिर एवं बोट हाउस क्लब से दीपदान किया गया, जिससे झील और आसपास का क्षेत्र दिव्य आलोक से जगमगा उठा। इसके साथ ही हनुमानगढ़ी में विंटर लाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

यूपीएससी में ग्राफिक एरा की कर्णिका को 152वीं रैंक

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस की पूर्व छात्रा कर्णिका नेगी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग सर्विसेज परीक्षा में देश भर में 152वीं रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

कर्णिका नेगी मूल रूप से लामाचौड़, हल्द्वानी की निवासी हैं। वे वर्ष 2023 बैच की बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की छात्रा रही हैं। कर्णिका ने ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया था, जो उनकी शैक्षणिक प्रतिभा और लगन को दर्शाता है।कर्णिका के पिता लक्ष्मण सिंह नेगी एक किसान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन से कर्णिका ने उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम के साथ यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उनकी यह सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास व निरंतर प्रयासों का परिणाम है। कर्णिका की उपलब्धि से न केवल उनके परिवार को गर्व की अनुभूति हो रही है, बल्कि यह ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल कैंपस तथा क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी है।

मंच पर दिखी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में विंटर कार्निवाल के शुभारंभ अवसर पर निकाली गई झांकी में मुखौटा पहने कलाकार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सरोवर नगरी नैनीताल में विंटर कार्निवाल का भव्य और रंगारंग शुभारंभ हो गया। कार्निवाल का उद्घाटन नैनीताल विधायक सरिता आर्या और अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने किया। शुभारंभ अवसर पर माल रोड सहित पूरे नगर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान अमरोहा से आए सिख समुदाय के कलाकारों ने पारंपरिक गतका प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं धारचूला और मुनस्यारी से पहुंचे रं समाज के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा और लोक संस्कृति का प्रदर्शन कर स्थानीय लोगों और पर्यटकों को पहाड़ की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया।

उत्तराखंड की पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राज्य की संस्कृति को जीवंत किया, जिसका पर्यटकों ने जमकर आनंद उठाया। आगामी तीन दिनों तक नैनीताल में उत्तराखंड की लोक संस्कृति और बॉलीवुड संगीत का शानदार संगम देखने को मिलेगा। सनसाइड पॉइंट हनुमानगढ़ी मे विन्टरलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे दर्जनभर से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पद्मश्री अनूप साह, राजीव दुबे व हिमांशु जोशी रहे। यहां विधायक सरिता आर्या, पालिका अध्यक्ष सरस्वती खेतवाल, एडीएम विवेक रॉय, एसडीएम नवाजिश खलिक, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी, मनोज जोशी, हरिश राणा, दीपक मर्तोलिया, रुचिर साह, दया किशन पोखरिया, नितिन कार्की, पंकज भट्ट सहित गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड की संस्कृति से सराबोर झांकी में कलाकारों के साथ नृत्य करती पर्यटक।

पर्यटकों ने जमकर उठाया लुत्फ

शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्निवाल में उत्तराखंड की विविध लोक संस्कृतियों का अनूठा संगम देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों के साथ ही बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, झांकियों और आयोजनों का भरपूर आनंद लिया। झांकियों में आर्मी बैंड, पुलिस बैंड तथा विभिन्न स्कूलों के बैंडों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा नगर उत्सवी माहौल में रंग गया।

गर्म स्वेटर पाकर खिले बच्चों के चेहरे

- निर्धन बच्चों की मदद के लिए पायनियर क्लब ने बढ़ाए हाथ

संवाददाता, रामनगर

गर्म स्वेटर के साथ स्कूली बच्चे एवं क्लब के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सर्दियों के मौसम में स्कूली बच्चे ठंड से ठिठुरते न मिले इसी मुहिम को लेकर पायनियर्स क्लब ने जरूरत मंद स्कूली बच्चों को गर्म स्वेटर वितरित करने का अभियान शुरू किया है। क्लब ने प्राथमिक विद्यालय मोतीमहल में 40 एवं प्राथमिक विद्यालय तेलधानी में 50 जरूरतमंद स्कूली निर्धन बच्चों को निशुल्क ग्राम स्वेटर वितरित किए।

मीडिया प्रभारी राकेश अग्रवाल ने बताया कि ऐसे विद्यालयों को चिह्नित किया जा रहा है। जहां निर्धन बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उन विद्यालयों में भी स्वेटर वितरित किए जाएंगे। क्लब के संस्थापक संतोष मेहरोत्रा ने कहा कि पायनियर्स क्लब का उदेश्य ही पीड़ित मानवता की सेवा करना है। कहीं किसी बच्चे की शिक्षा में यदि सर्दी बाधक हो रही है तो इसे क्लब के द्वारा गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, लवजीत कौर, राकेश अग्रवाल, सरस अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, नवीन तिवारी, विजय अग्रवाल, सुभाष चंद्र ,वैभव अग्रवाल, अरविंद कुमार, शिवम सिंघल, रविंद्र सिंह छोई एवं सेंट्रल बैंक रामनगर की मुख्य शाखा प्रबंधक प्रनीति दास उपस्थिति रहे।

शिक्षकों ने की स्थानांतरण सूची जारी करने की मांग

संवाददाता, रामनगर

मनोज तिवारी।

अमृत विचारः प्राथमिक शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरणों पर तीन माह बीतने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से संबंधित शिक्षकों में नाराजगी है। उनका धैर्य धीरे-धीरे जवाब दे रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ ने सरकार, शासन एवं विभाग को ज्ञापन भेज कर शीघ्र ही स्थानांतरण सूची जारी करने का अनुरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि विगत माह अक्टूबर 2025 में महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा ने प्रारंभिक शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण, उत्तराखंड लोक सेवकों के लिए वार्षिक स्थानांतरण अधिनियम 2017 की धारा 27 के अंतर्गत निदेशालय को भेजे जाने के निर्देश जारी किए गए थे। जिस क्रम में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय द्वारा सभी जनपदों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन मांगे गए थे। जिसके बाद सभी जनपदों द्वारा सितंबर माह तक आवेदन संकलित कर स्क्रूटनी के पश्चात स्थानांतरण हेतु पात्र शिक्षकों की सूचियां जारी कर दी गई थी। परंतु अभी तक भी कोई कार्यवाही नहीं हुई जिससे शिक्षकों में उहापोह की स्थिति है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय पदाधिकारी मनोज तिवारी ने इस प्रकरण में शासन एवं विभाग को अनुस्मरण भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

बांग्लादेश में हुई हिंसा पर प्रदर्शन

संवाददाता, कालाढूंगी

बांग्लादेश के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर पुतला दहन करते हिंदूवादी संगठन के

अमृत विचारः विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अमानवीय घटनाओं के विरोध में इस्लामिक जिहाद व बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। संगठनों ने अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताते हुए कड़ी कार्यवाही मांग की है।

जिला मंत्री गिरीश पड़लिया ने कहा बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद इस्लामी जिहादी गतिविधियां बढ़ गईं हैं, जिनके निशाने पर पत्रकार, शासकीय कर्मचारी, हिन्दू समाज के मंदिर, व्यसायिक केंद्र, संपत्ति व महिलाएं हैं। एक सामान्य हिन्दू श्रमिक दीप दास पर ईशनिंदा का झूठा आरोप लगाकर भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और भय फैलाने के लिए शव का जलाकर वीडियो प्रसारित किया गया।

इस दौरान तारा चंद्र, मोहन जोशी, गुड्डू चौहान, मुदित कुमटिया, चंचल खोलिया, अमेश, पूरन सिंह मेहरा, रवि पाल, नरेन्द्र बिष्ट, मंयक गुप्ता, मोहन सिराड़ी, शुभम उपाध्याय, मुकेश गुरूरानी, मनोज पांडे, नितिन पडलिया, आकाश सैनी, विकास सहित दर्जनों विहिप व बजरंदल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उधर, रामनगर स्थित रानीखेत रोड पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उसका पुतला दहन किया।

प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करतीं बीईओ सुलोहिता नेगी।

ओखलकांडा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भीमताल, अमृत विचार : विकासखंड ओखलकांडा में सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी सुलोहिता नेगी, प्राथमिक शिक्षक संगठन ओखलकांडा के अध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट और ग्राम प्रधान खनस्यूं विमला देवी ने किया। इस दौरान कुर्सी दौड़ प्राथमिक वर्ग में प्रथम स्थान विक्की चिलवाल, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चमोली, उच्च प्राथमिक वर्ग में प्रथम स्थान गंगा देवी, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झड़गांव, लोक नृत्य प्राथमिक वर्ग में प्रथम स्थान राजकीय प्राथमिक विद्यालय झड़गांव मल्ला, लोक नृत्य उच्च प्राथमिक वर्ग में प्रथम स्थान राउप्रावि क्वैराला, लोक गायन प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान राप्रावि टीमर, लोक गायन उच्च प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान राउप्रावि झड़गांव ने प्राप्त किया। समस्त प्रतिभागियों को खंड शिक्षा अधिकारी ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन हरीश बर्गली एवं विनय पलड़िया ने किया।

सहयोग

कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत सौंपी गईं मशीनें और उपकरण

जापान की फुजीफिल्म ने कॉर्बेट को दी अत्याधुनिक जांच मशीनें

संवाददाता, रामनगर

अत्याधुनिक मेडिकल जांच मशीनें देने पहुंची जापानी टीम के साथ कॉर्बेट के अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जापान की प्रसिद्ध कंपनी फुजीफिल्म ने अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को अत्याधुनिक मेडिकल जांच मशीनें उपलब्ध कराई हैं। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने रामनगर स्थित कॉर्बेट पार्क पहुंचकर इन मशीनों को औपचारिक रूप से पार्क प्रशासन को सौंपा।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि ढेला क्षेत्र में स्थित रेस्क्यू सेंटर में वर्तमान में 14 तेंदुए और 11 बाघ रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि वन मंत्री के निर्देशानुसार रेस्क्यू सेंटर्स के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में फुजीफिल्म के साथ सहयोगात्मक अनुबंध किया गया है। डॉ. बडोला ने बताया कि फुजीफिल्म द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत अत्याधुनिक तकनीक की मशीनें निशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। मंगलवार को फुजीफिल्म की टीम ने मशीनों के साथ उनसे संबंधित आवश्यक उपकरण भी कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को हैंडओवर किए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन मशीनों का उपयोग रेस्क्यू सेंटर में रखे गए बाघों एवं तेंदुओं के स्वास्थ्य परीक्षण और पुनर्वास प्रशिक्षण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

उन्होंने बताया कि ये मशीनें वन्यजीवों के ब्लड पैरामीटर और बॉडी पैरामीटर का विश्लेषण करने में सक्षम हैं। पूर्व में इन जांचों के लिए संस्थान को वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) या आईवीआरआई जैसे बाहरी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब उत्तराखंड के भीतर ही रेस्क्यू सेंटर में सभी आवश्यक जांच संभव हो सकेंगी। इस अवसर पर जापान से आए कोहिनोमीतू ने बताया कि वे फुजीफिल्म जापान से जुड़े हैं और वर्तमान में भारत में कार्यरत हैं।

कहा कि कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व जैसे प्रतिष्ठित वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र को आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराना उनके लिए गर्व की बात है। वहीं फुजीफिल्म इंडिया की प्रतिनिधि तनु प्रिया बलूनी ने बताया कि फुजीफिल्म की ड्राई-कैम पहल के अंतर्गत कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को ड्राई केमिस्ट्री एनालाइज़र एनएक्स 600वी मशीन प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से वन्यजीव संरक्षण एवं चिकित्सा सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी।

सिटी ब्रीफ

कबड्डी में दम दिखाएंगी नैनीताल की बेटियां

कालाढूंगी : राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में नैनीताल जिले की तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। जिला कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव मनमोहन सिंह बसेड़ा ने बताया कि दमदम पश्चिम बंगाल में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए नैनीताल जिले से लक्ष्मी मेहता, चित्रा नयाल व माया जोशी का चयन हुआ है। पूर्व में भी लक्ष्मी मेहता और चित्रा नयाल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर चुकी है। उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के उप सचिव परमवीर सिंह पम्मा, नैनीताल डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष हरक सिंह राणा, कोषाध्यक्ष कुंदन सिंह बसेड़ा, खो-खो कोच राजेंद्र सिंह नेगी, राजेश बिष्ट, अनिता कुमारी ने खिलाड़ी को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

राज्य आंदोलनकारी के पिता के निधन पर शोक

हल्द्वानी : चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति ने मंगलवार को शोक सभा कर राज्य आंदोलनकारी भुवन जोशी के पिता के निधन पर शोक प्रकट किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। शोक प्रकट करने वालों में राजेंद्र सिंह बिष्ट, जोशना पांडे, कमल जोशी, अयोध्या प्रसाद केसरवानी, मोहन पाठक, भुवन तिवारी, बालम बिष्ट ने शोक जताया।

सीनियर पुरुष जिला क्रिकेट लीग 29 से

हल्द्वानी : जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता 29 दिसंबर से आयोजित होगी। मंगलवार को एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपने ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि नैनीताल जिले के सभी खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए टीम का चयन करना है। जिला क्रिकेट लीग के माध्यम से नैनीताल जिले की क्रिकेट टीम का चयन किया जाएगा, जो क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से आयोजित अंतर्जनपदीय क्रिकेट लीग में हिस्सा लेगी। कमल पपने ने यह भी बताया कि इसी सत्र से रणजी, विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीमों के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित हृदयेश ने कहा कि प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं।

उत्तराखंड ने नौवीं बार जीती जू-जित्सु ट्राफी

राष्ट्रीय सब-जूनियर व जूनियर अंडर-18 जूजित्सु चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

राष्ट्रीय जू-जित्सु चैंपियनशिप जीतने के बाद ट्राफी के साथ उत्तराखंड की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जू-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित राष्ट्रीय सब-जूनियर व जूनियर अंडर-18 जूजित्सु चैंपियनशिप-2025 में मेजबान उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और नौवीं बार राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

प्रदेश के खिलाड़ियों ने कुल 90 पदक (56 स्वर्ण, 22 रजत, 12 कांस्य) जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसके बाद उत्तर प्रदेश 32 स्वर्ण, 12 रजत और 22 कांस्य पदक के साथ दूसरे और असम 26 स्वर्ण, 22 रजत और 10 कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश ने चौथा, पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। समापन समारोह में खेल विभाग की उप-निदेशक रसिका सिद्दीकी ने विजेता प्रदेशों को ट्रॉफी प्रदान की और खिलाड़ियों व प्रतिनिधियों को आयोजन के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार जोशी और महासचिव अमित अरोड़ा ने सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अप्रैल में श्रीलंका में होने वाली दक्षिण एशियाई जूजित्सु चैंपियनशिप और जुलाई 2026 में कजाकिस्तान में आयोजित एशियन यूथ चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन समारोह का संचालन सतीश जोशी ने किया। इस अवसर पर जूजित्सु के राष्ट्रीय और विश्व स्तरीय खिलाड़ी व अधिकारी मौजूद रहे।

भीमताल के खिलाड़ियों ने जू-जित्सु प्रतियोगिता में जीते दो कांस्य पदक

भीमताल, अमृत विचार : इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, गोलापार में 19 से 23 दिसंबर तक जू-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय जू-जित्सु प्रतियोगिता में औरो मार्शल आर्ट अकादमी, भीमताल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इस प्रतियोगिता में आरोह कुलेठा ने अंडर-12, अंडर 28 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक तथा गजेंद्र प्रताप बिश्नोई ने अंडर-12 व अंडर 48 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अकादमी और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने पर विजेता खिलाड़ियों, कोच सिंहान, हिमांशु कुलेठा एवं सेंसाई अनीता बोरा को जुजुत्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रेंशी विनय जोशी, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र चनौतिया ने शुभकामनाएं दीं।

पदक जीतने वाले खिलाड़ी।

गढ़-कुमू महोत्सव में बिखरे संस्कृति के रंग

गढ़-कुंमु महोत्सव में प्रस्तुति देते स्थानीय कलाकार। ● अमृत विचार

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचारः बिंदुखत्ता के तिवारी नगर में झांझर सांस्कृतिक कला समिति के तत्वावधान में आयोजित गढ़-कुमू महोत्सव का शुभारंभ स्थानीय कलाकारों एवं स्कूली बच्चों के भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। देव स्तुति के साथ आरंभ हुए महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं व लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छोलिया नृत्य, शगुन आंखर सहित लोकगीत, लोकनृत्य एवं पारंपरिक कार्यक्रमों ने गढ़वाल-कुमाऊं की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन लोक संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम का संचालन कवि जनार्दन उप्रेती ने किया। कार्यक्रम संयोजक जीवन पांडे एवं बसंत पांडेय ने कलाकारों, प्रतिभागी बच्चों और क्षेत्रवासियों का आभार जताया। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव पांच दिवसीय है, जिसमें रोजाना दो पालियों में उत्तराखंड के लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। महोत्सव में भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला, कमलेश चंदोला, दीपक जोशी, चामू सिंह कार्की, कमलापति जोशी, कमल पांडे रहे।

ज्योलीकोट में पुलिस पर हमला करने के चारों आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

पुलिस की गिरफ्त में हमला करने के आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस ने ज्योलीकोट में पुलिस टीम पर हमला करने वाले चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, बीती 21 दिसंबर को चौकी प्रभारी ज्योलीकोट श्याम सिंह बोरा ज्योलीकोट बैरियर पर चेकिंग कर रहे थे। इस बीच जिप्सी रेस्टोरेंट में पर्यटकों व होटल स्टाफ के बीच विवाद की सूचना मिली। इस सूचना पर एसआई बोरा पुलिस टीम के साथ जिप्सी रेस्टोरेंट पहुंचे। मौके पर देखा तो खाने के बिल को लेकर होटल संचालक तथा पर्यटकों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस ने विवाद को शांत करने का प्रयत्न किया तो 4 लोगों ने पुलिस से गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि जान से मारने की नियत से पानी की बोतल (मिल्टन) से एसआई बोरा के सिर पर दो बार वार किया तथा एक होमगार्ड को घायल कर दिया। पुलिस टीम ने आला अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अतिरिक्त पुलिस फोर्स की मदद से चारों हमलावरों को दबोच लिया गया। उनकी शिनाख्त दीप चंद्र पुत्र एवं मनोज पुत्रगण पूरन चंद्र निवासी मल्ला मटेला थाना देघाट अल्मोड़ा, त्रिभुवन शर्मा पुत्र पूरन शर्मा निवासी मल्ला मटेला थाना देघाट अल्मोड़ा और प्रवीण चन्द मंसत पुत्र पूरन चन्द मंसत ग्राम खस्ता थाना सल्ट के रूप में हुई। चारों के खिलाफ तल्लीताल थाने में बीएनएस की धारा 109, 115(2), 121, 132, 221, 351(2)आदि धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

चार साहिबजादों की शहादत को किया गया याद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में सिख समुदाय को संबोधित करते कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने वीर बाल दिवस से पूर्व लामाचौड़ स्थित एक रेस्टोरेंट में सिख समाज के लोगों के साथ बैठक एवं सहभोज किया। इसका मुख्य उद्देश्य वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक, प्रेरणादायी एवं राष्ट्रनिर्माण में अतुलनीय योगदान को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना रहा।

विधायक भगत ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाने वाला वीर बाल दिवस सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह की अद्वितीय शहादत, साहस और धर्मनिष्ठा को स्मरण करने का दिवस है। यह दिवस हमें उस कालखंड की याद दिलाता है, जब मुगल शासन के अत्याचारों के विरुद्ध गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने अल्पायु में ही धर्म, मानवता एवं सत्य की रक्षा के लिए प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया किंतु अन्याय के समक्ष कभी झुके नहीं। उनका यह त्याग सम्पूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह के खालसा पंथ ने समाज को आत्मसम्मान, निर्भीकता, त्याग और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया। वीर बाल दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं बल्कि यह देशप्रेम, धर्म के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव एवं भाईचारे का सशक्त प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में सिख समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक का आभार जताया तथा वीर बाल दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। यहां नानकमत्ता गुरुद्वारा समिति महासचिव अमरजीत सिंह, ग्राम प्रधान परमजीत कौर, शमशेर सिंह, नरेंद्र बिष्ट, सतवंत सिंह, गुरमेज सिंह, परमवीर सिंह पम्मा, जसवंत सिंह जस्सा, महावीर सिंह आदि रहे।

अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी

संवाददाता, लालकुआं

जरूरतमंद को कंबल वितरित करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत द्वारा लालकुआं के मुख्य बाजार और हाईवे किनारे व्यापारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान व्यापारियों को नाली से बाहर अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई।उप जिलाधिकारी रेखा कोहली एवं नगर पंचायत के ईओ ईश्वर सिंह रावत के नेतृत्व में राजस्व विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने मुख्य बाजार तथा हाईवे किनारे व्यापारियों द्वारा आधी सड़क तक किए गए अतिक्रमण को हटाने को लेकर उन्हें मौखिक अल्टीमेटम दिया। ईओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि व्यापारियों ने हाईवे पर काफी आगे तक अतिक्रमण कर लिया था। जिससे लोगों को परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम दिन किसी का चालान नहीं किया गया, केवल चेतावनी देकर छोड़ा गया है। बुधवार से अभियान के दौरान चालान एवं अन्य कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जरूरतमंदों को कंबल बांटे

लालकुआं : अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उप जिलाधिकारी एवं नगर पंचायत की टीम ने घने कोहरे और ठंड को देखते हुए बाजार क्षेत्र में ठिठुर रहे दो जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित कर राहत पहुंचाई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रेखा कोहली ने बताया कि प्रशासन द्वारा क्षेत्र में गरीब एवं असहाय लोगों की सहायता के उद्देश्य से कंबल वितरण किया जा रहा है। साथ ही बाहर से आए ऐसे लोग जो होटल आदि का खर्च वहन नहीं कर सकते, उनके लिए रैन बसेरे की व्यवस्था भी की गई है।

बच्चों को बताई चार साहिबजादों के शहादत की दास्तां

हल्द्वानी, अमृत विचार : सिख फेडरेशन की ओर से मंगलवार को इंस्पिरेशन स्कूल में चार साहिबजादों की शहीदी को समर्पित एक कार्यक्रम किया गया। इसमें छोटे बच्चों ने 6 पोह से लेकर 13 पोह तक का गुरु गोबिंद सिंह जी के बच्चों की शहीदी का इतिहास स्कूली बच्चों के सामने पेश किया। इस प्रस्तुति की इंस्पिरेशन स्कूल के बच्चों और स्टाफ ने बहुत सराहना की। इस शानदार कार्यक्रम की प्रस्तुति जसकीरत सिंह, हरगुन कौर, गुरनूर कौर, गुरकीरत सिंह, समरीन कौर, जयकरण सिंह, हरलीन कौर और भवजोत सिंह ने की। सिख फेडरेशन ने इस कार्यक्रम के लिए दीपक बल्यूटिया और स्कूल प्रशासन का आभार जताया। इस दौरान लखते जिगर जत्थे से हरलीन कौर, बलजीत कौर, गुनीत कौर, अमितोज कौर, तरनप्रीत कौर, सिख फेडरेशन हल्द्वानी से गुरप्रीत प्रिंस, गगनदीप कोहली, बनप्रीत नागपाल, कुलबीर सिंह, तरन बिंद्रा, मनमीत कपूर, विक्की नरुला, जसकरन चड्ढा, मनप्रीत सिंह रहे।

इंस्पिरेशन स्कूल में चार साहिबजादों की शहादत को किया गया याद। ● अमृत विचार

आर्यन क्रिकेट क्लब ने जीता पहला मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

गौलापार के ग्राउंड में मैच खेलने पहुंचे खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बागेश्वर की ओर से आयोजित अंडर-19 जिला क्रिकेट लीग के मंगलवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। इन मैचों का आयोजन एमएस क्रिकेट ग्राउंड और वैंडी क्रिकेट ग्राउंड गौलापार में हुआ। पहला मुकाबला वैंडी क्रिकेट ग्राउंड में आर्यन क्रिकेट क्लब और सनराइज क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया।

आर्यन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 37 ओवरों में 198 रन बनाए। टीम की ओर से अमन बोरा ने 70 और अमन बघेल ने 38 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। सनराइज क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 28 ओवर में 103 रनों पर ऑल आउट हो गई। सनराइज की ओर से उत्कर्ष तिवारी ने 26 और हर्ष बोरा ने 22 रन बनाए। आर्यन क्रिकेट क्लब की तरफ से अमन बघेल ने 4 विकेट, जबकि अशोक कुमार और सार्थक पंत ने 3-3 विकेट लिए। इस तरह आर्यन क्रिकेट क्लब ने मुकाबला 95 रनों से जीत लिया। दूसरा मुकाबला एमएस क्रिकेट ग्राउंड में रामराज क्रिकेट क्लब और प्लेफिट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। खराब मौसम के कारण मैच 20-20 ओवर का रखा गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रामराज क्रिकेट क्लब ने 20 ओवरों में 233 रनों बनाएं। टीम की ओर से कमलेश रावत ने 64 गेंदों में नाबाद 126 रन बनाए। प्लेफिट के गेंदबाज अखिलेष और मोहित जोशी को 1-1 विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्लेफिट की पूरी टीम 19 ओवर में 88 रन पर ऑल आउट हो गई।

दस टायरा वाहनों के खिलाफ बैठक करते ट्रांसपोर्टर। ● अमृत विचार

नदी में दस टायरा वाहनों के चलने पर जताया रोष

रामनगर, अमृत विचार : ट्रांसपोर्टरों द्वारा कालूसिद्ध मंदिर पर आयोजित बैठक में कोसी नदी में चलने वाले दस टायरा वाहनों का विरोध किया गया। खनन समिति के अध्यक्ष अनवर मालिक ने कहा कि प्रशासन ने कुछ दिनों बाद कोसी नदी में दस टायरा वाहनों को खनन करने के लिए अनुमति दे दी गई। जो कि यह गलत है। उन्होंने कहा है खनन समिति इसका पुरजोर विरोध करेंगी। उन्होंने कहा कि बुधवार को इस मामले को लेकर विधायक दीवान सिंह बिष्ट को अवगत कराया जाएगा और एक ज्ञापन भी दिया जाएगा। उसके बाद एसडीएम सहित वन विभाग के अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कालूसिद्ध, खड़ंजा और बंजारी के ट्रांसपोर्टरों से बुधवार सुबह विधायक दीवान सिंह बिष्ट के कार्यालय में पहुंचने की अपील की है। इस दौरान खनन समिति के अध्यक्ष अनवर मलिक, मोहम्मद अली, आसिफ चौधरी, मोहम्मद हनीफ, गोविंद लाल, गौतम बिष्ट, कृपाल मेहरा, राजेश मेहरा, दानू बिष्ट, सूरज डंगवाल, प्रेम सिंह, हाजी सलीम आदि रहे।

व्यापार मंडल की युवा कार्यकारिणी का विस्तार

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के महानगर युवा इकाई के अध्यक्ष कुंदन रावत ने महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल की संस्तुति पर युवा कार्यकारिणी का विस्तार किया।

उन्होंने जीशान सिद्दीकी एवं गौरव सोनकर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, योगेश गिरी गोस्वामी, रोहित सनवाल एवं हरेंद्र बिष्ट को उपाध्यक्ष, कौस्तुभ नेगी, सलमान सिद्दीकी एवं राहुल गोस्वामी को सचिव, शुभम रावत और अंकुर कुमार को संगठन मंत्री, बसंत दिवाकर एवं अखिलेश पाल संयुक्त मंत्री, धर्मेंद्र रावत एवं कीरत पाल मीडिया प्रभारी, पंकज, चेतन जायसवाल व राहुल सागर को संरक्षक मनोनीत किया है। रावत ने सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को व्यापारी हित में काम करने व संगठित रहने के निर्देश दिए।

समारोह | सांसद अजय भट्ट ने बास्केटबॉल कोर्ट के लिए 5 लाख देने की घोषणा की

उत्साह से मना महर्षि विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, भवाली

भवाली में महर्षि विद्या मंदिर के वार्षिक कार्यक्रम में मौजूद सांसद अजय भट्ट व अन्य।

अमृत विचारः महर्षि विद्या मंदिर भवाली का वार्षिकोत्सव समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सांसद अजय भट्ट रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, कुमाउनी एवं पंजाबी लोकनृत्य सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा।

विद्यालय की प्रधानाचार्य साधना जोशी ने अतिथियों का बैज अलंकरण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। सांसद अजय भट्ट ने महर्षि विद्या मंदिर द्वारा बच्चों में संस्कार, अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यालय परिसर में बास्केटबॉल कोर्ट निर्माण के लिए सांसद निधि से 5 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष हिमांशु बिष्ट, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा भावना मेहरा, प्रकाश आर्या, शिवांशु जोशी, अखिलेश सेमवाल, कंचन हेम आर्या, जुगल मठपाल, कंचन साह, शुभम कुमार, राजेंद्र प्रसाद, कपिल गोपाल रावत, कैलाश सुयाल, तरुण जोशी, दिनेश जोशी, खष्टी बिष्ट, धीरेंद्र परिहार, हिमांशु रावत, रमेश जोशी रहे।

सांसद को सड़क के लिए सौंपा गया ज्ञापन

भवाली : सांसद अजय भट्ट के भवाली आगमन पर तिरछाखेत क्षेत्र के ग्रामीणों ने तिरछाखेत-रानीबाग सड़क निर्माण को लेकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने सड़क की जर्जर स्थिति से अवगत कराते हुए शीघ्र निर्माण की मांग की। इस पर सांसद अजय भट्ट ने संबंधित अधिकारियों को सड़क का सर्वे कराने एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा ग्रामीणों को समस्या के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

जल संस्थान के ईई का किया घेराव

हल्द्वानीः एक माह से पेयजल संकट से परेशान राजपुरा के लोगों ने मंगलवार को जल संस्थान कार्यालय पर प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने अधिशासी अभियंता रविशंकर लोशाली का घेराव कर नाराजगी जताई। चेतावनी दी कि अगर जल्द पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ वह आंदोलन करेंगे।

लोगों का कहना है कि क्षेत्र में गुप्ता कंपाउंड समेत कई कॉलोनियों में ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इसके अलावा, गौला नदी से मिलने वाला पानी भी बंद हो गया है। पानी के लिए लोग परेशान हैं। प्रदर्शन में हेमंत साहू, राजकुमार केसरवानी, किशोरी लाल, सुनिता देवी, मुस्कान, नीलम, अर्चना गुप्ता, जया, सविता खन्ना, राजकुमारी देवी, रजनी गुप्ता, मदन वाल्मीकि, दया गुप्ता, मुन्नी गुप्ता आदि रहे।

रुद्रपुर में 13 से भव्य उत्तरायणी महोत्सव की धूम

लोक गायक गजेंद्र राणा समेत कई कलाकार देंगे प्रस्तुति, महोत्सव के लिए शैल परिषद के पदाधिकारियों ने बनाई रणनीति

संवाददाता, रुद्रपुर

बैठक में उत्तरायणी महोत्सव की रणनीति बनाते पदाधिकारी।

अमृत विचार: उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और पर्वतीय विरासत को सहेजने के उद्देश्य से शैल सांस्कृतिक समिति (शैल परिषद) द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तरायणी पर्व घुघुतिया त्यार के अवसर पर दो दिवसीय उत्तरायणी महोत्सव का भव्य आयोजन करेगी। महोत्सव 13 एवं 14 जनवरी को गंगापुर रोड स्थित शैल भवन में आयोजित होगा।

मंगलवार को महोत्सव की तैयारियों को लेकर समिति के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। इसमें महोत्सव को भव्य, दिव्य और यादगार बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। महोत्सव के पहले दिन 13 जनवरी को उत्तराखंड के लोक गायक गजेंद्र राणा अपनी दमदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके साथ ही लोक गायिका डॉ. कसुम भट्ट, कुमाऊंनी कलाकार साक्षी काला, विक्रम रावत, जगदीश भट्ट, राजेंद्र बिष्ट, सुरू रावत, अक्षय राणा, विमल रावत, पवन रावत, पंकज बणई, शिवम शर्मा समेत कुमाऊंनी एवं गढ़वाली कलाकार मंच पर अपनी लोकगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

14 जनवरी को क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा पर्वतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय उत्तरायणी महोत्सव में कुमाऊनी संस्कृति एवं पारंपरिक व्यंजनों के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। जहां लोग पहाड़ की लोकजीवन शैली और स्वाद से रूबरू हो सकेंगे। इसके साथ ही पर्वतीय उत्पादों के व्यापारिक स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जो स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को प्रोत्साहन देंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले और अन्य आकर्षण भी मेले का हिस्सा होंगे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अजय भट्ट को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक दिनेश बम ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड आयुष परिषद के अध्यक्ष डॉ. केसी चंदोला, किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ एवं रुद्रपुर के मेयर विकास शर्मा कार्यक्रम में शामिल होंगे। महोत्सव की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा द्वारा की जाएगी।

चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज लगाएगा निशुल्क शिविर

रुद्रपुर। समिति के संरक्षक एवं चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. केसी चंदोला ने बताया कि उनके कॉलेज की ओर से मेले के दौरान दो दिनों तक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में छह चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव के साथ सामाजिक सेवा को जोड़ना समिति की प्राथमिकता है।

ये रहे मौजूद: गोपाल सिंह पटवाल, डॉ. किशोर चंदौला, सीबी घिल्डियाल, दिनेश भट्ट, महेश कांडपाल, दिवाकर पांडेय, उत्तम जंतवाल, ललित मोहन उप्रेती, मोहन चंद्र उपाध्याय, भरत लाल साह, नरेंद्र सिंह रावत, राजेंद्र सिंह बोरा, लक्ष्मी दत्त भट्ट, त्रिभुवन जोशी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दिनेशपुर में भी 13 जनवरी को होगा उत्तरायणी कौतिक

दिनेशपुर : पर्वतीय जनमंगल सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय उतरायणी कौतिक 13 जनवरी को धूमधाम से मनाने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस दौरान सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मंगलवार को पर्वतीय जनमंगल सेवा समिति अध्यक्ष पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की ने बताया कि विगत नौ वर्षों से लगातार पर्वतीय जनमंगल सेवा समिति नगर में उत्तरायणी कौतिक बड़े धूमधाम से मनाती आ रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी भूपाल सिंह मेहरा, विशिष्ट अतिथि रुद्रपुर मेयर विकास शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष मंजीत कौर, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा व विधायक अरविंद पांडेय होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कुमाऊनी लोक गायक जितेंद्र तुमक्याल, किशन महिपाल, मनोज आर्या व लोक गायिका बेबी प्रियंका एवं अन्य कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस मौके पर उपाध्यक्ष दिवान सिंह अधिकारी, सचिन गोविंद सिंह भंडारी, कोषाध्यक्ष धीरज सिंह कार्की, कैलाश जोशी, शेखर चंद्र बिष्ट, मानसिंह खड़ायत, चंद्रशेखर जोशी, प्रकाश कांडपाल, हरीश कुमार, उमेद सिंह, मदन पांडे, नंदन सिंह मेहता आदि मौजूद रहे।

न्याय पंचायत व विस स्तर पर खेल स्पर्धाएं 24 से

संवाददाता, रुद्रपुर

- एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी मुर्गा झपट आदि प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

अमृत विचार: मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी-2025 खेल महाकुंभ 2025 के तहत न्याय पंचायत और विधानसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 24 दिसंबर से शुरू हो जाएगी। इस दौरान विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, मुर्गा झपट खेल, वॉलीबॉल और पिट्टू खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

मंगलवार को यह जानकारी खंड विकास अधिकारी रुद्रपुर असीत आनंद ने दी। उन्होंने बताया कि 24 और 26 दिसंबर को न्याय पंचायत बरा के राजकीय इंटर कॉलेज बरा, राजकीय इंटर कॉलेज दरऊ में, न्याय पंचायत बंडिया के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुर्का गौरी में, न्याय पंचायत नारायणपुर के राजकीय इंटर कॉलेज कनकपुर में और न्याय पंचायत बिगरावाग के राजकीय इंटर कॉलेज फौजी मटकोटा में अंडर-14 और अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग में एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, मुर्गा झपट खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसी तरह विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता के तहत विधानसभा किच्छा का सैंट पिटर सीनियर सैकेंड्री स्कूल किच्छा में 29 दिसंबर को अंडर-14 और अंडर-19 बालक वर्ग एवं 30 दिसंबर को अंडर-14 व अंडर-19 बालिका वर्ग के न्यायपंचायत बरा, दरऊ व बंडिया के विजेता खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि विधानसभा रुद्रपुर में पुलिस लाइन और मनोज सरकार स्पोर्टस स्टेडियम रुद्रपुर में 2 जनवरी को अंडर-14 और अंडर-19 बालक वर्ग, 3 जनवरी को अंडर-14 व अंडर-19 बालिका वर्ग में न्याय पंचायत नारायणपुर व बिगवाड़ा के विजेता खिलाड़ी सम्मिलित होंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बाजपुर, (ऊधमसिंह नगर)
E-mail : nagarpalikabzp@yahoo.in Fax or Phone No. : 05949281273

पत्रांक : ज्ञाप/स्था०नि०/2025-26 दिनांक : 23-12-2025

सार्वजनिक सूचना

नगर पालिका परिषद, बाजपुर द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, बाजपुर के अन्तर्गत आने वाले सभी वार्डो में खुले में थूकना, खुले में पेशाब करना खुले में कूड़ा डालना व कूड़ा जलाने पर कार्यवाही व जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा।

क्र०सं०	जुर्माने के कारण का विवरण	जुर्माना
01	खुले में थूकने व खुले में पेशाब करने पर	500/-
02	खुले में कूड़ा जलाने व डालने पर	5000/-

(मनोज दास)
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊ० सिं० नगर)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बाजपुर, (ऊधमसिंह नगर)
E-mail : nagarpalikabzp@yahoo.in Fax or Phone No. : 05949281273

पत्रांक : ज्ञाप/स्था०नि०/2025-26 दिनांक : 23-12-2025

सार्वजनिक सूचना

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा दिनांक 12 अगस्त को जारी अधिसूचना सं०-सा०का०नि०-571 के माध्यम से Single Use Plastic से निर्मित उत्पादों (120 माईक्रोन से कम) के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण बिक्री और उपयोग पर दिनांक 12-01-2023 से पूर्णतयः प्रतिबन्ध लगाया गया है।
तद्क्रम में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, बाजपुर क्षेत्रान्तर्गत उक्त अधिसूचना के अनुसार दिनांक 12-01-2023 से पॉलीस्टाईरीन (थर्माकोल) वस्तुओं सहित निम्नलिखित एकल प्रयोग प्लास्टिक वस्तुओं के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग को निषेध किया गया हैं-
(क) प्लास्टिक स्टिक युक्त इयरवड्स, गुब्बारों के लिये प्लास्टिक की डंडिया, प्लास्टिक के डंडे, कैण्डी स्टिक, आईसक्रीम की डंडिया, पॉलीस्टाईरीन (थर्माकोल) की सजावटी सामग्री।
(ख) प्लेटें, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रों, ट्रे जैसे-कटलरी, मिठाई के डिब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट, 100 माईक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर, कैरी बैग, स्टीकर किसी भी प्रतिष्ठान, दुकान, व्यक्ति, व्यापारी द्वारा उपरोक्त का उल्लंघन किये जाने पर नगर पालिका परिषद, बाजपुर द्वारा नियम संगत धाराओं के अनुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

(मनोज दास)
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद बाजपुर
(ऊ० सिं० नगर)

बाजपुर में कोहरे के बीच बढ़ी कड़ाके की सर्दी में गुजरते वाहन चालक एवं राहगीर।

सर्द हवाओं के कारण घरों में ही दुबके लोग

बाजपुर : क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप बढ़ने से कड़ाके की ठंड ने जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता इतनी कम रही कि कुछ कदम दूर का भी ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। सर्द हवाओं के कारण लोगों को घरों में ही दुबके रहना पड़ा। पिछले कई दिनों से जारी ठंड में मंगलवार को और इजाफा हो गया। दिनभर चलती रही शीतलहर के चलते क्षेत्रवासी ठिठुरते रहे। आसमान पर धुंध और कोहरे की मोटी चादर छाई रहने से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। ठंड बढ़ने से बाजारों में लोगों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। दुकानदारी प्रभावित होने से व्यापारियों में मायूसी देखी गई, हालांकि गर्म कपड़ों की दुकानों पर कुछ भीड़ देखने को मिली। नगरपालिका प्रशासन ने प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलवाने की व्यवस्था की है। कई स्थानों पर लोग अपने स्तर से भी लकड़ी और ईंधन का इंतजाम कर अलाव के सहारे ठंड से बचने का प्रयास करते नजर आए। कोहरे और ठंड के कारण किसान, दिहाड़ी मजदूर व स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक शीतलहर और घने कोहरे से फिलहाल राहत मिलने की संभावना कम है। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक बाहर न निकलने और जरूरत पड़ने पर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

बाघ की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत

खटीमा: भारत नेपाल सीमा से लगे खेलड़िया, सिसैया और मेलाघाट छेत्र में बाघ की चहलकदमी से दहशत और भय का माहौल बना हुआ है।

विगत कई दिनों से तेंदुए तथा बाघ जैसे खूंखार जंगली जानवर आबादी क्षेत्र और खेतों में देखें जा रहे हैं। बीते लगभग तीन चार दिनों से खेलड़िया गांव में गन्ने के खेतों में बाघ अपना अड्डा जमाए हुए हैं। किसान जब खेतों अपने गन्ने की छिलाई करने व अन्य फसलों की रखवाली करने जाते है तो बाघ के दहाड़ने की आवाज सुनते ही भयभीत होकर घर वापस आ जाते हैं। इस समय खेतों में किसानों के तमाम काम चल रहे हैं जो खूंखार जंगली जानवरों के चहलकदमी से प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त करते हुए वन विभाग से इन खूंखार जंगली जानवरों से निजात के लिए कोई ठोस कदम उठाने की गुहार लगाई है।

बाहरी व्यापारियों का सत्यापन अनिवार्य करेगी पंचायत: तिवारी

संवाददाता, शांतिपुरी

शांतिपुरी में आयोजित खुली बैठक को संबोधित करती प्रधान कविता तिवारी।

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर दो पंचायत भवन में प्रथम वार्षिक खुली बैठक ग्राम प्रधान कविता तिवारी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि बाहरी व्यापारियों तथा फेरी वालों से एक निश्चित टैक्स वसूल कर उनका सत्यापन कर पहचान पत्र जारी करने तथा ग्राम सभा में बाहर से आए श्रमिकों का पंचायत क्षेत्र में मजदूरी निर्धारण को लागू करना पंचायत की प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि गांव में किसानों को धान, गेहूं व गन्ना आदि फसलों की कटाई-मड़ाई के लिए बाहरी लेबर मजदूरी के नाम पर किसानों से मनमाने पैसे वसूल रहे हैं। इसका निर्धारण कर समान रूप से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। जिसमें सभी ग्राम वासियों की सहभागिता अपेक्षित है।

बैठक में ग्रामीणों द्वारा पेंशन, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, नाली निर्माण, सड़क निर्माण, पेयजल, सिंचाई तथा कृषि उद्योग से जुड़े स्वरोजगार, इंदिरा आवास व प्रधानमंत्री आवास आदि समस्याओं के संबंध में कई सवाल उठाए। जिन्हें बैठक में मौजूद सहायक निदेशक कृषि शिवदत्त पांडे, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के एडियो प्रीति नेगी, पूर्ति अधिकारी भरत राणा, उद्यान अधिकारी बादल पांडे, ग्राम पंचायत सेक्रेटरी अंकित धामी, चिकित्सा मोटीवेटर गुलशन कुमार आर्या, मनरेगा के पंकज तिवारी आदि ने अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारियां दी। संचालन दीपक तिवारी ने किया। बैठक में पूर्व प्रधान चंद्रकला बिशन कोरंगा, वार्ड सदस्य ज्योति भट्ट, रमेश चंद्र, प्रेमा दानू, दीपक तिवारी, बुद्धि बल्लभ तिवारी, रेखा रावत, ठाकुर चंद, द्रौपदी देवी, भागीरथी देवी, कृष्णानंद जोशी, कमलापति जोशी, प्रकाश चंद्र जोशी मौजूद रहे।

तकनीकी विधियों की जानकारी दी

संवाददाता, रुद्रपुर

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देते मास्टर ट्रेनर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राष्ट्रीय ग्राम स्वरोजगार अभियान के तहत निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के लिए बदलाव का नेतृत्वः स्थानीय सुशासन और उसके परे महिला नेतृत्व को सशक्त बनाना विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण जारी है। पहले बैच का प्रशिक्षण 25 दिसंबर तक होगा, जबकि दूसरे बैच का प्रशिक्षण 27 से 30 दिसंबर तक होगा।

मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में प्रशिक्षण में कुमाऊं मंडल के नैनीताल, पिथौरागढ़ एवं चंपावत जनपदों से आई महिला प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें ग्राम प्रधान, पूर्व ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी शामिल रहे। इस दौरान प्रतिभागियों को संचार की कला, तकनीकी विधियां, हाव-भाव व मुद्राओं का उपयोग, संचार वीडियो का अभ्यास, सत्र संचालन की तैयारी एवं तकनीक के साथ-साथ समूह गठन एवं मॉड्यूल आधारित अध्ययन के निर्देश दिए गए। जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला नेतृत्व को सशक्त बनाना और पंचायतों में प्रधान पति अथवा परिजनों के अनावश्यक हस्तक्षेप की प्रवृत्ति को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के कार्यों में पारिवारिक हस्तक्षेप 73वें संविधान संशोधन की भावना के विपरीत है। प्रशिक्षण पंचायतीराज निदेशालय के मास्टर ट्रेनर और विषय विशेषज्ञ सुबोध भंडारी, संतोष मेहता, रश्मि सुप्याल, रेनू सैनी एवं रुचि वती ने दिया।

चलो गांव की ओर अभियान की तैयारी

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में उक्रांद की बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष के साथ अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल " चलो गांव की ओर " की ओर कार्यक्रम के लिए आयोजित बैठक में अभियान शुरू करने की तैयारियों को लेकर मंथन किया गया। वहीं उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

केंद्रीय अध्यक्ष भाटिया के आवास पर हुई बैठक को उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य को बनाने उक्रांद ने कड़ा संघर्ष किया है और अब हमारी लड़ाई उत्तराखंड को बचाने की होगी। यह भी कहा कि उत्तराखंड राज्य को दिल्ली से आई पार्टियों ने किराएदार की तरह उत्तराखंडी भवन को उजाड़ कर रख दिया है। उन्होंने हुए कहा कि भवन स्वामी को ही पता रहता है कि भवन की देखभाल कैसे की जा सकती है किराएदार कुछ समय किराए के भवन में आते हैं और गंदगी करके भवन छोड़कर निकल जाते हैं। बैठक में तेज सिंह सामंत को सेनानी प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष, चंचल सिंह खोलिया, दुर्गा सिंह सामंत को संरक्षक, होशियार सिंह जेठी को जिला उपाध्यक्ष, विनिता देवी को महिला प्रकोष्ठ का ब्लॉक अध्यक्ष, राजकुमारी को ब्लॉक महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में अन्य संगठनों से आए आनंद सिंह सामंत, प्रकाश सिंह रावत, पवनेश राणा, मुकेश राणा, देवी चंद, चामू सिंह, विक्रम चंद, भुवन सिंह मेहर, सुरेश चंद आदि ने उक्रांद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी, धन बहादुर चंद, विनोद राजपूत, भवानी शंकर, शहाबुद्दीन अंसारी, हरेंद्र प्रसाद, कैलाश भट्ट आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय-नगर पंचायत गूलरभोज, (ऊधम सिंह नगर)
ई-मेल : eonpgularbhoj@gmail.com, दूरभाष : 05949-245055

पत्रांक : 598/सा०नि०अनु०/ ई-नि०सू०/2025-26 दिनांक : 23/12/2025

ई०-निविदा सूचना

नगर पंचायत गूलरभोज में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत 'ए' क्षेणी के ठेकेदार/फर्मों से पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर सरकार द्वारा निर्णय के क्रम में वार्ड नं०-05 मछली मार्केट में अस्थायी दुकानों / शॉप का निर्माण कार्य किये जाने हेतु निम्नांकित की-डेट्स के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट www.uktender.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है तथा उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट से डाउनलोड व भरी हुई निविदा अपलोड की जा सकती है तथा अधिक जानकारी नगर पंचायत गूलरभोज कार्यालय से किसी भी कार्यालय दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। जिसकी की-डेट्स निम्नांनुसार है :-

S.No.	Schedule/Information	Date	Time
1	Date of online Publication	23-12-2025	02:00 PM
2	Documents Download Start Date	23-12-2025	05:00 PM
3	Bid Submission Start Date	23-12-2025	05:00 PM
4	Bid Submission End Date	06-01-2025	05:00 PM
5	Offline Submission of Hard/Original of Documents: End Date	07-01-2025	01:00 PM
6	Bid Opening Date	07-01-2025	02:00 PM

(राजकुमार भारती)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गूलरभोज
ऊधम सिंह नगर

(सतीश चुघ)
अध्यक्ष
नगर पंचायत गूलरभोज
ऊधम सिंह नगर

बैडमिंटन और फुटबॉल ट्रायल 27 व 28 को होगा

काशीपुर : युवा कल्याण विभाग के खेल प्रशिक्षक विमल पांडे ने बताया कि खेल महाकुंभ विधानसभा काशीपुर की बैडमिंटन ट्रायल बालक-बालिका 27 दिसंबर और काशीपुर ब्लॉक स्तरीय फुटबॉल ट्रायल बालक-बालिका 28 दिसंबर को सुबह 9 बजे से होगा।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैंने अपनी पुत्री AAIZA (पुराना नाम) को बदलकर AAIZA RAHMAN (नया नाम) D/O RAISUR RAHMAN कर लिया है। अतः भविष्य में मेरी पुत्री को AAIZA RAHMAN D/O RAISUR RAHMAN (नया नाम) से जाना पहचाना जाए, वर्तमान पता HAJI MOHALLA, KATHGODAM, DISTT NAINITAL, PIN CODE- 263126, UTTARAKHAND, INDIA

राहत | पति के आकस्मिक निधन के बाद परिवहन निगम से होना था भुगतान, बैंक में आ रही थी दिक्कत

विधवा को 10 लाख का भुगतान दिलवाया

संवाददाता, रुद्रपुर

महिला को प्रमाण पत्र देते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: महापौर, पार्षद और बैंक प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से एक जरूरतमंद विधवा महिला को लंबे समय बाद बैंक में अटके करीब दस लाख रुपये के देयकों का भुगतान हो गया है। विधवा महिला को जरूरी कागजात पूरे नहीं होने के कारण बैंक से यह पैसा नहीं मिल पा रहा था।

यहां बता दें कि परिवहन निगम में कार्यरत इंदिरा कॉलोनी निवासी रणवीर सिंह का करीब एक वर्ष पूर्व आकस्मिक निधन हो गया था। निधन के बाद उनकी पत्नी निर्मला सिंह उनकी इकलौती वारिस रह गईं। पति की मृत्यु के बाद नौकरी से संबंधित देयकों का भुगतान मिलना था, लेकिन बैंक खाता, आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित केवाईसी से जुड़े दस्तावेजों के अभाव में भुगतान संभव नहीं हो पा रहा था। आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण महिला का नया बैंक खाता भी नहीं खुल पा रहा था। निर्मला सिंह ने कई बैंकों के चक्कर लगाए, लेकिन हर जगह उन्हें निराशा ही हाथ लगी। पति के निधन के बाद आर्थिक तंगी के चलते उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। मामला जब वार्ड 12 की पार्षद महेंद्री शर्मा के संज्ञान में आया तो उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी महापौर विकास शर्मा को दी। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा सिडकुल पंतनगर शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार झरवाल से भी महिला की सहायता करने का अनुरोध किया। वहीं महापौर विकास शर्मा ने भी व्यक्तिगत रूप से बैंक प्रबंधक से संपर्क कर मामले की संवेदनशीलता से अवगत कराया और महिला को हरसंभव मदद दिलाने का आग्रह किया। महापौर और पार्षद द्वारा महिला के निवास की पुष्टि करते हुए आवश्यक प्रमाण पत्र जारी किए गए। इन दस्तावेजों के आधार पर बैंक प्रबंधक ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी साझा की। इसके बाद महिला के आवासीय पते का सत्यापन कराया गया और केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर बैंक खाता खोला गया। बैंक खाता खुलते ही महिला के खाते में पति की नौकरी से संबंधित देयकों के रूप में करीब दस लाख रुपये की धनराशि ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं सोमवार को निर्मला सिंह नगर निगम कार्यालय पहुंची और महापौर शर्मा आभार व्यक्त किया। साथ ही पार्षद महेंद्री शर्मा और बैंक प्रबंधक प्रवीण कुमार झरवाल का भी आभार जताया।

ब्रीफ न्यूज

दहेज में 10 लाख और एक मकान को लेकर विवाहिता से मारपीट

काशीपुर : दहेज में 10 लाख की मांग पूरी न करने पर पति ने पत्नी के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आईटीआई पुलिस को दी तहरीर में ग्राम दभौरा मुस्तहकम निवासी साजना ने बताया कि उसका विवाह बीती 5 नवंबर 2019 को मौहल्ला काजीजादगान, चांदपुर जिला बिजनौर निवासी शहजाद से हुआ था। विवाह के बाद से पति दहेज में एक मकान व 10 लाख रुपये की मांग को लेकर उत्पीड़न करने लगा। पति से उसे एक पुत्री व एक पुत्र भी पैदा हुआ। प्रताड़ना से तंग आकर उसके परिजनों ने उसे ग्राम दभौरा एहतमाली में एक पक्का मकान बनाकर दिया। लेकिन पति 10 लाख की मांग पूरी न करने पर उसे प्रताड़ित करने लगा। आरोप है कि बीती 4 मई 2025 को पति, सास जमीला, नन्द शबाना व गुलचमन ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत चारों पर प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू की है।

एसडीएम के आश्वासन पर प्रधान प्रत्याशियों का अनशन समाप्त

नानकमत्ता : विकास खंड सितारगंज की सरोजा ग्राम सभा में पंचायत चुनाव के दौरान नामांकन निरस्त होने पर उपजा विवाद शांत हो गया है। दरअसल, प्रधान पद के प्रत्याशी वजिन्दर सिंह मोमी और सुखविंदर सिंह मोमी पर विपक्षियों ने पटवारी से सांठगांठ कर सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया था। पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर चुनाव अधिकारी ने दोनों का नामांकन निरस्त कर दिया। इसके विरोध में दोनों प्रत्याशियों ने तहसील परिसर में भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। उनका आरोप था कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। अंतत: उपजिलाधिकारी द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच कर एक माह में स्पष्टीकरण देने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया।

कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुलिस तलाश में जुटी

काशीपुर : सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की मृत्यु के मामले में पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर आरोपित कैंटर चालक के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। कुंडा पुलिस को दी तहरीर में ग्राम पीपलसाना थाना धामपुर जिला बिजनौर निवासी फईम अहमद ने बताया कि उसका भाई मो. नईम बीती 21 दिसंबर को अपने घर से रामनगर ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा रहा था। सुबह करीब 2.30 बजे जगतपुर पट्टी से पहले पीछे से आ रहे कैंटर के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी। जिससे उसका भाई उछलकर सड़क पर गिर गया। बताया कि कैंटर का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने कैंटर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चेकिंग के दौरान वांछित अभियुक्त स्मैक के साथ गिरफ्तार

नानकमत्ता : स्थानीय पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक वांछित अभियुक्त को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम नानकमत्ता बैराज के पास चेकिंग कर रही थी, तभी वांछित अभियुक्त संदीप सिंह उर्फ सन्नी को रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 7.75 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और उसे जेल भेज दिया है।

कारोबारी के हड़पे 40 लाख, जान की धमकी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: दिल्ली के दवा फाइल प्रिंटिग कारोबारी से लाखों रुपये हड़पने और हाथापाई किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली निवासी धनंजय सर्राफ ने थाना पंतनगर में तहरीर देते हुए बताया था कि वर्ष 2013 में फर्म ने डैकेन हेल्थकेयर सेक्टर तीन सिडकुल पंतनगर के साथ मिलकर दवाई की फाइल प्रिंटिग का कारोबार किया था। फर्म प्रिंटिग कर कंपनी को ही अपना माल देती थी और उसकी एवज में पैसा लेती थी। वर्ष 2019 में जब कंपनी ने माल का भुगतान करने में देरी की। फर्म ने अपना बकाया चालीस लाख से अधिक देने का तगादा किया। टालमटोल करने के साथ ही कंपनी ने संपर्क करना बंद कर दिया। जून 2025 को जब वह बकाया लेने सिडकुल स्थित फर्म पहुंचा तो कंपनी स्वामी मोहक गुप्ता ने अपने साथी सिद्धार्थ पांडे और तारा सिंह के साथ मिलकर हाथापाई कर बाहर निकाल दिया। 22 नवंबर 2025 को वह पुनः तगादा करने कंपनी गया तो अभियुक्तों ने जान से मारने की धमकी देते हुए बकाया देने से इंकार कर दिया। उधर, थानाध्यक्ष पंतनगर नंदन सिंह रावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के बाद नामजद अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम का सख्त रुख, महापौर बोले-नियमों की अनदेखी पर लगेगा जुर्माना, दुकान होगी सील

नए साल से हर मंगलवार को बंद रहेंगी मांस की दुकानें

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नये साल 2026 से रुद्रपुर शहर में मांस और मछली की दुकानें प्रत्येक मंगलवार को पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। इसको लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। वहीं बैठक में महापौर विकास शर्मा ने स्पष्ट कहा कि नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ-साथ दुकान सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार को बैठक के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि शहर में मांस विक्रेताओं द्वारा नियमों की अवहेलना को लेकर शिकायतें मिल रही हैं। कई क्षेत्रों में खुले में मांस काटे जाने, दुकानों के आसपास गंदगी फैलने और स्वच्छता मानकों की अनदेखी की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने नगर निगम में मांस विक्रेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें नियमों की जानकारी दी। साथ ही भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। महापौर ने कहा कि मांस विक्रेताओं ने क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट को देखते हुए दिसंबर माह तक इस निर्णय को स्थगित रखने का अनुरोध किया। महापौर ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए दिसंबर तक मंगलवार को दुकानें खुली रखने की अस्थायी अनुमति दे दी, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि जनवरी 2026 से मंगलवार को शहर में कहीं भी मीट की दुकान खुली नहीं मिलेगी। यिम तोड़ने वालों के खिलाफ बिना किसी चेतावनी के कार्रवाई की जाएगी।

मांस विक्रेताओं के साथ बैठक करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

महापौर ने मांस विक्रेताओं को दी नियमों की जानकारी

रुद्रपुर : महापौर ने मांस विक्रेताओं को नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक दुकानदार के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। किसी भी मंदिर या पवित्र स्थल के आसपास मांस की दुकान नहीं खोली जाएगी। जानवरों का वध दुकानों पर नहीं किया जाएगा और केवल अधिकृत स्लॉटर हाउस में ही वध की अनुमति होगी। मांस के सुरक्षित भंडारण के लिए दुकानों में फ्रीजर की व्यवस्था अनिवार्य होगी और खुले में मांस रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मांस को ढक कर ही बिक्री करने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि मांस काटने के लिए केवल स्टील के चाकू और स्वच्छ उपकरणों का उपयोग करना होगा। दुकानों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना होगा।

ये लोग रहे मौजूद

दीन दयाल पाल, अंकुर पाल, देव पाल, नारायण पाल, जितेंद्र पाल, मनीष, सुमित सोनकर, मनीष पाल, अक्कू भाई, रोहित सोनकर, नदीम, वसीम, अजय पाल, तस्लीम कुरैशी, शरीफ, विजय सोनकर, जरीफ, भूरा सहित अन्य मांस विक्रेता आदि।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ फूटा गुस्सा

बाजपुर में विभिन्न संगठनों ने रोष मार्च निकाला, बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में नगर में आक्रोश फैल गया। मंगलवार की देर सायं करीब छह बजे विभिन्न संगठनों एवं स्थानीय युवाओं ने बेरिया रोड स्थित एसडीएम कार्यालय के सामने से भगत सिंह चौक तक रोष मार्च निकाला। मार्च के दौरान युवाओं ने बांग्लादेश सरकार के विरोध में जोरदार नारेबाजी की।

रोष मार्च भगत सिंह चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हुआ, जहां युवाओं ने कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। आक्रोशित युवाओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। वक्ताओं ने कहा कि पड़ोसी देश में हिंदू समाज पर लगातार बढ़ रहे अत्याचार चिंताजनक हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस पर गंभीर पहल की आवश्यकता है। कार्यक्रम में भाजपा नेता गौरव शर्मा, स्वयंसेवक संघ बस्ती प्रमुख विशाल ठाकुर, समाजसेवी विमल शर्मा, पूर्व मंडल महामंत्री भाजपा आशीष ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के विभागाध्यक्ष भगवंत म्यान, शिवम शर्मा, विक्की ठाकुर, बबलू सैनी, रमेश पाल, नरेश कश्यप, गुनगुन पवार, दिनेश सैनी, दीपक कुमार, चंचल प्रजापति, जगदीश, दशमेर सिंह, विशाल सागर, विक्रम ठाकुर, विष्णु ठाकुर आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में मंगलवार की देर सायं भगत सिंह चौक पर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते आक्रोशित युवा। ● अमृत विचार

हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर शांतिपुरी में भी बांग्लादेश का पुतला फूंका

शांतिपुरी : शांतिनगर टूटी पुलिया में शांतिनगर बूथ अध्यक्ष और बिंदुखत्ता शांति सेना के संगठन अध्यक्ष पूरन सिंह शाही के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश का पुतला फूंका। पूरन ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन किया गया है। ताकि भारत सरकार चेते और बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए।

प्रॉपर्टी डीलरों ने की करोड़ों की ठगी

काशीपुर: दो प्रॉपर्टी डीलरों ने एक व्यक्ति के साथ जमीन बेचने के नाम पर करोड़ों रुपयों की ठगी कर ली। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

कृष्णा विला कॉलोनी जसपुर खुर्द निकट शगुन गार्डन निवासी अक्षय भल्ला ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सांडखेड़ा निवासी प्रापर्टी डीलर जगजीत सिंह और लवजीत सिंह ने 1 दिसंबर 2020 को ग्राम जैतपुर घोसी में 10 एकड़ खेती की जमीन का सौदा किया था। जिसके बाद उसने अलग-अलग समय पर अपने बैंक खाते से 20 लाख, 14 लाख, 5 लाख, 10 लाख, 6 लाख व 60 लाख ट्रांसफर किए। आरोपितों ने उससे वादा किया कि तीन वर्षों में जमीन की रजिस्ट्री उसके पक्ष में कराकर देंगे। बताया कि दिसंबर 2024 में उसे पता चला कि उस जमीन का मालिक कोई अन्य है। जिसके बाद उसे धोखाधड़ी का एहसास हुआ। आरोप है रकम वापस मांगने पर अब आरोपित उसे जान से मारने की धमकी दे रहे है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सांडखेड़ा निवासी प्रापर्टी डीलर जगजीत सिंह और लवजीत सिंह पर धारा 420, 504, 506 के तहत प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंसानियत शर्मसार, शव से चेन और नगदी उड़ाई

- 21 दिसंबर को हुआ था सड़क हादसा
- सारांश की हुई थी मौत, पुलिस को दी तहरीर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कहावत है कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन एक मृतक से हजारों रुपये की नगदी और सोने की चेन व अंगूठी गायब होने का मामला सामने आया है। तहरीर आने के बाद अब पुलिस उस शख्स की तलाश कर रही है। जिसने वास्तव में इंसानियत को शर्मसार कर दिया है।

बताते चलें कि कौशल्या फेस दो निवासी 30 वर्षीय सारांश भारद्वाज जो कि मूल रूप से शाहजहांपुर यूपी का रहने वाला था और रुद्रपुर के एक प्राइवेट बैंक में काम करता था। 21 दिसंबर की सुबह मकान का निर्माण कार्य प्रारंभ होने के चलते सारांश भारद्वाज स्कूटी से ठेकेदार को पेमेंट कर वापस लौट रहा था। इस बीच टोल प्लाजा से कुछ ही दूरी पर युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलने पर हाईवे एंबुलेंस द्वारा घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही जैसे ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे तो देखा कि गले में पड़ी दो तोले सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी और पर्स में रखे 20 हजार रुपये की नगदी गायब थी, जबकि परिवार का कहना था कि सारांश सोने की चेन व अंगूठी-नगदी लेकर घर से निकला था और हादसे के वक्त बेहद गंभीर स्थिति थी। जिसका फायदा उठाते हुए अज्ञात व्यक्ति द्वारा लूटपाट भी की है, जबकि दो माह बाद युवक की शादी भी होने वाली थी। मृतक के भाई शशांक भारद्वाज ने लालपुर चौकी प्रभारी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की और इंसानियत को शर्मसार करने वाले आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया।

सारांश भारद्वाज (फाइल फोटो)।

फ्लोर मिलर पर किया कातिलाना हमला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उद्योगपति एवं फ्लोर मिलर पर मामूली विवाद के चलते कातिलाना हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल कारोबारी को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमलावरों ने पिकअप और कार में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आवास विकास निवासी फ्लोर मिलर बलराम अग्रवाल ने बताया कि 21 दिसंबर को उनकी कंपनी का पिकअप रुद्रपुर में आटा उतारकर वापस शिमला पिस्तौर स्थित फ्लोर मिल में जा रहा था। इसी दौरान बाइक ने पिकअप को टक्कर मार दी। गलती होने के बाद बाइक सवार नीचे उतरा और चालक से अभद्रता करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही फ्लोर मिल के एमडी अशोक बंसल भी मौके पर पहुंचे है और समझाने का प्रयास किया। तभी सैजना निवासी बंटी ठाकुर, शिमला पिस्तौर निवासी सुशील कुमार, कपिल कुमार ने अपने साथियों को बुलाया। जिनके हाथ में तलवार और धारदार चाकू भी थे। हमलावरों ने फ्लोर मिलर्स पर हमला बोल दिया और सोने की चेन लूटते हुए कार और पिकअप में भी तोड़फोड़ कर डाली। साथ ही जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। हमले में कारोबारी लहूलुहान होकर नीचे गिर गया और आनन फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत स्थिर बताई जा रही है।

स्कूल बस की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

बाजपुर : नेशनल हाईवे-74 पर तेज रफ्तार स्कूल बस चालक ने गलत साइड में वाहन चलाते हुए बाइक को चपेट में ले लिया, जिसमें बाइक पर सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। ग्राम महेशपुरा निवासी 19 वर्षीय सुमित पुत्र विनोद बाइक पर कहीं जा रहा था। बताया जाता है कि इसी बीच मंगलवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर गांव में ही काशीपुर की तरफ से दोराहा की ओर जा रही एक प्राइवेट स्कूल की बस के चालक ने रांग साइड में तेज रफ्तार से वाहन को चलाते हुए बाइक को चपेट में ले लिया, जिसमें बाइक पर सवार सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण व राहगीर एकत्र हो गए, जिन्होंने घायल को आनन-फानन में ही अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

औद्योगिक इकाइयों में की चेकिंग

- अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण
- खामियां पाने पर लगाई जमकर फटकार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गोवा कैसीनो अग्निकांड की दर्दनाक घटना के बाद अब अग्निशमन विभाग ने औचक निरीक्षण कर मुहिम चला दी है। जिसके बाद एसएसपी के आदेश पर सीएफओ की मौजूदगी में टीम ने शहर के मुख्य मॉल और औद्योगिक इलाकों में चेकिंग की और अग्नि सुरक्षा उपकरण को देखा। खामियां पाए जाने पर फटकार लगाते हुए दुरुस्त करने के आदेश भी दिए।

मंगलवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा के आदेश पर अग्निशमन विभाग के सीएफओ ईशान कटारिया की मौजूदगी में अग्निशमन की कई टीमों ने शहर के सिडकुल, पंतनगर के सिडकुल स्थित उद्योगों के अलावा मेट्रोपोलिस मॉल का औचक निरीक्षण किया। टीम ने जांच करते हुए निकासी द्वार को अवरोध मुक्त रखने, विद्युत के कटे-फटे तारों को उच्च श्रेणी में टेपिंग करने का आदेश दिया। साथ ही मेट्रोपोलिस स्थित बार, रेस्टोरेंटों, बिग बाजार, कपड़ों की दुकानों व अन्य दुकानों का अग्नि सुरक्षा की दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। साथ ही फर्म संचालकों को अग्नि सुरक्षा उपकरण का चलाने का प्रशिक्षण देकर जागरूक किया। उन्होंने लापरवाही बरतने पर संचालक को फटकार लगाते हुए अग्नि सुरक्षा उपकरणों को दुरुस्त रखने का आदेश भी दिया।

निरीक्षण के दौरान जांच करती अग्निशमन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

बाजपुर: राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर दोराहा स्थित नामधारी ढाबे के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सोमवार की देर सायं करीब साढ़े छह बजे काशीपुर से किसी काम से रुद्रपुर की ओर जा रहे रुद्रपुर निवासी 36 वर्षीय हरपाल पुत्र वेदराम तथा रामपुर निवासी 26 वर्षीय शिवम पुत्र दीपक को एनएच-74 पर दोराहा नामधारी ढाबे के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपजिला चिकित्सालय बाजपुर लाया गया। यहां चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

निर्देश

एडीएम ने सीड्स प्लांट संचालकों व कंपनियों के प्रतिनिधियों को दिए निर्देश, जिला सभागार में आयोजित हुई बैठक

कृषकों को उपलब्ध कराए जाएं अच्छी गुणवत्ता वाले बीज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किसानों को समय से ग्रीष्मकालीन मक्का बीज उपलब्धता को लेकर अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र ने सीड्स प्लांट संचालकों और मक्का खरीद करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। साथ ही कहा कि ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में ग्रीष्मकालीन मक्के की फसल को बढ़ावा देने के लिए कृषकों को समय से अच्छी गुणवत्ता व आवश्यकतानुसार बीज उपलब्ध कराएं।

मंगलवार को जिला सभागार में बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का बीज उपलब्ध होगा तो पैदावार भी अधिक होगी। मक्का बीज की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लायी लाएगी। उन्होंने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित जन जन की सरकार-जन जन के द्वार कार्यक्रम, किसान दिवस, कृषक गोष्ठियों के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए।

उन्होंने कहा कि मक्के की फसल की कटाई के समय मक्का के उत्पाद में अधिक नमी की समस्या के निराकरण के लिए जनपद में ड्रायर की सुविधा उपलब्ध कराये जाने व मक्का की फसल कटाई के प्रयोग में लाये जाने वाले कृषि यंत्रों पर कृषकों को अनुदान पर उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किये जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.वीकेएम यादव, मक्का बीज विक्रय कंपनी-कॉर्टेवा एग्रीसाइंस सीड्स, बायर क्राप साइंस कंपनी, नुजिवीडू एवं एडवांट, मक्का उत्पाद क्रय कंपनी, गुजरात अम्बुजा एक्सपोर्ट कंपनी सितारगंज, रॉकेट इंडिया कंपनी रुद्रपुर, जेजीएन बायो फ्यूल कंपनी सितारगंज, आईजीएल काशीपुर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीड्स प्लांट संचालकों और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते एडीएम कौस्तुभ मिश्र। ● अमृत विचार

गन्ना नहीं आने के कारण मिल बंद

जसपुर: ठिठुरती ठंड और घने कोहरे का असर नादेही चीनी मिल के पेराई सत्र पर पड़ा। बढ़ती ठंड के कारण गन्ना न होने से चीनी मिल मंगलवार की सुबह नो केन में बंद हो गई। मिल बंद होने से मिल प्रशासन परेशान हो गया। प्रधान प्रबंधक ने किसानों से अधिक से अधिक गन्ना लाने की अपील की है। कड़ाके की ठंड होने के चलते किसानों को अपना गन्ना काटने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही ठंड में मजदूर भी नहीं मिल रहे हैं। बुधवार को पेराई के अनुरूप गन्ना आपूर्ति होने पर मिल चलने की संभावना है। प्रधान प्रबंधक सीएस इमलाल ने बताया कि गन्ना आने से चीनी की रिकवरी बढ़ेगी। लेकिन मिल को पर्याप्त गन्ना नहीं मिल पा रहा है।

विदेश भागने की फिराक में ठगी करने के आरोपी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : विदेश भेजने के नाम पर एक युवती से 17.5 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त से बचने के लिए विदेश भागने की फिराक में हैं। पांच आरोपियों में दो पहले ही विदेश भाग चुके हैं। वहीं, अब बाकी तीन भी विदेश भागने की तैयारी कर रहे हैं।

सोमवार गांव पंडरी निवासी अमन जहां ने एसएसपी मणिकांत मिश्रा को शिकायती पत्र में बताया कि गांव उड़रा, अमरिया (पीलीभीत) निवासी करनदीप सिंह, इकनीत कौर और गुरतेज सिंह, हल्दुआ निवासी इंद्रजीत कौर और सितारगंज निवासी अभय सिंह केडी इमीग्रेशन नामक संस्था चलाते हैं। आरोप लगाया कि उक्त लोगों ने उसे यूके भेजने के लिए 17.5 लाख रुपये लिए थे। लेकिन उसे यूके भेजने की जगह तुर्की भेज दिया गया।

बताया कि उक्त मामले में कोतवाली सितारगंज में पांचों आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 173 में केस दर्ज किया था। लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए करनदीप सिंह और इकनीत कौर पहले ही विदेश भाग चुके हैं। वहीं, अब उसके अन्य साथी गुरतेज सिंह, इंद्रजीत कौर और अभय सिंह भी विदेश भागने की फिराक में है।

सिटी ब्रीफ

विधायक ने सड़क का शिलान्यास किया

काशीपुर : विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने मंगलवार को 13 .50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली एक सड़क का शिलान्यास किया। विधायक चीमा ने बताया कि ग्राम भगवन्तपुर की पर्वतीय कॉलोनी में महीपाल पटवाल के मकान से ठाकुर सिंह के मकान तक 225 मीटर खड़ंजा निर्माण होना है। मार्ग का निर्माण गुणवत्तापूर्वक किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, जिला अध्यक्ष मनोज पाल आदि मौजूद रहे।

भूगोल पंचम सेमेस्टर 31 दिसंबर को

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी शर्मा ने बताया कि बीए, बीएससी पंचम सेमेस्टर भूगोल विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा 31 दिसंबर और एक जनवरी की सुबह 11 बजे से होगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्रयोगात्मक एवं सर्वेक्षण फाइल लेकर सुबह साढ़े 10 बजे तक विभाग में पहुंचने की अपील की है।

अवैध लकड़ी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली सीज

शांतिपुरी : सोमवार रात लगभग साढ़े आठ बजे डौली रेंज के तहत शांतिपुरी राजस्व क्षेत्र में किच्छा- लालकुआं राज्य मार्ग पर वन कर्मियों को गश्त के दौरान एक महिंद्रा अर्जुन ट्रैक्टर आता दिखाई दिया। जिसे जांच के लिए रोकने पर चालक ट्रैक्टर को तेज गति से किच्छा की ओर भगा ले गया। जिसका पीछा करने पर वाहन चालक ट्रैक्टर को शान्तिपुरी वन बैरियर के पास सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया।

सेंट पीटर विद्यालय के वार्षिक उत्सव में बच्चों ने मचाया धमाल

विशाल क्रिसमस मेला भी आयोजित, बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विशाल क्रिसमस मेला आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों ने तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

नगर के किशनपुर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित क्रिसमस मेले एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी गौरव पांडे एवं विशिष्ट अतिथि सीएमओ केके अग्रवाल तथा स्वास्थ्य मंत्री प्रतिनिधि अभिषेक सक्सेना सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सुंदर ईश्वरीय वंदना की प्रस्तुति के साथ किया गया। बच्चों ने प्रभु यीशु के संदेश पर आधारित नाटिका का सुंदर मंचन कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि एसडीएम गौरव पांडे ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रभु यीशु ने मानव कल्याण एवं समाज सेवा का संदेश दिया है और हम सभी को उनके संदेश को अपना कर हमेशा एक दूसरे की मदद के लिए कार्य करना चाहिए। क्रिसमस मेले में खाने-पीने की तमाम स्टॉल के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए मिकी माउस एवं छोटे-छोटे झूलों की भी व्यवस्था की गई थी। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो ने कहा कि प्रभु यीशु का अवतरण जन कल्याण और प्रेम भाव को बढ़ाने के लिए हुआ है और हम सभी को उनके बताए आदर्श पर चलकर मानव कल्याण की दिशा में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य सिस्टर लूसिया, सिस्टर सिल्वी, सिस्टर बसंती, राज अरोड़ा, रुक्मणी वर्मा, एलन बर्नार्ड, भानु पांडे, मालविका लोशाली, मुक्ता अरोड़ा, अनंत लोशाली, मनीष थापा, योगिता कर्नाटक आदि मौजूद रहे।

किच्छा में कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रस्तुत करते छोटे-छोटे बच्चे। ● अमृत विचार

क्रिसमस मेले का उद्घाटन करते सीएमओ डॉ. अग्रवाल एवं अन्य अतिथि।

नेत्र जांच स्टॉल में लोगों ने कराई नेत्रों की जांच

किच्छा : क्रिसमस पर्व के उपलक्ष्य में सेंट पीटर विद्यालय में आयोजित किए गए क्रिसमस मेले के दौरान निशुल्क नेत्र जांच स्टॉल भी आयोजित की गई। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम ने शिविर में पहुंचे दर्जनों लोगों के नेत्रों की निशुल्क जांच कर उन्हें परामर्श दिया।

दस स्ट्रीट लाइटों में से आठ खराब

बाजपुर: बेरिया दौलत स्थित स्टेशन रोड इन दिनों अंधकार में डूबा हुआ है। सड़क पर लगी दस स्ट्रीट लाइटों में से आठ लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जबकि केवल दो सोलर लाइटें ही किसी तरह प्रकाश व्यवस्था बनाए हुए हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक सुधार की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सायं होते ही सड़क पर अंधेरा पसर जाता है, जिससे राहगीरों को आवाजाही में परेशानी झेलनी पड़ती है। अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका के साथ-साथ चोरी जैसी वारदातों का खतरा भी बढ़ गया है। कई बार शिकायत करने के बाद भी स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त नहीं की जा सकी हैं।

राजस्व विभाग ने वितरित किए कंबल

खटीमा: उपजिलाधिकारी तुषार सैनी के दिशा निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम द्वारा बढ़ती ठंड के चलते ग्रामीण क्षेत्र के चंदेली, मुड़ेली, मझोला, टेढ़ाघाट, हल्दी, कंचनपुरी आदि गांवों में उप निरीक्षक के द्वारा गरीब असहाय निर्धन परिवारों को कंबल वितरित किए। इस दौरान तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान, कानूनगो राजकुमार, ऋषिपाल, हल्का पटवारी नवनीत सिंह, आसिफ अली, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

2026 से एमबीबीएस शुरू होने की उम्मीद

- रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का तेजी से चल रहा है निर्माण कार्य
- मुख्यमंत्री धामी निर्माण कार्य में तेजी लाने के दे चुके हैं निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई 2026 के शैक्षणिक सत्र से शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। हालांकि मेडिकल कॉलेज में अस्पताल सेवाएं पहले ही शुरू हो चुकी है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कई बार मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दे चुके हैं।

यहां बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड ने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऊधमसिंह नगर जनपद के रुद्रपुर में 300 बेड का चिकित्सालय एवं 100 एमबीबीएस सीटों की स्वीकृति के साथ ही मेडिकल कॉलेज में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से तराई-भाबर क्षेत्र के साथ-साथ सीमांत और पर्वतीय क्षेत्रों के लाखों लोगों को सुलभ, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। वहीं वर्तमान में मेडिकल कॉलेज में सातों दिन 24 घंटे आपातकालीन सेवाए मिल रही हैं। इसके अलावा आने वाले दिनों में सिडकुल क्षेत्र में कार्यरत सैकड़ों कर्मचारियों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

अब रुद्रपुर में मरीजों को मिल रहा उपचार

रुद्रपुर : राजकीय मेडिकल कॉलेज उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश की सीमा से लगा हुआ है। यहां के मरीजों को पहले इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाना पड़ता था। अब राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर में सुविधा मिल रही है। आने वाले समय में पर्वतीय क्षेत्रों से सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी पर बढ़ते मरीजों के दबाव में भी कमी आएगी। गंभीर रोगियों को दिल्ली या देहरादून रेफर करने की समस्या भी खत्म होगी।

मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य तंत्र को नई दिशा देगा

रुद्रपुर : स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर का संचालन उत्तराखंड के स्वास्थ्य तंत्र को नई दिशा देगा। 300 बेड चिकित्सालय और 100 एमबीबीएस सीटों के साथ यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सीमांत, ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को समय पर बेहतर उपचार मिलेगा। साथ ही चिकित्सा शिक्षा, जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों और आपदा प्रबंधन में राज्य की क्षमता सशक्त होगी।

क्रिमसन स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

- प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने किया शुभारंभ, विद्यार्थियों ने दी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

अतिथियों का स्वागत करता विद्यालय प्रबंधन। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: क्रिमसन वर्ल्ड स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव उड़ान धूमधाम के साथ मनाया। जहां विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समां बांधा। वहीं विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित भी किया।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जयकिशन, डॉ.सोनिया अदलखा, प्रबंधक फरजाना दोहादवाला और प्रधानाचार्य चित्रा शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा अभिनीत नाटक उड़ान, इस मिट्टी से आसमान तक के जीवन संघर्षों, धैर्य व संकल्प ही सशक्त अभिव्यक्ति की प्रस्तुति देखकर भाव विभोर कर दिया और फिर शुरू हुआ भांगड़ा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का दौर। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, अभिनय, आत्मविश्वास और कलात्मक कौशल सराहनीय है। इस प्रकार के आयोजनों से जहां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। वहीं आपसी वातावरण भी सौहार्दपूर्ण होता है। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता, नेतृत्व क्षमता एवं नैतिक मूल्यों का विकास होना बेहद जरूरी है।

जसपुर में बैग व बोतल वितरित करते विधायक आदेश चौहान। ● अमृत विचार

सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने पर दिया जोर

जसपुर : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक आदेश चौहान का चिकित्साधीक्षक डॉ. धीरेंद्र मोहन गहलोत ने स्वागत किया। विधायक ने सरकार की योजनाओं को क्रियान्वित करने पर जोर दिया। चिकित्साधीक्षक ने सरकार की योजनाओं को विस्तृत रूप से बताया ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इनका फ़ायदा उठा सकें। बीडीओ केके काण्डपाल ने कहा कि मिलजुलकर कार्य करने से जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ ज़्यादा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने सीएचसी केंद्र के पीयर एजूकेटरों को आरकेएस कार्यक्रम के तहत बैग बोतल छाते वितरित किए। कार्यक्रम में सुरजीत ढिल्लो, रवीन्द्र सिंह, रंजित सिंह, गुरविन्दर सिंह, नारंग, राजकुमार, साजिद, राहुल, रवि, नेहा, बासिद, राकेश आदि मौजूद रहे।

डायनेस्टी में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म में आयोजित आठ दिवसीय खेल वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने प्रतिभा को दर्शाया। आज कक्षा नर्सरी से दो तक के विद्यार्थियों की खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने बताया कि विद्यालय द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को निखारने हेतु वर्ष दस दिवसीय खेलों का आयोजन किया जाता है। जिसमें विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को खेल के मैदान में अपना दम कम दिखाने का पूर्ण अवसर प्रदान किया जाता है।

दूसरे दिन के खेलों का शुभारंभ मंडी समिति अध्यक्ष नंदन सिंह खड़ायत, जगदीश चन्द्र शास्त्री, पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंदू मुड़ेला, ग्राम प्रधान नौगवानाथ माया चंद, अमित पांडे, नरेंद्र बिष्ट, बबीता चंद, वरुण अग्रवाल, अमर राना, गोविंद टम्टा, रमेश महर, राजेश चंद सहित प्रबंधन समिति द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सोमवार की प्रतियोगिताओं में फिश रेस, कलेक्ट द बॉल, सौ मीटर, 200 मीटर दौड़, टग ऑफ़ वॉर, आइस क्रीम रेस, रैबिट रेस, ऑक्टोपस रेस आदि का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रबंधन निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट द्वारा विजेताओं को प्रशस्ति पत्र वह मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू, मनीष चंद, विक्टर आईवन, भरत बिष्ट, परविंदर सिंह खाती, मनीषा कुंवर, कमल इकराल रहे।

डायनेस्टी स्कूल में रस्साकसी में जोर आजमाइश करते अभिभावक।

जसपुर में हवन करते किसान। ● अमृत विचार

जसपुर में मनाई चौधरी चरण सिंह जयंती

जसपुर : पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती पर स्थानीय किसानों ने उन्हें याद किया। जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाते हुए किसानों ने अपने विचार साझा किए। मंगलवार की सुबह ग्राम भगवन्तपुर में चौधरी किशन सिंह के आवास पर एकत्रित हुए भाकियू पदाधिकारियों एवं किसानों ने चौधरी चरण सिंह की याद में हवन किया। साथ ही किसानों के मसीहा को पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को साझा किया। भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष जागीर सिंह ने चौधरी चरण सिंह के कथनों को बताया। कहा कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। इस मौके पर भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम सिंह सहोता शीतल सिंह, संजीव चौधरी, संजय राजपूत, योगेंद्र चौधरी, आदि मौजूद रहे।

अनीस ने लगाई सबसे ऊंची छलांग

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय न्यायपंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ के पहले दिन मंगलवार को बालक वर्ग की प्रतियोगिता संपन्न हुई। चौदह वर्ष आयु वर्ग में मानव मंडल और उन्नीस वर्ष आयु वर्ग में अनीश राय ने सबसे ऊंची छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल, खेल संयोजक बालमुकुंद तिवारी, खेल समन्वयक निर्मल सरकार और सहसंयोजक हृदेश कुमार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। चौदह वर्ष आयु वर्ग के 60 मीटर दौड़ में पवन जोशी और वंश सिकदार एवं 600 मीटर दौड़ में सारांश यादव और सागर सिंह ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्नीस वर्ष आयु वर्ग की एक सौ मीटर दौड़ में मनीष विश्वास और साहिल मंडल, दो सौ मीटर दौड़ में मनीष विश्वास और अनीश राय, आठ सौ मीटर दौड़ में इरफान अंसारी और विनोद कुमार, पंद्रह सौ मीटर दौड़ में पलाश साना और इरफान अंसारी, पांच हजार मीटर दौड़ में पलाश साना और विनोद कुमार, लंबी कूद में अभिषेक सागर और देवाशीष मजूमदार ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जयंत मंडल, त्रिलोचन जोशी, ललित जोशी, बलबीर सिंह, प्रकाश बोरा, प्रदीप कुमार, अनिल श्रेष्ठ, रामजन्म चौहान, दीपमाला सिंह निर्णायक रहे। इस मौके पर सभासद देवाशीष पोद्दार, गोविंद पोखरिया मौजूद रहे।

खेल महाकुंभ में दौड़ स्पर्धा में प्रतिभाग करते बालक। ● अमृत विचार

शिवम और निशांत ने मारी बाजी

खटीमा: ब्लॉक संसाधन केंद्र में आयोजित ब्लॉक स्तरीय मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में एकीकृत राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिरिया और बिरिया मझोला के दो छात्रों का चयन जिला स्तर पर प्रतिभाग के लिए हुआ है। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में शिवम पांडे और निशांत ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। राजकीय विद्यालय में पढ़ने वाले इन छात्रों को प्रधानाध्यापक हरीश सिंह कनवाल, रमेश चंद्र तिवारी, भगवान चंद , दिनेश चंद्र शर्मा आदि ने सम्मानित कर बधाई दी।

वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. नूतन जैन को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक संजीव सिंह।

निशुल्क नेत्र शिविर में 100 मरीजों की जांच

किच्छा : वरिष्ठ समाजसेवी और भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह के प्रयासों से महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल रुद्रपुर के सहयोग से एक विशाल नेत्र जांच एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। किच्छा बाईपास स्थित कार्यालय पर आयोजित इस शिविर में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. नूतन जैन और उनकी टीम ने 100 से अधिक मरीजों की आंखों की निशुल्क जांच की और उन्हें दवाइयां दीं।संजीव सिंह ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने घोषणा की कि गंभीर रोगों और मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा। साथ ही, मरीजों के लिए अस्पताल तक आने-जाने की निशुल्क वाहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। मौके पर अग्रसेन अस्पताल के मैनेजर नफीस अहमद के अलावा सतपाल, कमलेश कुमार, ब्रह्मानंद पुरोहित, नवीन सिंह, अमित कुमार, राजेश कुमार, राजकुमार झा, संजय कुमार, मनिंदर सिंह, गौरव बाला, धनंजय सिंह, रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मंथन

बीएलए-2 की जिम्मेदारी लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला

भाजपा की बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों के अंतर्गत बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट-2) की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को नगर मंडल बाजपुर स्थित श्रीरामलीला सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को सुदृढ़ बनाने, मतदाता सूची के सत्यापन, अद्यतन एवं शुद्धिकरण सहित आगामी चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि बीएलए-2 की जिम्मेदारी लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला है। बूथ स्तर पर सतर्कता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी ही निष्पक्ष व सशक्त चुनाव प्रक्रिया की गारंटी है। कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वह मतदाता सूची से जुड़ी भ्रांतियों या अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल अधिकृत एवं वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करें। बैठक को संबोधित करते हुए दर्जा राज्यमंत्री (गन्ना) मंजीत सिंह राजू, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष यशपाल राजहंस, बीएलए-1 संजीव कुमार जाटव, भाजपा नेता विजयपाल सिंह जाटव व गौरव शर्मा एवं मंडल अध्यक्ष टिंकू यादव आदि ने कहा कि भाजपा संगठनात्मक अनुशासन, संवैधानिक मर्यादाओं और पारदर्शिता का पालन करते हुए प्रत्येक मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में सुशील वर्मा, हरदेव सिंह, सूरज सागर, संदीप गुप्ता, शुभम पांडेय, स्तुति गुप्ता, पूजा जिंदल, रिंकू शर्मा, संजीव चौहान मौजूद रहे।

बाजपुर में दर्जा राज्यमंत्री मंजीत सिंह राजू व पदाधिकारियों का स्वागत करते कार्यकर्ता।

धराली में मदद को बढ़ाया हाथ

- ग्लेशियर टूटने से पड़ रही है अत्यधिक ठंड

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: एक्शन एड एसोसिएशन द्वारा उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र ग्लेशियर टूटने से हुई अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री वितरण की। इस दौरान 225 परिवारों को ठंड से बचाव के लिए कंबल, सोलर लालटेन, रसोई के बर्तन सेट, आपातकालीन आश्रय के लिए तिरपाल एवं 25 गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री वितरण की गई।

मंगलवार को एक्शन एड एसोसिएशन की हीरा जंगपांगी रौतेला के धराली से लौटने के बाद बताया कि उत्तरकाशी के धराली में 225 परिवार की कठिन परिस्थितियों में जमीनी स्तर पर कार्यरत एक्शन एड एसोसिएशन ने प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का संकल्प लिया है। कड़ाके की ठंड के संकट के समय प्रभावित परिवारों को जरुरी आवश्यक सामान उपलब्ध कराकर विषम परिस्थिति में प्रभावित परिवारों को खड़े होने की मदद की है। जिसके तहत एक्शन एड एसोसिएशन द्वारा आपदा प्रभावित परिवारों को सामग्री का वितरण किया। 25 गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई।

धराली में पीड़ित परिवारों को सामग्री वितरण करतीं हीरा जंगपांगी रौतेला।

अमृत विचार www.amritvichar.com

सीएम धामी ने सुनीं जनसमस्याएं, समाधान के निर्देश

ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में लगा बहुउद्देशीय शिविर, मुख्यमंत्री ने मुख्यसेवक स्टॉल में बैठकर जानीं लोगों की समस्याएं

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में मंगलवार को आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टॉलों का एक-एक कर निरीक्षण किया तथा मुख्यसेवक के स्टॉल पर बैठकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त शिकायतों पर एक-एक कर चर्चा की और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़-भाग न करनी पड़े। अधिकारी स्वयं गांव में आकर जनता के कार्य करेंगे और उनकी परेशानियों का समाधान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जनता की सुविधा के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की। कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रशासन गांव की ओर अभियान' शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिससे जनसमस्याओं का समाधान त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्यसेवक के स्टॉल पर जनसमस्याएं सुनकर त्वरित समाधान के निर्देश देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

सुबह की सैर के दौरान चाय की दुकान पर पहुंचे मुख्यमंत्री धामी। ● अमृत विचार

सीएम ने मॉर्निंग वॉक के दौरान लोगों से किया संवाद

रानीखेत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां दो दिवसीय दौरे के दौरान मंगलवार को मॉर्निंग वॉक के दौरान आम लोगों से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ चाय पर संवाद स्थापित कर 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान को लेकर उनका फीडबैक लिया। लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल बताया तथा सरकार का आभार व्यक्त किया। प्रात:कालीन भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली से आए पर्यटकों से भी भेंट कर उनके शीतकालीन यात्रा के अनुभवों की जानकारी ली। पर्यटकों ने जनपद की प्राकृतिक सुंदरता, शांति और व्यवस्थाओं को लेकर दिए गए सकारात्मक फीडबैक को मुख्यमंत्री ने उत्साहवर्धक बताया और कहा कि यह जनहित में सतत रूप से कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करता है।

ब्रीफ न्यूज

मुक्तेश्वर महादेव की टीम रही विजेता

रानीखेत : सेना के नर सिंह मैदान में चल रहे स्व. रेनुका भगत मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को मुक्तेश्वर महादेव व कुमाऊं वॉरियर के बीच मैच खेला गया। मुक्तेश्वर महादेव ने कुमाऊं वारियर्स को 37 रनों से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच गौरव सिंह (62 रन) बिष्ट रहे। मुख्य निर्णायक कमलेश बिष्ट व तुलसा बिष्ट रहे। मुख्य अतिथि करन मेहरा का माल्यार्पण संजय भगत व स्मृति चिन्ह चंदन बिष्ट द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष पंकज जोशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, चंदन बिष्ट, ज़हूर बक्श, विजय तिवारी, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी आदि रहे।

पिस्टल शूटर कल्पेश का शानदार प्रदर्शन

बागेश्वर : दिल्ली में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में उत्तराखंड के 15 वर्षीय पिस्टल शूटर कल्पेश उपाध्याय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के 11वें दिन उन्होंने 25 मीटर .22 पिस्टल स्पर्धा में अपने पहले प्रयास में 600 में से 534 अंक प्राप्त कर नेशनल क्वालिफाई किया। कल्पेश इससे पूर्व 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी राष्ट्रीय स्तर पर क्वालिफाई कर चुके हैं। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या ने उन्हें बधाई दी।

संदिग्ध हालात में छत से गिरा पूर्व सैनिक, मौत

बागेश्वर : कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत खड़ी बाजार में आईटीबीपी के पूर्व हवलदार की संदिग्ध हालात में छत से गिरकर मौत हो गई। पुलिस सभी कोणों से मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, नगर के मंडलसेरा जीतनगर निवासी 42 वर्षीय आईटीबीपी के पूर्व हवलदार प्रकाश राम पोस्ट ऑफिस के समीप किरन शाह गंगोला के मकान में किराए पर रहते थे। मंगलवार की दोपहर उनके घर में कुछ अन्य युवक भी आये थे। इस बीच वे छत पर धूप में बैठे थे। इस बीच प्रकाश राम अचानक सिर के बल छत से सड़क पर आ गिरे। सिर बुरी तरह से फटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों और आसपास के व्यापारियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाल अनिल उपाध्याय मौके पर पहुंचे तथा प्रकाश राम को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाल उपाध्याय ने इस संबंध में कहा कि, पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है तथा अन्य युवकों का भी पता लगाया जा रहा है, जो घटना के वक्त वहां मौजूद थे।

अल्मोड़ा में मंगलवार को धरना-प्रदर्शन करते संघर्ष समिति से जुड़े लोग।

संघर्ष समिति ने डीडीए के खिलाफ दिया धरना

अल्मोड़ा : जिला विकास प्राधिकरण के खिलाफ मंगलवार को सर्वदलीय संघर्ष समिति ने धरना दिया। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर जल्द डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी करने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। नगर के मालरोड स्थित गांधी पार्क में आयोजित धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि बीते नौ साल से संघर्ष समिति डीडीए को समाप्त करने की मांग कर रही है। लेकिन अब तक डीडीए समाप्ति को लेकर सरकार कोई भी फैसला नहीं ले सकी है। जिससे पर्वतीय क्षेत्रों की जनता में सरकार के खिलाफ भारी रोष व्याप्त है। कहा कि जब तक डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी नहीं होता है तब तक उनका साप्ताहिक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। यहां धरना प्रदर्शन में समिति के संयोजक व पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद जोशी, हेमचंद्र जोशी, ललित मोहन पंत, रॉबिन मनोज भंडारी, वैभव पांडे, हेमचंद्र तिवारी, प्रताप सत्याल, चंद्र प्रकाश जोशी, अख्तर हुसैन समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं संग अत्याचार पर आक्रोश

- अल्मोड़ा में हिंदूवादी संगठनों ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका
- केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा करने की मांग उठाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदूवादी संगठनों में रोष है। मंगलवार को विहिप, बजरंग दल समेत अन्य दलों के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंक जमकर प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा की मांग उठाई।

नगर के मालरोड स्थित शहीद तिराहे के पास विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ता ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा खतरे में है। आए दिन हिंदुओं के साथ अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। निर्दोष हिंदुओं और उनके परिजनों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने इन घटनाओं को मौन समर्थन दिया है।

उन्होंने केंद्र सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। यहां पुतला फूंकने वालों में जिलाध्यक्ष गोपाल नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, यतेंद्र नाथ गिरि महाराज, राजेंद्र कनवाल, रोहित कुमार, वेद प्रकाश, जगत भट्ट, अमित साह मोनू, अभिषेक जोशी, सिकंदर पवार, हिमाल शर्मा, प्रकाश लोहनी, सौरभ वर्मा, जगमोहन बिष्ट, दिव्या जोशी, कमलेश भट्ट, बंटी कुमार आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंकते हिंदूवादी संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

सांसद खेल महोत्सव के तहत हुईं कई प्रतियोगिताएं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सांसद खेल महोत्सव के तहत हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें वालीबॉल में अल्मोड़ा स्टेडियम व खो-खो में धौलादेवी ने जीत दर्ज की।

स्टेडियम में हुई फुटबॉल प्रतियोगिता में मुनस्यारी और टनकपुर के बीच मुकाबला हुआ। एक-एक गोल से बराबरी होने पर पैनालटी शूटआउट में मुनस्यारी ने टनकपुर को 5-3 से हराया। वहीं, वालीबॉल अंडर-21 बालक वर्ग में अल्मोड़ा स्टेडियम विजेता और रानीखेत उप विजेता रही। योगासन दस से 14 सब जूनियर आयु वर्ग बालिका में मीनाक्षी जोशी स्वर्ण, रूद्रशी विष्ट रजत और दिव्या बिष्ट कांस्य पदक विजेता रहे। खो-खो अंडर-16 बालक वर्ग फाइनल में धौलादेवी ने द्वाराहाट को हराया। अंडर-16 बालिका वर्ग और अंडर-19 में भी धौलादेवी विजेता रही।

अंडर-19 पुरूष वर्ग में द्वाराहाट की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। यहां हरीश कनवाल, प्रभा नेगी, प्राशु गैसोड़ा, मनमोहन सिंह मेहरा, कैलाश मेहरा, हरीश गोस्वामी, पंकज जोशी, लियाकत अली खान, उत्तराखंड बॉक्सिंग के सचिव गोपाल सिंह खोलिया, जिला क्रीडा अधिकारी महेशी आर्या, उप क्रीड़ा अधिकारी अरुण बनग्याल, जीवन प्रकाश, प्रशांत मेहरा, रीता बिष्ट, लता साह, करिश्मा नायक, दीपक मेहरा, वन्दना भंडारी, निर्मला नैलवाल, यशवंत कुमार आदि रहे।

अस्पताल में बेहतर होंगी सुविधाएं

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: टनकपुर उप-जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से संबंधित सूचनाओं पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अस्पताल व्यवस्थाओं में और अधिक बेहतर सुधार एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने एवं सामने आए विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए तत्काल कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने बताया कि अस्पताल में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत किए जाने के उद्देश्य से दो नए सफाई कर्मियों की नियुक्ति की है। इसके उपरांत चिकित्सालय में कुल चार सफाई कर्मी उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे अस्पताल परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता के स्तर में सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा। अस्पताल की बिजली व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए डीएम मनीष कुमार ने 15 किलोवाट क्षमता का नया जनरेटर 3 दिनों के भीतर क्रय कर अस्पताल में स्थापित किए जाने के निर्देश जारी किए हैं। नए जनरेटर की स्थापना के बाद उप-जिला अस्पताल में हर समय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। जिससे डायलिसिस की सुविधा भी लोगों को बिना किसी रुकावट के प्राप्त होगी। वर्तमान शीतलहर एवं ठंड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने अस्पताल में खराब पड़े हीटर्स की तत्काल मरम्मत कराने तथा आवश्यकतानुसार नए हीटर्स क्रय करने के निर्देश भी दिए हैं। इससे चिकित्सा स्टाफ, भर्ती रोगियों एवं उनके तीमारदारों को ठंड के मौसम में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य आमजन को बेहत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि उपलब्ध सभी संसाधनों एवं सुविधाओं का पूर्ण एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि मरीजों को असुविधा न हो।

जिलाधिकारी मनीष कुमार।

विजेताओं को पुरस्कृत करते क्लिफटन शिफवे और थाना अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कोरंगा।

मैक्सन स्ट्रांग स्कूल में धूमधाम से मनाया क्रिसमस

बनबसा : मैक्सन स्ट्रांग स्कूल में क्रिसमस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सोलो डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अन्या भाटिया प्रथम, आराध्या बोरा द्वितीय व जैफरी जॉर्ज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि डीएसपी वंदना वर्मा ने विजेता छात्राओं को नगद पुरस्कार राशि व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक अंजलि राणा, विक्की, प्रियंका सावंत व एंकर भूमिका शशि चंद सौराडी, दीपा रहे। विद्यालय के अध्यक्ष क्लिफटन शिफवे, सचिव यूजिन जॉर्ज, प्रबंधक गिरीश चंद्र जोशी, विशिष्ट अतिथि हेमा जोशी, डॉ प्रेम सिंह कठायत, थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कोरंगा, प्रधानाचार्या फिलिस जार्ज, ऑस्ट्रेलिया से आए अतिथि फ्रैंक बारटा, रोजी बारटा, ब्रेंडा व पूर्व प्रधानाचार्य बंशीधर उपाध्याय, देवेंद्र गुरुंग, अमित जोशी, विनोद काला आदि उपस्थित रहे।

अग्निवीर योजना को समाप्त करे सरकार

- अल्मोड़ा में कांग्रेस कार्यालय में अग्निवीर योजना को लेकर हुई चर्चा
- सेनि. कर्नल नेगी ने कहा युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है यह

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मंगलवार को पूर्व सैनिक विभाग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अग्निवीर योजना पर चर्चा की गई तथा इसे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया गया।

जिला पार्टी दफ्तर में हुई बैठक में कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सेनि. कर्नल राम रतन नेगी ने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं के भविष्य के लिए उचित नहीं है। इसमें कई खामियां हैं। कहा कि चार वर्ष की सेवा के बाद 75 फीसदी अग्निवीर को बाहर निकाल देना युवाओं के साथ छल है। इस अवधि में अग्निवीर न तो पूर्ण सैन्य अनुभव ले सकता है और न ही आगे के लिए उसकी सोच विकसित हो सकती है। उन्होंने सरकार से अग्निवीर योजना को समाप्त कर सभी अग्निवीरों को पूर्ण सैनिक का दर्जा देने की मांग की।

अल्मोड़ा में मंगलवार को कांग्रेस की बैठक में मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, नगर अध्यक्ष तारा चन्द्र जोशी, पीतांबर पांडे, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, विनोद सिंह, आनंद सिंह बिष्ट, पूरन सिंह रौतेला, गोविंद मेहरा, गोविंद बलटियाल, केशव दत्त पांडे, चंद्र प्रकाश, परितोष जोशी, मनोज बिष्ट, नारायण दत्त पांडे, गोपाल चौहान, अख्तर हुसैन, तारा तिवारी, नवीन चंद्र, वैभव पांडे, किशोर नयाल, राजेंद्र बोरा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयोजन

ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत पाटी की बैठक सम्पन्न

बीडीसी बैठक में सर्वसम्मति से 50 प्रस्ताव पास

संवाददाता, लोहाघाट (चम्पावत)

अमृत विचार: चम्पावत जिले के पाटी विकासखंड की क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) की बैठक ब्लॉक सभागार पाटी में ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विकास से जुड़े लगभग 50 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इन प्रस्तावों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, स्वच्छता सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्य शामिल रहे।

बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को विस्तार से रखा। कई सदस्यों ने दूरस्थ गांवों में पेयजल संकट, जर्जर सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और स्कूलों में संसाधनों के अभाव का मुद्दा उठाया। जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी ने बैठक में उपस्थित लोहाघाट विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह आदि का स्वागत किया। विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विकासखंड की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर ठोस और व्यवहारिक योजनाएं बनानी चाहिए, जिससे विकास योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने कहा कि ग्राम पंचायतों में खुली बैठकों के माध्यम से आम सहमति से पारित प्रस्तावों को ही क्षेत्र पंचायत की बैठक में रखा जाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ज्येष्ठ प्रमुख खड़क सिंह, खंड विकास अधिकारी सुश्री मोनिका पाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

पाटी ब्लॉक में बीडीसी बैठक में मौजूद अधिकारी और जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

कोहरे ने बढ़ाई ठंड, जलाए अलाव

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: चम्पावत जिले के मैदानी क्षेत्र टनकपुर और बनबसा में कोहरे के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड और कोहरे के कारण स्कूली बच्चों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को टनकपुर व बनबसा क्षेत्र में सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पाए, जिस कारण जनजीवन खासा प्रभावित रहा।

टनकपुर के पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के आदेश पर नगर पालिका द्वारा टनकपुर के पीलीभीत चुंगी, तुलसीराम चौराहा, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, नगर के चौराहों और व्यस्त मार्गों में अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। इधर बनबसा नगर पंचायत की अध्यक्ष रेखा देवी ने बताया कि बनबसा क्षेत्र में भी रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और व्यस्त मार्गों पर अलाव जलाए गए हैं। इधर चम्पावत और लोहाघाट में दिन भर धूप खिली रही जिससे पहाड़ के लोगों ने राहत की सांस ली।

टनकपुर में अलाव सेकते लोग। ● अमृत विचार

नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

बनबसा : सीमांत क्षेत्र बनबसा में नशे जैसी सामाजिक व्याधि के विरुद्ध युवाओं ने निर्णायक हुंकार भरी। राजकीय महाविद्यालय बनबसा की ''एन्टी ड्रग सेल'' एवं ''रोवर्स-रेंजर्स'' इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान ने ठंड और घने कोहरे के बीच समाज को जागरूक करने का अभूतपूर्व कार्य किया। महाविद्यालय के ''ग्रीन कैंपस प्रांगण में विद्यार्थियों व रोवर्स-रेंजर्स ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य डॉ. आनन्द प्रकाश सिंह ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य ही नहीं, भविष्य और राष्ट्र की प्रगति का भी शत्रु है। अभियान में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. भूपनारायण दीक्षित, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. सुशील आर्या, जयन्ती देवी रहे।

जो अपने घर में ही सुधार न कर सका हो, उसका दूसरों को सुधारने की चेष्टा करना बड़ी भारी धूर्तता है।
–**मुंशी प्रेमचंद**, हिंदी साहित्यकार

दूरदर्शी समझौता

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मात्र नौ महीनों में संपन्न हुआ मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए न केवल अपनी गति के कारण उल्लेखनीय है, बल्कि यह बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की रणनीतिक आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। आम तौर पर वर्षों तक खिंचने वाली एफटीए वार्ताओं की तुलना में यह समझौता तेज़, संतुलित और दूरदर्शी है, इसीलिए इसे दीर्घकालिक विकास योजनाओं के अनुरूप एक ऐतिहासिक उपलब्धि और मील का पत्थर कहना उचित है। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को कई स्तरों पर मजबूत करेगा। न्यूजीलैंड के तकरीबन 55 प्रतिशत उत्पादों को तत्काल टैरिफ-मुक्त पहुंच और दस वर्षों में यह दायरा लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंचना, द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा। भारत को इससे कृषि-आधारित और श्रम-प्रधान निर्यात बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जबकि न्यूजीलैंड के लिए भारत जैसा विशाल और बढ़ता बाजार दीर्घकालिक स्थिरता देगा। समझौते के कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसे लागू होने में साल भर से ज्यादा लगेंगे।

भारत इसके पहले मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, यूरोपीय संघ, ओमान और ब्रिटेन के साथ एफटीए कर चुका है, कनाडा से वार्ता अंतिम चरण में होना दर्शाता है कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। इसका परोक्ष दबाव अमेरिका पर भी पड़ेगा, जहां अति संरक्षणवादी टैरिफ नीतियों के चलते भारतीय निर्यातक असमंजस में हैं। भले ही वह पूर्ण समाधान न हो पर विविध एफटीए नेटवर्क अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभावों से आंशिक सुरक्षा कवच तो देगा। वर्तमान में भारत–न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार लगभग 21 हजार करोड़ रुपये का है। समझौते के बाद मध्यम अवधि में इसमें दो से तीन गुना वृद्धि की संभावना है। भारतीय निर्यातकों को शून्य-शुल्क पहुंच से बड़ा लाभ होगा। कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के साथ-साथ इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन उद्योगों में 25 से 40 प्रतिशत तक निर्यात वृद्धि हो सकती है।

कृषि क्षेत्र में यह समझौता व्यावहारिक संतुलन साधता है। फल, सब्जियां, अनाज, मसाले, कॉफी और प्रोसेस्ड फूड के लिए न्यूजीलैंड का बाजार खुलेगा, जबकि भारत के डेयरी, चीनी, खाद्य तेल, कीमती धातुओं, तांबे के कैथोड और रबर-आधारित उत्पादों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी। सेवाओं और मानव संसाधन की आवाजाही इस समझौते की एक और बड़ी ताकत है। 5,000 अस्थायी वर्क वीजा, वर्किंग हॉलिडे वीजा और अध्ययन के बाद रोजगार के अवसर भारतीय युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए वैश्विक दरवाज़े खोलेंगे। आईटी, आईटी-सक्षम सेवाएं, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे एमएसएमई, कारीगरों, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और स्टार्टअप्स को भी लाभ मिलेगा। न्यूजीलैंड का अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की सुविधा देना महत्वाकांक्षी है। अवधि लंबी है, पर इससे निवेश को स्थायित्व, तकनीकी सहयोग व रोजगार सृजन का ठोस आधार मिलेगा।

प्रसंगवश

लैंगिक भेदभाव की खाई बढ़ाते कौमार्य परीक्षण

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में महिलाओं की वर्जिनिटी टेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं, जिसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है। यह ऐसा विषय है, जिस पर आमतौर पर बात करने से तो हम बचते हैं, लेकिन कुप्रथाओं में यही टेस्ट चादर में धब्बे नहीं लगने पर समाज में महिलाओं के लिए बड़ा कलंक साबित हो रहे हैं। वर्जिनिटी मसला यूं तो स्त्री और पुरुष दोनों से जुड़ा है, लेकिन 21वीं सदी जैसे आधुनिक युग में भी इसे अधिकांश महिलाओं की ही पवित्रता जांच यानी इस टेस्ट से तोला जाता रहा है। वर्जिनिटी टेस्ट की इस परंपरा को राजस्थान में कुकड़ी प्रथा के नाम से जानते हैं।

एक समाज विशेष की प्रथा के चलते वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने पर एक युवती को न सिर्फ प्रताड़ित किया गया, बल्कि दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में वर्जिनिटी टेस्ट के लिए चली आ रही प्रथा के नाम पर युवती और उसके परिवार को ये प्रताड़ना झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीति एवं रिवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लैंगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

कुछ समय पहले भीलवाड़ा के बागौर गांव की 24 वर्षीय युवती की शादी उसी गांव में हुई। शादी के बाद सांसी समाज ने कुकड़ी प्रथा के तहत नई दुल्हन का वर्जिनिटी टेस्ट लिया। टेस्ट में दी गई सूत की गेंद, जिसे कुकड़ी कहा जाता है, में सुहागरात के दिन बिछाई चादर पर खून के धब्बे नहीं मिलने पर विवाहित युवती को टेस्ट में फेल बता मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। टेस्ट में फेल होने का कारण पूर्व में एक युवक की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म करना बताया गया। सांसी समाज की पंचायत बुलाई गई और वधू पक्ष पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। कुकड़ी प्रथा राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में रहने वाली सांसी जनजाति में प्रचलित एक विवादास्पद और दमनकारी सामाजिक कुप्रथा है, जिसमें शादी के बाद दुल्हन के कौमार्य की परीक्षा ली जाती है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और क्रूर तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और कई अदालतों ने असंवैधानिक, पितृसत्तात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, क्योंकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। आधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे अस्वीकार करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक सामाजिक अवधारणा है, चिकित्सा स्थिति नहीं है। इसका कोई एक निश्चित शारीरिक संकेत नहीं है।

आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविधता में कुछ लोगों में जन्म से ही हाइमन बहुत कम या न के बराबर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे घुड़सवारी, जिमनास्टिक या साइकिलिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों या खेलकूद के कारण भी हाइमन खिंच सकती है या फट सकती है। कोई दुर्घटना या चोट लगना भी एक कारण हो सकता है। कुछ मामलों में टैंपोन के उपयोग से भी हाइमन पर प्रभाव पड़ सकता है। कुछ चिकित्सा जांच या सर्जरी के दौरान भी हाइमन पर असर पड़ सकता है। वर्जिनिटी टेस्ट महिलाओं के शोषण का एक माध्यम बन गए हैं। महिला संगठन इस प्रथा का कड़ा विरोध करते हुए इसके उन्मूलन की मांग कर रहे हैं। कई मामलों में पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इस प्रथा ने न सिर्फ कई बेटियों की जिंदगी खराब की है, बल्कि कुप्रथा की प्रताड़नाओं के कारण कई जीवन भी समाप्त किए हैं।

देश के 216 बांध खतरनाक हालत में

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने राज्यसभा में बताया कि देश भर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां पाई गई हैं और जिनकी तत्काल मरम्मत होना जरूरी है। इन बांधों को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि बांध में बड़ी संरचनात्मक या तकनीकी कमी है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य में बड़े खतरे को आमंत्रण देना होगा?

सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 50 ऐसे बांध पाए गए हैं, जिनकी तत्काल मरम्मत जरूरी है। इसके बाद मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 24-24 बांध, तमिलनाडू में 19, तेलंगाना में 18, उत्तर प्रदेश में 12, झारखंड में 10, केरल में 9, आंध्रप्रदेश में 7 और गुजरात तथा मेघालय में छह-छह बांध क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिनमें तत्काल सुधार जरूरी है। यह समझ से परे है कि 'बांध सुरक्षा विधेयक' अस्तित्व में होने के बावजूद इन बांधों की मरम्मत पर अब तक ध्यान क्यों नहीं दिया गया।

नदियों पर बांध इस दृष्टि से बनाए गए थे, जिससे जल के इन अक्षुण भंडारों से सिंचाई, बिजली और महानगरों के लिए पेयजल की आपूर्ति के साथ पानी की बर्बादी पर अंकुश लगे, लेकिन औसत आयु पूरी होने से पहले ही देश के ज्यादातर बांध एक तो गाद से भर गए, दूसरे बांधों की पक्की दीवारों में क्षरण होने से पानी का रिसाव बढ़ गया। पुराने होने से कई बांध बरसात में ज्यादा पानी भर जाने पर टूटने भी लगे हैं। बांधों में गाद भर जाने से जलग्रहण क्षमता कम हुई है। नतीजतन ये जल्दी भर जाते हैं। ऐसे में बांधों से छोड़ा गया पानी तबाही का कारण बन रहा है।

देश में बड़े बांधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। देश भर में 216 बांध ऐसे हैं, जिनमें गंभीर खामियां पाई गई हैं और जिनकी तत्काल मरम्मत की जरूरत है।

बांधों की मरम्मत के लिए, भारत सरकार ने देशभर के बांधों को सुरक्षित बनाए रखने की दृष्टि से 10,211 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है। यह धन बांध पुनर्वास और सुधार कार्यक्रम (डीआरआईपी) के अंतर्गत दिया है। इस राशि से दो चरणों में बांधों की मरम्मत करने के प्रावधान हैं। भारत बांध संख्या के लिहाज से दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं। देश में कुल बांध 5,745 हैं। इनमें से संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने 1115 बांधों की हालत खस्ता बताई है। चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। देश में 973 बांधों की उम्र 50 से 100 वर्ष के बीच है, जो 18 प्रतिशत बैठती है। 973 यानी 56 फीसदी ऐसे बांध हैं, जिनकी आयु 25 से 50 वर्ष हैं। शेष 26 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से कम आयु के हैं, जिन्हें मरम्मत की अतिरिक्त जरूरत नहीं है।

पुराने और ज्यादा जल दबाव वाले बांधों की मरम्मत इसलिए जरूरी है, क्योंकि अधिक मात्रा में बरसाती पानी भर जाने पर इनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बांधों की उम्र पूरी होने पर रख-रखाव का तो खर्च बढ़ता है, लेकिन जल भंडारण क्षमता घटती है। बांध बनाते समय उनके आसपास आबादी नहीं होती है, लेकिन बाद में बढ़ती जाती है। नदियों के जल बहाव के किनारों पर आबाद गांव, कस्बे एवं नगर होते हैं, ऐसे में अचानक बांध टूटता है, तो लाखों लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। भारत में बांधों की मरम्मत अप्रैल 2021 से लेकर 2031 तक पूरी होनी है।

सरकार द्वारा बांध सुरक्षा विधेयक-2018 पारित कर दिए जाने के बाद से ही यह उम्मीद थी कि जिन बांधों की उम्र 26 से 100 वर्ष की है, उनकी कालांतर में मरम्मत की जाएगी। कई बांध इतनी जर्जर अवस्था में आ गए हैं कि बांध की दीवारों, मोरियों और द्वारों से निरंतर पानी रिसता रहता है। इस नजरिए से इस विधेयक का उद्देश्य बांधों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत और संस्थागत कार्य योजना उपलब्ध कराना है। भारत में बांधों की सुरक्षा के लिए कानून की कमी के कारण यह चिंता का मुद्दा था। खासतौर से बड़े बांधों का निर्माण देश में बड़ी बहस और विवाद के मुद्दे बने हैं।

फरक्का, नर्मदा सागर और टिहरी बांध के विस्थापितों का आज भी सेवा-शर्तों के अनुसार उचित विस्थापन संभव नहीं हुआ है। बड़े बांधों को बाढ़, भू-जल भराव क्षेत्रों को हानि और नदियों की अविरलता के लिए भी दोषी माना गया है। 1979 में गुजरात के मोरवी बांध के टूटने से पांच हजार और 11 अगस्त 1979 को गुजरात की मच्छू नदी पर बने बांध के टूटने से 2000 लोगों की मौतें हुईं थीं। 2010 में भारत, नेपाल सीमा पर कोसी नदी का बांध टूटने से सैंकड़ों लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

भारत के हर क्षेत्र में बड़ी संख्या में नदियों और पहाड़ों के होने से अनेक बांधों का निर्माण संभव हुआ है। यहां 5,745 से भी ज्यादा बड़े बांध हैं। 450 बड़े बांध निर्माणाधीन भी हैं। इसके अलावा हजारों मध्यम और लघु बांध हैं। भारतीय भौगोलिक परिस्थिति व अनुकूल जलवायु का ही कमाल है, जो इतने छोटे-बड़े बांधों का निर्माण संभव हुआ। भारत में बांधों का निर्माण आजादी के पूर्व से ही आरंभ हो गया था, इसलिए 164 बांध सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। 75 प्रतिशत बांध 25 वर्ष से अधिक पुराने हैं। बांधों का समुचित रख-रखाव नहीं होने के कारण 36 बांध पिछले कुछ दशकों के भीतर टूटे भी हैं। इनके अचानक टूटने से न केवल पर्यावरणीय क्षति हुई, बल्कि हजारों लोगों की मौतें भी हुईं।

इस कानून के मुताबिक, प्रत्येक राज्य में स्थित बांधों की सुरक्षा के लिए एनडीएसए स्थापित किया जाएगा। एक राज्य के स्वामित्व वाले बांध, जो किसी अन्य राज्य में या केंद्रीय लोक सेवा उपक्रमों (सीपीएसयू) के अंतर्गत आने वाले बांध या वे बांध जो दो या दो से अधिक राज्यों में फैले हैं, सभी एनडीएसए के अधिकार क्षेत्र में होंगे। इसी कारण तमिलनाडु जैसे राज्यों की ओर से विधेयक का विरोध किया गया था, क्योंकि यह राज्य केरल में कई बांधों का प्रबंधन करता है। मुल्ला पेरियार बांध इनमें से एक है। विरोधी राज्यों को शंका थी कि यह विधेयक उनकी शक्ति कमजोर करेगा। 2014 में तमिलनाडु एवं केरल सर्वोच्च न्यायालय भी गए थे।

आमने सामने

भारत के संस्थागत ढांचे पर भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से कब्जा हो गया है, लेकिन विपक्ष को इसका मुकाबला करने के लिए रास्ता निकालना होगा। खुफिया एजेंसियों, केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को हथियार में तब्दील कर दिया गया है।
–राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी का सिर्फ एक ही एजेंडा है, भारत विरोधी सोरोस के एजेंटों से मिलना, चाहे वह इल्हान उमर हों या सलिल शेट्टी। बर्लिन में उन्होंने कहा कि भारत की संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है। भारत में कुछ भी निष्पक्ष नहीं है। वे यह भी कहते हैं कि भारतीय लोग आपस में लड़ेंगे।
–शहजाद पूनावाला
बीजेपी प्रवक्ता

गरीबी की ओर धकेल रहा महंगा इलाज

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इश्तेहार और कागजों पर देखें तो आयुष्मान कार्ड और सस्ते दाम की जेनेरिक दवाओं ने आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि आज भी देश की बड़ी आबादी अपने किसी प्रिय के इलाज की खातिर गरीबी रेखा के नीचे पहुंच जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और वर्ल्ड बैंक की एक ताजा संयुक्त रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनियाभर में अरबों लोग अभी भी या तो स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं पहुंच पा रहे हैं या उन्हें वहन नहीं कर पा रहे हैं। भारत में 30.9% लोग स्वास्थ्य पर खर्च में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। उल्लेखनीय हैं कि स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता के वैश्विक सूचकांक में भारत का 100 में 69वां स्थान है।

बड़े-बड़े आंकड़ों के बीच कड़वी सच्चाई तो यह है कि भारत दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर जीडीपी का सबसे कम हिस्सा खर्च करता है, तभी मूलभूत सुविधाओं से वंचित अस्पतालों में भारी भीड़ रहती है। जर्जर व्यवस्था से हताश लोग जब निजी अस्पतालों की तरफ रुख करते हैं, अज्ञानता का आधिक्य और पारदर्शिता के अभाव के कारण वे इस तरह लुटते हैं कि सारी बचत और यहां तक कि जमीन-जायदाद भी गंवा बैठते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी अस्पताल भीड़ भाड़ वाले और संसाधनों से वंचित हैं।

डब्ल्यूएचओ और वर्ल्ड बैंक की ताजा संयुक्त रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भारत में 30.9% लोग स्वास्थ्य पर खर्च में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं।

जॉओक्यूआईआई की एक रिपोर्ट बताती है कि 71% भारतीयों का मानना है कि उनके चिकित्सा खर्च में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। यहां तक कि 19 फीसदी लोगों ने तो इलाज करवाना ही छोड़ दिया या उसमें कुछ विलंब किया। इसी राह में बड़ी संख्या में लोग गरीब हो गए। स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जरता की बानगी सरकार की सबसे प्रीमियम स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस यानि केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा है, जिसके तहत पत्रकार, पूर्व सांसद आदि आते हैं। इस योजना के तहत पंजीकृत लोगों में चालीस फीसदी डायबीटिज के मरीज हैं और वे हर महीने केवल नियमित दवा लेने जाते हैं। एक मरीज की औसतन हर दिन की पचास रुपये की दवा होती है, वहीं स्टेम सेल से डायबीटिज के स्थाई इलाज का व्यय महज सवा से दो लाख है, लेकिन सीजीएचएस में यह इलाज शामिल नहीं है। इसी तरह मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए सरकार जिस सामान्य लेंस का भुगतान करती है, उसे कोई लगवाता नहीं और सरकारी कर्मचारी खुद जेब से एक आंख के लेंस के कोई 22 हजार अपनी जेब से देता है। ऐसे ही कई अन्य रोग हैं, जिनकी आधुनिक चिकित्सा उपलब्ध है, लेकिन सीजीएचएस में उसे शामिल ही नहीं किया गया।

इस बात के खुलासे होते रहते हैं कि विभिन्न राज्यों में गरीबों को कार्ड दे कर निजी अस्पताल में मुफ्त इलाज की अधिकांश योजनाएं निजी अस्पतालों का खजाना भरने का जरिया बनी हैं, इसके विपरीत गरीब कंगाल हो रहा है, चूंकि ग्रामीण स्तर पर डॉक्टर नहीं हैं, जांच की व्यवस्था है नहीं है, सो बीमार होने पर लोग करीबी शहर की तरफ दौड़ते हैं और इस दुष्चक्र में उनके घर-खेत बिक जाते हैं। स्वास्थ्य सेवा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता क्यों नहीं दी जाती, ताकि समाज के सभी वर्गों के लिए इलाज किफायती और सुलभ हो, हालांकि सरकारी निवेश महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी स्वास्थ्य सेवा में लाभ-संचालित शोषण को रोकने के लिए उन्हें पारदर्शी विनियमन के साथ जोड़ा जाना चाहिए। एक सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण के लिए करुणा, नैतिक चिकित्सा पद्धतियां और निवारक देखभाल प्राथमिकताएं होनी चाहिए।

स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के अनुपात में बढ़ाने की सलाह देने के बाद भी, यह अभी भी 1.3% पर बना हुआ है, जो दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट के अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्र को आवंटित राशि नाममात्र रूप से बढ़ी दिखी, लेकिन मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद यह पिछले वर्ष की तुलना में वास्तव में 3.17% कम हो गई। स्पष्ट रूप से यह उस बात के विरुद्ध था, जो सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 ने सिफारिश की थी।

नीति में कहा गया था कि स्वास्थ्य पर खर्च जीडीपी के 2.5% के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बजट आवंटन को निरंतर बढ़ना चाहिए और वह भी 'समयबद्ध तरीके' से। मनमोहन सिंह नेतृत्व वाली सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह, जो भाजपा सरकार से पूर्व था, ने इस लक्ष्य की समय सीमा के रूप में 2017 का निर्धारण किया था। यह समझना कठिन नहीं है कि यदि सरकार का स्वास्थ्य पर खर्च बहुत कम बना रहता है, तो क्षमता से अधिक इलाज पर खर्च करने में हम दुनिया में अव्वल होंगे।

देश के कुल स्वास्थ्य खर्च में से अधिकांश योगदान लोगों का है (52%), जबकि राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर 35.3% देती हैं। राज्य सरकारों का हिस्सा केंद्र सरकार से अधिक है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट इसे पुष्ट करती है। इसमें कहा गया है कि भारत की 7% आबादी, लगभग 10 करोड़ लोग, हर साल स्वास्थ्य पर किए गए खर्च के कारण गरीबी में धकेले जाते हैं।

सोशल फोरम

कानून और शेयर बाजार में फेल हो रहा एआई

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

जितनी उम्मीदें एआई से लगाई गई थीं, उतनी ही तेजी से निराशा भी बढ़ रही है। खासकर दो क्षेत्रों में यह बात ज्यादा साफ नजर आती है। कानून और शेयर बाजार। दोनों जगह एआई लगातार फेल हो रहा है। तर्क गड़बड़ा रहे हैं, निष्कर्ष सतही हैं और जटिल स्थितियों में इसकी समझ जवाब दे जाती है। सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या यह केवल तकनीकी समस्या है या बात इससे कहीं अधिक गहरी है।

कानून केवल नियमों का संग्रह नहीं होता। वह समाज की स्मृति, संघर्ष और नैतिक बहसों का परिणाम होता है। किसी कानूनी मुद्दे को समझने के लिए सिर्फ धाराएं याद होना काफी नहीं होता। यह भी देखना पड़ता है कि कानून किस ऐतिहासिक संदर्भ में बना, किस सामाजिक दबाव में बदला और आज उसे किस तरह लागू किया जा रहा है। अदालतों में दिए गए फैसले कई बार लिखित कानून से ज्यादा उसके पीछे की भावना को महत्व देते हैं। एआई यहां अक्सर चूक जाता है। वह फैसलों के शब्द पढ़ लेता है, लेकिन उनके भीतर छिपे सामाजिक तनाव, वर्गीय हित, सत्ता के संतुलन और नैतिक द्वंद्व को पकड़ नहीं पाता।

शेयर बाजार में हालात कुछ अलग दिखते हैं, लेकिन समस्या की जड़ यहां भी वही है। बाजार को अक्सर आंकड़ों की दुनिया समझ लिया जाता है। चार्ट, पैटर्न, ट्रेंड, एल्गोरिदम। एआई इन्हीं में माहिर है। वह अतीत के डेटा से भविष्य का अनुमान लगाने की कोशिश करता है, लेकिन शेयर बाजार केवल गणित का खेल नहीं है। वह उम्मीद, डर, अफवाह, राजनीति और लालच से चलता है। कोई खबर, बयान या भावनात्मक लहर पूरी दिशा बदल देती है। एआई इन मनोवैज्ञानिक कारकों को आंकड़ों में तब्दील तो कर सकता है, लेकिन उन्हें जी कर महसूस नहीं कर सकता।

बाजार में कई बार तर्क के खिलाफ चीजें होती हैं। खराब नतीजों के बावजूद शेयर चढ़ जाता है और अच्छे नतीजों पर गिर जाता है। यह विरोधाभास इंसानी व्यवहार से पैदा होता है। लोग भविष्य के सपने खरीदते हैं, वर्तमान की सच्चाई नहीं। एआई यहां चूक जाता है, क्योंकि वह भविष्य को भी अतीत की भाषा में ही पढ़ता है। वह यह नहीं समझ पाता कि कभी-कभी बाजार तर्क नहीं, कहानी पर विश्वास करता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

लड़कियों के लिए साइंस न पढ़ पाने की मजबूरी

संजना
एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बसे गांव बाहर से शांत दिखाई देते हैं, लेकिन भीतर कई परेशानियां छिपी हैं। यह परेशानी केवल स्थानीय लोगों को ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भी है। यहां कई इलाकों में 12वीं तक की पढ़ाई के लिए राजकीय इंटर कॉलेज तो हैं, लेकिन दसवीं के बाद विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इस कॉलेज के दरवाजे बंद हो जाते हैं, क्योंकि यहां आर्ट्स की पढ़ाई तो होती है लेकिन विज्ञान की नहीं।

यहां के एक गांव की अंजलि कक्षा ग्यारह में पढ़ रही हैं, वह बताती हैं कि उसने दसवीं तक की पढ़ाई पोथिंग के स्कूल से पूरी की थी, लेकिन जैसे ही दसवीं से आगे विज्ञान पढ़ने की बात आई, तो उसे वह स्कूल छोड़ना पड़ा। अंजलि अकेली नहीं हैं। उनके साथ विज्ञान विषय चुनने वाली अन्य लड़कियों को भी दूसरे स्कूल में एडमिशन लेना पड़ा, क्योंकि इस इंटर कॉलेज में आगे विज्ञान की पढ़ाई का विकल्प नहीं था। ऐसे में लड़कियां, या तो दूर के स्कूलों में जाने को मजबूर होती हैं या फिर पढ़ाई वहीं रोक देती हैं।

यूनिसेफ और शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक है। NFHS-5 के अनुसार उत्तराखंड में 10वीं के बाद लड़कियों की निरंतर शिक्षा में साफ़ गिरावट देखी जाती है और इसके पीछे प्रमुख कारण दूरी, सुरक्षा और विषयों की सीमित उपलब्धता है।

ऐसे माता-पिता हैं, जो अपनी बेटियों को घर से दूर पढ़ने के लिए भेजने में हिचकिचाते हैं। इसका कारण केवल दूरी नहीं, बल्कि सुरक्षा की चिंता भी है। ऐसे में कई लड़कियां चाहकर भी आगे पढ़ाई नहीं कर पातीं हैं। कई लड़कियों को दूर स्कूल तक जाने की अनुमति नहीं मिल पाती है। नतीजा यह होता है कि उनकी पढ़ाई रुक जाती है और वे सपने, जो उन्होंने अपने लिए देखे थे, अधूरे रह जाते हैं।

यूडीआईएसई प्लस के हालिया आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखंड के कई पहाड़ी जिलों में माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में विषयों की उपलब्धता सीमित है। विज्ञान जैसे विषयों के लिए प्रयोगशाला, प्रशिक्षित शिक्षक और संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो कई ग्रामीण विद्यालयों में नहीं हैं। इसी वजह से हर साल बड़ी संख्या में बच्चे या तो स्कूल बदलते हैं या पढ़ाई छोड़ देते हैं। विज्ञान में रुचि रखने वाले बच्चों विशेषकर लड़कियों के लिए गांव से दूर जाकर पढ़ना मुश्किल हो जाता है। इस स्कूल में 60 लड़के और 69 लड़कियां पढ़ती हैं, जिनमें से कई बच्चों को केवल विज्ञान विषय नहीं होने के कारण स्कूल छोड़ना पड़ता है। इसका असर स्कूल की संख्या और भविष्य दोनों पर पड़ता है।

आज का समय विज्ञान और तकनीक का है। हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वैज्ञानिक समझ और शिक्षा की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, लेकिन जब गांव के स्कूलों में ही इसकी बुनियाद न मिले, तो बच्चे शुरू से ही पीछे रह जाते हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा की नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता की भी है। क्या शिक्षा केवल किताबों तक सीमित है, या यह रास्तों, दूरी, संसाधनों और फैसलों से भी जुड़ी हुई है। अगर गांव के विद्यालयों में दसवीं के बाद विज्ञान विषय उपलब्ध कराया जाए, तो न केवल लड़कियों की पढ़ाई जारी रह सकती है, बल्कि उन्हें घर से दूर जाने की मजबूरी से भी राहत मिलेगी। वास्तव में, स्कूल भविष्य की उम्मीदें होते हैं, लेकिन यही उम्मीद केवल विषय नहीं होने के कारण टूट जाते है, जिसकी तरफ केवल विभाग ही नहीं बल्कि समाज को भी ध्यान देने की जरूरत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

रामटेक

वनवास के दौरान यहां रुके थे प्रभु राम

नागपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर रामटेक नामक प्रसिद्ध ऐतिहासिक और धार्मिक स्थान है, जो प्राचीन राम मंदिर और महाकवि कालिदास से जुड़ाव की वजह से मशहूर है। रामटेक स्थित पहाड़ी श्रृंखला को सिंधूरगिरि पर्वत भी कहा जाता है। मान्यता है कि प्रभु श्रीराम वनवास के दौरान यहां माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ रुके थे, इसका उल्लेख वाल्मीकि रामायण और पद्मपुराण में मिलता है। यहीं पर अगस्त्य ऋषि का आश्रम था। मान्यता यह भी है कि महर्षि अगस्त्य द्वारा यहीं पर प्रभु श्रीराम को ब्रह्मास्त्र दिया गया था। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार प्रभु श्रीराम ने यहीं पर राक्षसों का संहार करने की प्रतिज्ञा ली थी, जिसका वर्णन रामचरित मानस में मिलता है। वैसे भी टेक का अर्थ प्रतिज्ञा होता है।

अजय त्रिवेदी
उप निदेशक युवा कल्याण

श्रीराम ने यहीं पर ली राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा

जब श्रीराम ने इस स्थान पर हर कहीं हड्डियों के ढेर देखे, तो उन्होंने इस बारे में ऋषि अगत्स्य से प्रश्न किया। इस पर उन्होंने बताया कि यह उन ऋषियों की हड्डियां हैं, जिनके यज्ञ और पूजा में राक्षस विध्न डालते थे। इसके बाद श्रीराम ने राक्षसों के संहार की प्रतिज्ञा ली। इसी स्थान पर ऋषि अगत्स्य द्वारा दिए गए ब्रह्मास्त्र से ही श्रीराम ने रावण का वध किया। इस मंदिर को लेकर कहानी है कि प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान इस स्थान पर चार महीने तक माता सीता और लक्ष्मण के साथ समय बिताया था। माता सीता ने यहीं पहली रसोई बनाई थी और स्थानीय ऋषियों को भोजन कराया था।

किले जैसा आभास देता है मंदिर

एक छोटी पहाड़ी पर बने रामटेक मंदिर को गढ़ मंदिर भी कहा जाता है। केवल पत्थरों से बने होने के कारण यह मंदिर किसी किले जैसा लगता है। यह पत्थर एक दूसरे के ऊपर रखे हुए हैं। इसका निर्माण 18 वीं शताब्दी में नागपुर के मराठा शासक राजा रघुजी भोंसले ने छिंदवाड़ा में देवगढ़ के दुर्ग पर विजय प्राप्ति के बाद किया था। मंदिर के पूरब की ओर सुरनदी बहती है। मंदिर परिसर में एक तालाब भी है, जिसे लेकर मान्यता है कि इसमें पानी कभी कम या ज्यादा नहीं होता है। हमेशा सामान्य जल स्तर रहता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी बिजली चमकती है, तो मंदिर के शिखर पर ज्योति प्रकाशित होती है, जिसमें भगवान राम का अक्स दिखाई देता है।

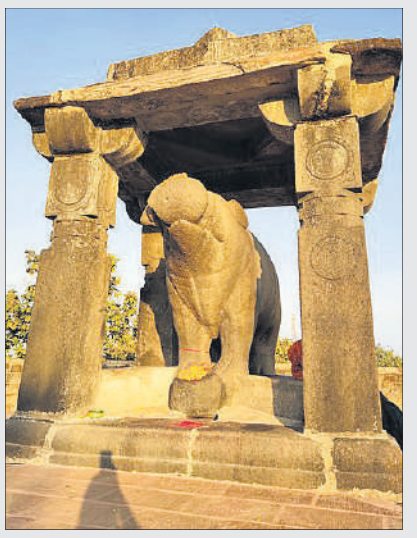

महाकवि कालिदास ने यहां पर लिखा मेघदूत

रामटेक में महाकवि कालिदास जी का एक भव्य दिव्य स्मारक भी मौजूद है। यहीं पर कालिदास द्वारा मेघदूत काव्य की रचना किए जाने का उल्लेख है। इस जगह को रामगिरि भी कहा जाता है। रामटेक में दिगंबर जैन मंदिर भी है, जिसका निर्माण 17 वीं शताब्दी के दौरान जैनियों के दिगंबर संप्रदाय द्वारा किया गया था, जो भगवान महावीर के अनुयायी थे। यह मंदिर जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण केंद्र और महाराष्ट्र के सबसे पुराने जैन मंदिरों में से एक है।

आर्ट गैलरी

जूली मेहरेतु की पेंटिंग सिक्स बार्डोज

जूली मेहरतु की कृति 'सिक्स बार्डोज: हिम (बिहाइंड द सन)' 2018 में निर्मित एक प्रभावशाली चित्र है, जो उनकी आध्यात्मिक और कलात्मक गहराई को दर्शाता है। यह कृति उनकी 'सिक्स बार्डोस' श्रृंखला का हिस्सा है, जो बौद्ध धर्म में जीवन और पुनर्जन्म के बीच की छह संक्रमणकालीन अवस्थाओं (Bardos) से प्रेरित है। मेहरतु ने इस श्रृंखला की प्रेरणा चीन की मोगाओ गुफाओं (Mogao Caves) की यात्रा के बाद ली थी। 'बार्डो थडोल' (तिब्बती बुक ऑफ द डेड) के दर्शन को आधार बनाकर, उन्होंने मानवीय चेतना के जटिल प्रवाह को कैनवास पर उतारा है। यह विशेष पेंटिंग 25-रंगों वाली एक्वाटिंट (aquatint) तकनीक से बनाई गई है, जो इसे रंगों और रेखाओं का एक जीवंत सागर बनाती है।

जूली के बारे में

जूली मेहरेतु का जन्म 1970 में अदीस अबाबा, इथियोपिया में हुआ था। 1970 के दशक के आखिर में, ओगाडेन युद्ध के कारण इथियोपिया में राजनीतिक उथल-पुथल हुई और 1977 में मेहरेतू मिशिगन चली गईं। हाई स्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद, उन्होंने कलामाजू कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की और बाद में रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। असल में कई महाद्वीपों और संस्कृतियों में उनके अनुभवों ने उन्हें सामाजिक और राजनीतिक स्थितियों का एक अनोखा नजरिया दिया है। वह कला, वास्तुकला और पिछली सभ्यताओं के इतिहास को परखती हैं और उन्हें प्रवासन, क्रांति, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक पूंजीवाद और प्रौद्योगिकी के मौजूदा विषयों के साथ मिलाती हैं। उनकी प्रेरणा के स्रोत गुफा चित्रों, कार्टोग्राफी, गणितीय डिजाइनों, एशियाई सुलेख, भित्ति चित्रों, वास्तुशिल्प प्रस्तुतियों और समाचार इमेजरी से आते हैं। कभी-कभी उनका काम इतना स्तरित होता है कि वे जीवाश्म स्थलाकृतियों जैसा दिखता है। वह वर्तमान में न्यूयॉर्क शहर में रहती हैं।

चौक पूरना : भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति

मानव स्वभाव से ही रचनात्मक रहा है। आदि काल से लेकर वर्तमान तक उसने अपने अनुभवों, अनुभूतियों और जीवन में घटने वाली घटनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए विविध रूपों का सृजन किया है। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और साधनों के माध्यम से मानव ने अपने भावों को आकार दिया और यही प्रक्रिया कला के प्रारंभिक स्वरूपों की जननी बनी। समय के साथ मानव ने न केवल भौतिक विकास किया, बल्कि अपनी कल्पनाओं, विश्वासों और आध्यात्मिक अनुभूतियों को भी कला के माध्यम से साकार किया। लोक कला इसी सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति का रूप है। *–फीचर डेस्क*

कोई भी कला लोक मानस से जन्म लेती है, उसी से पोषित होती है और समाज की सामूहिक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। लोक कला की विशेषता यह है कि इसमें कलाकार सीमित साधनों और सरल रेखाओं के माध्यम से भी प्रभावशाली एवं ओजपूर्ण चित्रांकन कर देता है। यह कला किसी औपचारिक प्रशिक्षण, विद्यालय या संस्थान की मोहताज नहीं होती, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी पारिवारिक परंपरा के रूप में आगे बढ़ती है। मां, दादी और नानी जैसे बुजुर्गों को बनाते देखकर अथवा उनसे सीखकर यह कला जीवन का अंग बन जाती है।

लोक कला का एक अत्यंत महत्वपूर्ण रूप 'चौक' है। चौक में स्वस्तिक, कलश, चरण, कमल, शंख, सूर्य, चंद्र, सप्त-कमल और अष्ट-कमल जैसे प्रतीकों का निर्माण किया जाता है, जिनका गहरा दार्शनिक और धार्मिक महत्व है। उदाहरणस्वरूप कलश को मानव शरीर का प्रतीक माना जाता है और उसमें भरा जल जीवन-रस का द्योतक है। यह लक्ष्मी का भी प्रतीक है और लगभग सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों में कलश-स्थापना अनिवार्य मानी जाती है। प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों में लोक कला के बीज रूप दिखाई देते हैं। सिंधु सभ्यता से प्राप्त मिट्टी के पात्रों और मुहरों पर अंकित चित्रों में भी लोक परंपरा की स्पष्ट झलक मिलती है। मौर्य काल में यक्ष-यक्षिणी की मूर्तियां, सातवाहन तथा उत्तरवर्ती कालखंडों में शिल्प और चित्रकला के माध्यम से लोक कला की निरंतरता दिखाई देती है। मध्यकालीन चित्रशैलियों- पाल, अपभ्रंश, राजस्थानी और पहाड़ी में भी लोक परंपरा का सशक्त स्वरूप देखने को मिलता है। आगे चलकर इसी परंपरा ने आधुनिक भारतीय चित्रकला को भी गहराई और दिशा प्रदान की। चौक को उसके उपयोग और उद्देश्य के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में बांटा जा सकता है। मांगलिक चौक विवाह, गृह प्रवेश, छठी, वर्षगांठ और जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों पर बनाए जाते हैं। विवाह के समय सगाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में आटे व हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, स्वच्छ कर पाटा पर कलश स्थापना हेतु चौक बनाया जाता है।

मांगलिक चौक

मांगलिक कार्य तिथि, माह, पक्ष, नक्षत्र और गणना के अनुसार किए जाते हैं। विवाह, गृह प्रवेश, वर्षगांठ, छठी आदि अवसरों पर चौक का निर्माण किया जाता है। विवाह में सगाई, तिलक, द्वार-पूजा और मंडप में सूखे आटे व हल्दी से चौक पूरने की परंपरा है। गृह प्रवेश या जन्मदिन के अवसर पर भूमि को गोबर से लीपकर, स्वच्छ कर पाटा पर कलश स्थापना हेतु अलंकरण किया जाता है, इसे ही मांगलिक चौक कहा जाता है।

संस्कार चौक

हिंदू धर्म में सोलह संस्कारों की परंपरा है और लगभग सभी संस्कारों में चौक का विधान मिलता है। जन्म के समय दीवारों पर शक्ति-देवताओं का अंकन किया जाता है। छठी के अवसर पर आटे का चौक पूरकर दीप प्रज्वलित किया जाता है। बरही में घर से द्वार तक पांच रेखाओं और मध्य में वृत्त का निर्माण किया जाता है। अन्नप्राशन, पाटी पूजन और उपनयन संस्कार में ओम, स्वस्तिक, श्री आदि प्रतीकों से युक्त चौक बनाए जाते हैं।

कल्याणकारी चौक

यह धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। देवी-देवताओं को आसन देने हेतु चौक का निर्माण किया जाता है। सत्यनारायण कथा, श्रीमद्भागवत कथा, अखंड रामायण पाठ, विशेष अनुष्ठानों में मूर्ति-स्थापना, कलश-स्थापना, नवग्रह पूजन, अखंड दीप प्रज्वलन और यज्ञ-वेदी सजाने हेतु चौक पूरना कल्याणकारी माना जाता है।

व्रत-त्योहार चौक

हिंदू धर्म में अनेक व्रत-त्योहारों पर चौक पूरने की परंपरा है। नवरात्रि, नाग पंचमी, रक्षाबंधन, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, दीपावली, गोवर्धन, भैया दूज, छठ, देवोत्थान एकादशी, दशहरा, होली आदि अवसरों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के चौक बनाए जाते हैं। ये आटा, हल्दी, रोली, गेरू, गोबर आदि से निर्मित होते हैं और जन-आस्था तथा सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करते हैं। चौक में गेरू, खड़िया, हल्दी, पीली मिट्टी, गोबर और रोली जैसी स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। इनसे निर्मित रूप केवल सजावटी नहीं होते, बल्कि लोगों की आस्था, विश्वास और धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं। आज के समय में कला के अनेक आधुनिक रूप देखने को मिलते हैं, किंतु लोक कला आज भी अपनी सादगी, आत्मीयता और सर्वग्राह्यता के कारण समाज के हर वर्ग को समान रूप से आनंदित करती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वपोषित और आत्मनिर्भर स्वरूप है। यह जनसामान्य से जुड़ी रही है, इसलिए इसे न तो राजाश्रय की आवश्यकता पड़ी और न ही प्रबुद्ध वर्ग के संरक्षण की।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,524.84	26,177.15
गिरावट/बढ़त	42.64	4.75
प्रतिशत में	0.05	0.02

सोना 1,40,850 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,17,250 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, बुधवार, 24 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3100, मसूरी- 980, बासमती- 5200, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 3000, साबुत चना दाल- 2800, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8000-12300, दाल उड़द- 6200, साबुत मसूर दाल- 3400, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5300, काबुली चना- 8200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1200

एफटीए से निर्यात क्षेत्र में आएगी विविधता

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए : समझौते से भारत को द्वीपीय राष्ट्र के बाजारों में बिना शुल्क के मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निर्यात में विविधता लाने और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में मदद करेगा। समझौते पर बातचीत संपन्न होने की घोषणा 22 दिसंबर को की गई। इस पर अगले साल हस्ताक्षर होने के बाद इसके लागू होने की संभावना है। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है जिससे भारत को द्वीपीय राष्ट्र के बाजारों में बिना किसी शुल्क के प्रवेश मिलेगा। साथ ही 15 वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा और अगले पांच वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए एफटीए सिले-बुने वस्त्रों, फैशन परिधान, होम टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल और मानव निर्मित फाइबर उत्पादों सहित उत्पादों की श्रृंखला के लिए बाजार विविधीकरण के रास्ते खोलता है। यह समझौता वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा और रोजगार सृजन में सहायता करते हुए एमएसएमई, कारीगरों, श्रमिकों तथा महिलाओं के लिए स्थायी अवसर उत्पन्न करेगा।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि एफटीए लागू होने पर यह भारत निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसमें सभी प्रकार के उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा। इससे न्यूजीलैंड के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों को खासा बढ़ावा मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा कि न्यूजीलैंड द्वारा विशेष रूप से दुग्ध, कृषि और बुनियादी ढांचे में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता से भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि एफटीए से भारत-न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों का लाभ मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि व्यापार की मात्रा मामूली है। न्यूजीलैंड वर्तमान में लागू 'एमएफएन' शुल्क पर भी भारत को दुग्ध तथा उत्पादों का निर्यात बढ़ा सकता है जबकि भारत, न्यूजीलैंड को दवा, वस्त्र तथा आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। न्यूजीलैंड भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए शिक्षा, पर्यटन तथा विमानन प्रशिक्षण सेवाओं को बढ़ाकर भी विविधता ला सकता है।

• 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का निवेश और 5 वर्ष में व्यापार दोगुना करने में मिलेगी मदद

भारत ने सेब, कीवी, शहद पर शुल्क रियायतें कृषि से जोड़ी

नई दिल्ली। भारत ने एफटीए के तहत न्यूजीलैंड को सेब, कीवी और मनुका शहद पर दी जाने वाली कोटा-आधारित शुल्क रियायतों को कृषि उत्पादकता वाली कार्ययोजनाओं से जोड़ दिया है, जिनकी निगरानी संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद (जेएपीसी) करेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि यह व्यवस्था बाजार पहुंच और घरेलू कृषि के संवेदनशील क्षेत्रों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद क्षेत्रों की उत्पादकता, गुणवत्ता और क्षमताओं में सुधार के लिए लक्षित कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। इस सहयोग के दायरे में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, बेहतर रोपण सामग्री की उपलब्धता, किसानों की क्षमता वृद्धि, बागवानी प्रबंधन में तकनीकी सहायता, कटाई के बाद की प्रक्रियाएं, आपूर्ति श्रृंखला और खाद्य सुरक्षा से जुड़े उपाय शामिल हैं।

बड़ा सोचें और बड़े की चाहत रखें : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सरकार की तरफ से मदद का पूरा आश्वासन देते हुए उनसे बड़ा सोचना और बड़े की चाहत रखने की अपील की है। गोयल ने एमएसएमई संगठन ''सीआईएमएसएमई'' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के भावी विकास का निर्णय एमएसएमई की मजबूती के आधार पर तय होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र के उद्यमों के लिए दुनिया के विकसित देशों के बड़ बाजारों के दरवाजे खोल रही है। उन्होंने संगठन से अपने सदस्यों की इस प्रकार मदद करने की अपील की जिससे सूक्ष्म उद्यम लघु उद्यम बने सकें, लघु उद्यम मझौले और मझौले उद्यम बड़े बन सकें। बड़ा सोचें, बड़े की चाहत रखें। न्यूजीलैंड के साथ सोमवार को संपन्न मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इससे सबसे ज्यादा फायदा एमएसएमई सेक्टर को होगा। पिछली सरकारों और मौजूदा सरकारों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बैंक बड़े उद्यमियों को सस्ता कर्ज देते थे और बड़े ऋण की वसूली में भी दिक्कत आती थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हर साल 80 हजार करोड़ रुपये का संयुक्त नुकसान हो रहा था।

• गोयल ने सीआईएमएसएमई के कार्यक्रम में एमएसएमई को दिया सरकारी मदद का भरोसा

एआई से बनी सामग्री की पहचान से जुड़े नियम जल्द होंगे जारी : आईटी सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से तैयार सामग्री के अनिवार्य चिह्नांकन से जुड़े प्रस्तावित नियमों पर उद्योग के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी कर ली है और इससे संबंधित नियम जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने दी।

कृष्णन ने कहा कि उद्योग ने इस मुद्दे पर 'काफी जिम्मेदाराना' रुख अपनाया है और एआई-जनित सामग्री की पहचान (लेबलिंग) अनिवार्य करने से जुड़ी दलीलों को समझता है। इस प्रस्ताव को लेकर उद्योग की ओर से कोई गंभीर विरोध सामने नहीं आया है। उद्योग ने इस पर स्पष्टता की मांग की है कि एआई से किए गए किस स्तर के बदलाव को महत्वपूर्ण या सारभूत संशोधन माना जाए और किन तकनीकी सुधारों को सामान्य गुणवत्ता बढ़ाने वाले बदलावों के रूप में देखा जाए। उन्होंने कहा कि हम इन सुझावों के आधार पर सरकार के भीतर अन्य मंत्रालयों से परामर्श कर रहे हैं कि किन बदलावों को स्वीकार किया जाए, कहां संशोधन किया जाए और किन बिंदुओं पर नियमों में सूक्ष्म बदलाव की जरूरत है। यह प्रक्रिया अभी चल रही है और मुझे लगता है कि नए नियम बहुत जल्द सामने आएंगे।

उद्योग की प्रतिक्रियाओं पर कृष्णन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे इसके खिलाफ हैं। सरकार न तो कंपनियों से किसी तरह का पंजीकरण कराने को कह रही है, न किसी तीसरे पक्ष की मंजूरी अनिवार्य कर रही है और न ही किसी प्रकार का प्रतिबंध लगा रही है। उद्योग से केवल यही कहा जा रहा है कि एआई से तैयार सामग्री को चिह्नित किया जाए। कृष्णन ने कहा कि एआई के जरिये किया छोटा-सा बदलाव भी उसका अर्थ बदल सकता है जबकि मोबाइल फोन कैमरे से होने वाले सुधार जैसे कुछ तकनीकी सुधार केवल गुणवत्ता बढ़ाते हैं और तथ्यों को नहीं बदलते।

• कृष्णन बोले- प्रस्ताव को लेकर उद्योग जगत ने गंभीर विरोध नहीं जताया

आर्थिक वृद्धि की मजबूती को घरेलू मांग जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आगामी केंद्रीय बजट में लक्षित राजकोषीय समर्थन के जरिये मजबूत घरेलू मांग को सहारा देकर आर्थिक वृद्धि को मजबूती दी जा सकती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विकास-उन्मुख मौद्रिक नीति के अनुरूप होगा। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई।

वैश्विक परामर्श फर्म ईवाई की रिपोर्ट कहती है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान आयकर और जीएसटी दरों में कटौती होने से राजस्व में कुछ नुकसान हो सकता है। गैर-कर राजस्व से अतिरिक्त प्राप्तियां और राजस्व व्यय में संभावित कटौती से सरकार के लिए राजकोषीय घाटे एवं पूंजीगत व्यय के लक्ष्यों को पूरा करना संभव हो सकता है। ईवाई ने कहा कि हाल में राजस्व बढ़ाने से जुड़े दो उपाय भी घोषित किए गए हैं, जिनमें तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जन स्वास्थ्य उपकर शामिल हैं।

संसद ने हाल ही में तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर उपकर लगाने से संबंधित दो विधेयकों को पारित किया है। ये कानून अधिसूचित तिथि से लागू होंगे। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव ने कहा कि आगे चलकर भारत को वृद्धि के समर्थन के लिए अपनी जुझारू घरेलू मांग पर निर्भर रहना पड़ सकता है। आरबीआई की विकास-उन्मुख नीति के साथ वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट से भी पूरक वृद्धि प्रोत्साहन की उम्मीद की जा सकती है। 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट संसद में एक फरवरी, 2026 को पेश किया जाना प्रस्तावित है।

• ईवाई के अनुसार, आयकर व जीएसटी दरों में कटौती से राजस्व में होगा कुछ नुकसान

प्रतिकूल परिस्थितियों से जीडीपी में निर्यात का योगदान नकारात्मक होने की आशंका

ईवाई इकॉनमी वॉच रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में शुद्ध निर्यात का योगदान नकारात्मक बने रहने की आशंका है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध निर्यात का योगदान (-) 2.1 प्रतिशत अंक रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में (-) 1.4 प्रतिशत अंक था। व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं कम होने तक यह प्रभाव बना रह सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के मध्यम अवधि में मजबूत वृद्धि बनाए रखने और औसतन 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने का अनुमान है। घरेलू निजी निवेश में तेजी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी बाधाओं के कम होने से वृद्धि को और समर्थन मिल सकता है। भारत ने चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में क्रमश : 7.8 प्रतिशत एवं 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जो 2024-25 में 6.5 प्रतिशत थी।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के खिलाफ भगवा झंडे लेकर लगाए नारे

• उच्चायोग के पास से अवरोधक हटाने के बाद प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई झड़प

• 15,000 पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बल की अतिरिक्त टुकड़ियां रहीं तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या के खिलाफ भगवा झंडे लिए और नारे लगाते हुए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश उच्चायोग के पास अवरोधक हटा दिया, जिसके बाद उनकी पुलिस से झड़प हुई। जब पुलिस भीड़ काबू करने की कोशिश कर रही थी तो लोगों ने कई अवरोधक हटा दिए।

पड़ोसी देश में हिंदू व्यक्ति की हत्या के खिलाफ हिंदू संगठनों के घोषित प्रदर्शन से पहले सुबह उच्च सुरक्षा वाले इलाके में पुलिस तैनात थी। इलाके में सात स्तर पर अवरोधक लगाए गए और पुलिस तथा अर्धसैनिक बल की अतिरिक्त टुकड़ियों को तैनात किया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन से पहले 15,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग से 800 मीटर दूर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग तक पहुंचने से रोकने के लिए डीटीसी की बसों को अवरोध के तौर पर खड़ा किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारी बैनर और तख्तियां लहरा रहे, जिन पर बांग्लादेश के खिलाफ निंदा भरे संदेश लिखे थे। बांग्लादेश में 18 दिसंबर को कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले 25 वर्षीय दीपू चंद्र दास को मैमनसिंह के बालुका में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला और उसके शव को आग लगा दी।

प्रदर्शनकारी ने कहा कि हिंदू आदमी पर हमला कर बेरहमी से मार डाला गया। हम अपनी सरकार से अनुरोध करते हैं कि इस हत्या के पीछे जो लोग हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विहिप और बजरंग दल का हर कार्यकर्ता बांग्लादेश में हिंदू परिवारों के समर्थन में खड़ा है। हम सभी रुकावटों को पार करेंगे और बांग्लादेश उच्चायोग के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह आंदोलन एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारी सुमित कश्यप ने हिंदू एकता का आह्वान किया। सतीश गुप्ता ने कहा कि वे आतंकवादी मानसिकता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस दौरान प्रदर्शनकारी हनुमान चालीसा का पाठ करते और धार्मिक नारे लगाते दिखे। पुलिस ने उनसे बार-बार शांति बनाए रखने और अवरोधक तोड़ने की कोशिश न करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों के पुलिस घेरे को तोड़ने की कोशिश करने पर झड़पें हुईं। विविहिप नेता ने कहा कि विहिप और बजरंग दल का हर एक कार्यकर्ता शांति से विरोध कर रहा है। हम सरकार द्वारा दिए गए अनुमति के नियमों का पालन करेंगे। विहिप या बजरंग दल का एक भी कार्यकर्ता सरकार की अनुमति का उल्लंघन नहीं करेगा।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन करते विहिप और बजरंग दल के कार्यकताओं को रोकती पुलिस।

कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग की ओर निकाला मार्च

कोलकाता। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर कथित हमले के विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने मंगलवार दोपहर को बांग्लादेश के उप उच्चायोग की ओर मार्च करने की कोशिश की और जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो उनकी पुलिस से झड़प हुई। कोलकाता के बेकबागन स्थित बांग्लादेश उप उच्चायोग कार्यालय के करीब पहुंचने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने कई बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के मुताबिक, 12 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। झड़प में प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं। कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश उप उच्चायोग के सामने स्थिति नियंत्रण में है। वहां अवैध रूप से इकट्ठा होने की कोशिश करने वालों को हटाया गया है। विदेशी राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और परिसर के घेराव के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उप उच्चायोग कार्यालय के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। हिंदू हुंकार पदयात्रा शीर्षक से विरोध मार्च का आयोजन बोंगियो हिंदू जागरण के बैनर तले किया गया। बांग्लादेश के खिलाफ नारे लगाते और भगवा झंडे थामे प्रदर्शनकारियों ने मार्च में हिस्सा लिया।

परिवार और कांग्रेस नेताओं को राहुल पर भरोसा नहीं : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में दिए बयानों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी धरती पर भारत के खिलाफ बयानबाजी की और देश को बदनाम किया क्योंकि वह इस बात से परेशान हैं कि पार्टी के उनके साथी और यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी उनपर कोई विश्वास नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि गांधी जनता का विश्वास खो चुके हैं और यह जगजाहिर है कि उनके नेतृत्व में 95% चुनावों में पार्टी को हार मिली है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करने वाले संविधान को खत्म करने के प्रयास कर रही है और विपक्ष भाजपा को सत्ता से हटाकर रहेगा। गांधी ने पिछले सप्ताह बर्लिन में हर्टी स्कूल में भाजपा पर देश के संस्थानों पर पूर्ण रूप से हमला करने और उनपर कब्जा करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता को बरकरार रखने के लिए संस्थानों पर कब्जा करने पर तुली हुई है जबकि विपक्ष इसके खिलाफ संघर्ष कर रहा है। सोमवार को जारी वीडियो में गांधी ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा और जटिल लोकतंत्र वैश्विक संपत्ति है, और भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली पर हमला वैश्विक लोकतांत्रिक प्रणाली पर भी हमला है।

• जर्मनी के बर्लिन में दिए बयानों के लिए कांग्रेस नेता पर निशाना साधा

हाईकोर्ट का एसआईटी जांच में दखल से इन्कार

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 दिसंबर को सॉल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई गड़बड़ी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के काम में इस स्तर पर दखल देने से इन्कार कर दिया। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि मामले में जांच और पूछताछ शुरुआती चरण में है और उसके सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया जिससे यह साबित हो सके कि जांच या पूछताछ में कोई गड़बड़ी है।

तीन जनहित याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं ने घटना की जांच सीबीआई को सौंपने के साथ दर्शकों को टिकट के पैसे वापस करने का अनुरोध किया था। दर्शकों का एक वर्ग अपने पसंदीदा खिलाड़ी को न देख पाने से नाराज होकर उपद्रव करने लगा था। मैदान पर अव्यवस्थित हालात और कुछ लोगों द्वारा मेस्सी के आसपास धक्का-मुक्की किए जाने के कारण कार्यक्रम को समय से पहले समाप्त करना पड़ा, जिससे स्टैंड में बैठे दर्शक नाराज हो गए। इस मामले में अंतरिम राहत की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि इस स्तर पर वह दखल देने और जांच पर रोक लगाने की इच्छुक नहीं है।

खंडपीठ में न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन भी शामिल हैं। खंडपीठ ने यह भी कहा कि हम इस चरण में जांच में दखल नहीं देना चाहते। तीन जनहित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई खत्म होने के बाद पीठ ने कहा कि यह आम बात है कि सिर्फ कहने पर या सिर्फ इसलिए कि किसी पार्टी ने आरोप लगाए हैं, जांच को सीबीआई या किसी दूसरी एजेंसी को स्थानांतरित करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

मेसी के कार्यक्रम में गड़बड़ी

• कहा- जांच व पूछताछ शुरुआती चरण में, गड़बड़ी के सबूत नहीं

हरियाणा में धुएं से दम घुटने से पांच की मौत

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में होटल के कमरे में कोयले की अंगीठी से निकले धुएं से कमरे में सो रहे उत्तर प्रदेश के चार मजदूरों और एक ठेकेदार की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पांच लोगों को सुबह एक बंद कमरे में मृत पाया गया। कमरे में जल रही अंगीठी से निकले धुएं से दम घुटने से उनकी मौत हुई।

कुरुक्षेत्र के थाना प्रभारी दिनेश राणा के अनुसार, मारे गए लोग सहारनपुर से थे और जिला जेल के पास स्थित होटल में पेंटिंग के लिए कुरुक्षेत्र आए थे। मंगलवार सुबह देर तक कमरा बंद रहने पर होटल के कर्मचारियों ने उन्हें जगाने की कोशिश की, कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर मामले की सूचना होटल प्रबंधक और पुलिस को दी गई। कमरा खोलने पर सभी पांचों व्यक्ति बेहोश पाए गए और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। राणा ने बताया कि बंद कमरे के अंदर कोयले की अंगीठी मिली है और प्रारंभिक आकलन से जहरीली गैस में सांस लेने से मौत की आशंका जताई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में हवा जानलेवा, एक्यूआई 400 पार

• 40 निगरानी स्टेशन में से 27 पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज

• घने कोहरे के कारण दृश्यता में आई काफी कमी, वाहनों के पहिए थमे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में मंगलवार की शुरुआत दम घोंटू हवा से हुई और पूरे शहर में घना कोहरा तथा धुंध छायी रही। शहर में 27 निगरानी स्टेशन पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 (गंभीर श्रेणी) के पार रहा तथा कई अन्य स्थानों पर यह 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार को एक्यूआई 415 रिकॉर्ड किया गया, जो एक दिन पहले की 'बहुत खराब' श्रेणी से भी नीचे चला गया। 40 निगरानी स्टेशन में से 27 ने 400 से अधिक एक्यूआई के साथ गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज की। इस स्तर की वायु गुणवत्ता के स्वास्थ्य पर गंभीर असर होते हैं। सीपीसीबी के समीर एप के अनुसार, पांच स्टेशन पर एक्यूआई 450 से अधिक के साथ 'बहुत गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 470, नेहरू नगर में 463, ओखला में 459, मुंडका में 459 और सिरीफोर्ट में 450 दर्ज किया गया। इस बीच घने कोहरे की वजह से दृश्यता में काफी कमी आई। जिससे वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए। पालम में सुबह आठ बजे घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई, जबकि हवा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से पांच किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी।

दिल्ली हवाईअड्डे पर 10 उड़ानें रद्द, 270 से अधिक में देरी

नई दिल्ली। घने कोहरे और कम दृश्यता से मंगलवार को दिल्ली हवाईअड्डे पर 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि 270 से अधिक में देरी हुई। एक अधिकारी ने बताया कि दिन के दौरान छह आगमन और चार प्रस्थान उड़ानें रद्द की गई हैं। उड़ानों के परिचालन पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24.कॉम के अनुसार, 270 से अधिक उड़ानों में देरी दर्ज की गई और प्रस्थान उड़ानों का औसत विलंब समय 29 मिनट रहा। दिल्ली हवाईअड्डे के संचालक दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (डायल) ने एक्स पर कहा कि हवाईअड्डे पर दृश्यता में सुधार हो रहा है, हालांकि कुछ गंतव्यों के लिए उड़ानों के प्रस्थान में देरी हो सकती है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन लगभग 1,300 उड़ानों का संचालन करता है।

क्रिसमस

शिमला में मंगलवार को क्रिसमस उत्सव से पहले रिज पर लगाए गए क्रिसमस ट्री के पास टहल हुए पर्यटक।

24 वैज्ञानिकों को मिले 4 श्रेणी में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- मरणोपरांत जयंत नार्लीकर को दिया गया विज्ञान रत्न

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को प्रख्यात खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नार्लीकर को ब्रह्मांड विज्ञान में उनके योगदान तथा विज्ञान को लोकप्रिय बनाने को लेकर मरणोपरांत विजयन रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह पुरस्कार पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी केंद्र के निदेशक आर श्रीआनंद ने ग्रहण किया। नार्लीकर ने इस केंद्र की स्थापना की थी। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार भी प्रदान किया।

सुरहुद श्रीकांत मोरे को युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार देतीं राष्ट्रपति मुर्मू।

दूसरे राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार में, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को चार श्रेणियों - विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम में 24 पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवोन्मेषकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या टीम में किए गए उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायक योगदान को मान्यता देना है। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के भौतिकी समूह के निदेशक यूसुफ मोहम्मद शेख को विज्ञान श्री, कोशकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र के के. थंगराज ने जीव विज्ञान के क्षेत्र में यह पुरस्कार जीता। आईआईटी-मद्रास के प्रदीप थलप्पिल ने रसायन विज्ञान के क्षेत्र में विज्ञान श्री पुरस्कार प्राप्त किया है। रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित को अभियांत्रिकी विज्ञान के क्षेत्र में विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जन भागीदारी ही सुरक्षा की आधारशिला : मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सामुदायिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और लोगों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए क्योंकि जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। खुफिया ब्यूरो (आईबी) के कार्यक्रम में मुर्मू ने कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया को बदल दिया है तथा इसमें सृजन और विनाश दोनों की क्षमता है। मुर्मू ने कहा कि लोगों को गलत सूचनाओं से बचाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कार्य को निरंतर और अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित में तथ्यों पर आधारित जानकारी को लगातार प्रस्तुत करने वाले सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने की आवश्यकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस का यूक्रेन पर 650 ड्रोन और मिसाइलों से हमला, तीन की मौत

कीव। रूस ने सोमवार रात यूक्रेन पर 650 से अधिक ड्रोन और तीन दर्जन मिसाइलें दागीं। यह व्यापक हमला रात में शुरू हुआ और मंगलवार को दिन तक जारी रहा। इस हमले में चार वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी ने यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया, जिससे भीषण सर्दी में व्यापक स्तर पर बिजली गुल हो गई।जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर आक्रमण जारी रखने का इरादा जाहिर हो गया है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों का दावा है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है।

गोवा अग्निकांड का सह-आरोपी के खिलाफ जालसाजी का केस

पणजी। गोवा पुलिस ने ओरपोरा के नाइटक्लब में आग लगने के मामले में आरोपी अजय गुप्ता के खिलाफ मंगलवार को कथित जालसाजी का मामला दर्ज किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बर्च बाई रोमियो लेन के सह-मालिक गुप्ता ने नाइटक्लब के संचालन के लिए व्यापार लाइसेंस हासिल करने के वास्ते स्वास्थ्य विभाग के फर्जी प्रमाण पत्र का कथित तौर पर इस्तेमाल किया था, जिसके चलते उत्तरी गोवा जिले के मापुसा पुलिस थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुप्ता फिलहाल अंजुना पुलिस की हिरासत में है।

नशीले पदार्थों के वांछित तस्कर को यूएई से भारत लाया गया

नई दिल्ली। इंटरपोल के रेड नोटिस का सामना कर रहे नशीले पदार्थों के एक तस्कर को मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से समन्वित तरीके से चलाया गया। मादक पदार्थों की तस्करी और आपूर्ति के आरोप में दिल्ली पुलिस को वांछित ऋतिक बजाज देश से फरार हो गया था जिसके बाद सीबीआई के अनुरोध पर इंटरपोल ने नौ अक्टूबर को रेड नोटिस जारी किया था। रेड नोटिस ने वैश्विक कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों को सतर्क कर दिया और राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) बैंकॉक ने सीबीआई को सूचित किया कि बजाज यूएई की ओर जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका के लिए 45 करोड़ डॉलर की मदद का किया एलान

विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी का पत्र राष्ट्रपति दिसानायके को सौंपा

- चक्रवात से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए पैकेज का दिया प्रस्ताव

कोलंबो, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़ा रहने पर गर्व है और उसने द्वीप देश को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज के प्रस्ताव एलान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका आए जयशंकर ने ये टिप्पणियां श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरात की मौजूदगी में कीं। उन्होंने मोदी का एक पत्र राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को भी सौंपा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़े रहने पर भारत को गर्व है। श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा, श्रीलंका 2022 के आर्थिक संकट से उबर ही रहा था कि तभी इस प्राकृतिक आपदा ने नयी कठिनाइयां पैदा कर दी हैं।

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि हम श्रीलंका सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर उनसे बातचीत करें। उस संदर्भ में हमने जिस सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है उसकी राशि 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, पैकेज में 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रियायती ऋण और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता शामिल होगी। उन्होंने कहा, श्रीलंका सरकार के साथ परामर्श करके इस पैकेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि नुकसान के पैमाने को देखते हुए भारत का श्रीलंका की मदद के लिए आगे आना स्वाभाविक है। 'दित्वा' के श्रीलंका पहुंचने के पहले ही दिन भारत का 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू हो गया था।

श्रीलंका समकक्ष से हाथ मिलाते विदेश मंत्री जयशंकर।

इन प्रभावित क्षेत्रों को करेगी कवर

- **पहला क्षेत्र** : सड़क, रेल और पुल संपर्क की पुन: बहाली
- **दूसरा क्षेत्र** : जो घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं और जिन्हें आंशिक नुकसान हुआ है, उनके निर्माण में मदद करना।
- **तीसरा क्षेत्र** : स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों के लिए सहयोग, खासकर वे जो चक्रवात से क्षतिग्रस्त हुई हैं।
- **चौथा क्षेत्र** : कृषि क्षेत्र, जिसमें अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय।
- **पांचवां क्षेत्र** : बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में काम करना।

भारत की ओर से मदद के लिए हेलीकॉप्टर किए गए थे तैनात

उन्होंने कहा, हमारे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि कोलंबो में मौजूद थे और उन्होंने राहत सामग्री पहुंचाई, जिसके बाद हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के कई 'एमआई-17' हेलीकॉप्टर ने श्रीलंका में दो सप्ताह से अधिक समय तक मदद पहुंचाई जबकि 80 सदस्यीय राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने बचाव और राहत कार्य किया। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत कुल मिलाकर 1,100 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई गई, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, आवश्यक वस्त्र और जल शोधन किट शामिल थीं।

श्रीलंका में भारतीय पर्यटन को किया जाएगा प्रोत्साहित : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा, सेना के इंजीनियरों ने किलिनोच्ची में सी-17 विमानों से लाए गए बेली पुल का निर्माण किया। चिल्लाल में एक और बेली पुल का निर्माण फिलहाल जारी है। जयशंकर ने श्रीलंका की सहायता के अन्य तरीकों का जिक्र करते हुए कहा कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर काफी निर्भर है, इसलिए भारत श्रीलंका में भारतीय पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा। विदेश मंत्री ने कहा, इसी तरह, भारत से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि इस महत्वपूर्ण समय में आपकी अर्थव्यवस्था को बल दे सकती है। हमने अतीत में श्रीलंका का मजबूत संकल्प देखा है। भारत पहले से कहीं अधिक दृढ़ता से श्रीलंका के साथ खड़ा है।

अमेरिकी सांसदों ने की बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की हत्या की निंदा

- बांग्लादेशी से जवाबदेही तय करने, अल्पसंख्यकों की रक्षा और कानून की बहाल का आह्वान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सांसदों ने बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर की गई हत्या की निंदा की और अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून के शासन को बहाल करने का आह्वान किया है।

कांग्रेस सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बढ़ती अस्थिरता और अशांति के बीच दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या की कड़ी निंदा की। इलिनॉय से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कृष्णमूर्ति ने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही सुनिश्चित करने, धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और कानून का शासन बहाल करने का आह्वान किया। कृष्णमूर्ति ने रविवार को एक बयान में कहा, बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा की गई हत्या से मैं स्तब्ध हूं- यह हिंसा का एक ऐसा कृत्य है जो खतरनाक अस्थिरता और अशांति के दौर में हुआ है।

उन्होंने कहा, अधिकारियों ने गिरफ्तारियों की सूचना दी है, लेकिन बांग्लादेश सरकार को पूरी तरह से पारदर्शी जांच करनी चाहिए और सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। उसे हिंदू समुदायों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई भी करनी चाहिए। सभी बांग्लादेशियों के हित में, इस अशांति का अंत होना चाहिए और कानून का शासन कायम होना चाहिए।

न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा से वह बेहद परेशान हैं, जिसका सबसे हालिया उदाहरण दास की निर्मम हत्या है। उन्होंने कहा, भीड़ ने उन्हें पीटा, आग लगा दी और उनके शव को राजमार्ग पर छोड़ दिया। इस जघन्य अपराध के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। राजकुमार ने कहा कि यह घटना बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ धार्मिक उत्पीड़न और लक्षित हिंसा की 'चिंताजनक' प्रवृत्ति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद' के अनुसार अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,442 घटनाएं हुईं और 150 से अधिक मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

बांग्लादेश में हिंसा पर गुतारेस ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की हत्या और हिंसा की अन्य घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हां, बांग्लादेश में हमने जो हिंसा देखी है उससे हम बहुत चिंतित हैं। डेली स्टार ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों के हवाले से बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ अब तक हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में 12 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने कहा है कि वह विरोध प्रदर्शनों के नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या से बेहद चिंतित हैं।

बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

ढाका। भारत में बांग्लादेशी दूतावासों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को लेकर बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। बांग्लादेश के विदेश सचिव असद आलम सियाम ने भारत के उच्चायुक्त को तलब किया और उस समय उप उच्चायुक्त मौजूद थे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्मा को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और आवास के बाहर हुई घटनाओं और सिलीगुड़ी में वीजा केंद्र में चरमपंथियों द्वारा की तोड़फोड़ पर ढाका की गंभीर चिंता से अवगत कराया गया। बांग्लादेश ने भारत में बांग्लादेश के विभिन्न दूतावासों के परिसरों के बाहर आयोजित हिंसक प्रदर्शनों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बांग्लादेश राजनयिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ की गई हिंसा या धमकी के कृत्यों की निंदा करता है, जो न केवल दूतावास के कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, बल्कि आपसी सम्मान के सिद्धांतों और शांति एवं सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करते हैं।

गैर निर्धारित स्थानों पर कुत्तों को खाना देने से रोकना गलत नहीं

मुंबई, एजेंसी

- बंबई हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी

बंबई हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को गैर-निर्धारित स्थानों पर आवारा कुत्तों को भोजन कराने से रोकने को गलत तरीके से रोकना या बाधा डालना नहीं कहा जा सकता।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ ने महिला और उसके दोस्तों को आवासीय सोसाइटी के गेट पर कुत्तों को भोजन कराने से रोकने के आरोप में पुणे के 42 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को गैर-निर्धारित स्थानों पर आवारा कुत्तों को गलत तरीके से खाना खिलाने से रोकने को भारतीय न्याय संहिता के तहत रोकने के के अर्थ में नहीं कहा जा सकता। फैसला 18 दिसंबर को सुनाया गया, जिसकी एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध करायी गई। फैसले में कहा गया है कि अगर किसी को फुटपाथ, हाउसिंग सोसाइटी के प्रवेश-निकास स्थल या स्कूल बस स्टॉप पर कुत्तों को खाना खिलाने से रोका जाता है, तो इसे स्वेच्छा से बाधा डालना या गलत तरीके से रोकना नहीं कहा जा सकता।

अगस्तावेस्टलैंड में मिशेल की जमानत शर्तों में हुआ संशोधन

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने मंगलवार को अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन जेम्स मिशेल की जमानत की शर्तों में संशोधन किया।

विशेष सीबीआई न्यायाधीश संजय जिंदल ने जमानत बॉण्ड व पासपोर्ट जमा करने की शर्तों से संबंधित संशोधनों का आग्रह करने वाली मिशेल की याचिका पर आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के सात साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, कार्यवाही प्रारंभिक चरण में है।

आम चुनाव को अनुकूल माहौल बनाएंगे कार्की, ओली और देउबा

काठमांडू, एजेंसी

- सितंबर के आंदोलन से ओली सरकार सत्ता से हटी और कार्यवाहक सरकार का हुआ था गठन

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, पूर्व प्रधानमंत्रियों और तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' ने पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का मंगलवार को संकल्प लिया। 8-9 सितंबर के आंदोलन के बाद ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार सत्ता से हट गई थी और कार्यवाहक सरकार का गठन हुआ था।

सरकार गठन के बाद शीर्ष राजनीतिक नेताओं और प्रधानमंत्री कार्की के बीच यह पहली बैठक थी। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की पहल पर आयोजित संयुक्त बैठक में हिमालयी देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और आगामी आम चुनाव पर चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री कार्की, पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष देउबा, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री ओली तथा पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के समन्वयक 'प्रचंड' उपस्थित थे। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के अनुसार, शीर्ष नेताओं ने आम चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने पर सहमति जताई।

शहबाज ने की पीटीआई से बातचीत की पेशकश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में जारी राजनीतिक तनाव कम करने के लिए इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को मंगलवार को बातचीत की पेशकश की। यह पेशकश पीटीआई संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 17-17 साल की जेल की सजा सुनाए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। शहबाज ने इस्लामाबाद में संघीय कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इन दिनों पीटीआई और उसके सहयोगी बातचीत की संभावनाओं के बारे में चर्चा कर रहे हैं। मैंने नेशनल असेंबली में बार-बार कहा है कि पीटीआई बातचीत को लेकर संजीदा है, तो सरकार भी समान रूप से तैयार है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13 .11 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

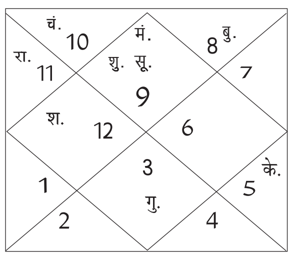

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- श्रवण 07 .07 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज आपको नौकरी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। उच्चाधिकारी आपका अत्यधिक सहयोग करेंगे। कोई गंभीर समस्या दूर होने की संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। परिवार में उत्सव का वातावरण रहने वाला है।

वृष — आज धन के लेन-देन को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। पुरानी नकारात्मक बातों के कारण थोड़े निराश होंगे। गूढ़ विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि जागृत होगी। अनजान व्यक्तियों के साथ संपर्क बनाकर रखें।

मिथुन — आज विवाहेतर संबंधों से बचने का प्रयास करें। भावुकता के कारण लिए गए निर्णय आपको नुकसान पहुंचाएंगे। बच्चों के साथ आपको संबंध अच्छे रखने चाहिए। स्वभाव में चिड़चिड़ेपन के कारण थोड़ी परेशानी होगी।

कर्क — आज व्यवसाय में उतार-चढ़ाव के बावजूद आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। आपका मन अत्यंत संतुष्ट रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

सिंह — आज मन में संतुष्टि का भाव रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आने की संभावना है। आपसे कोई भूल हो सकती है। व्यापार को लेकर थोड़ी परेशानी होगी। सभी कार्य पूरे मनोयोग से करेंगे। पुण्य कार्यों पर आपको धन खर्च करना चाहिए।

कन्या — आज नया रोजगार आरंभ करने के योग बन रहे हैं। बच्चों के करियर को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। प्रेमी जन के साथ झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

तुला — आज अपने संपर्कों को मजबूत कर लें। कोई बड़ा व्यापारिक ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। बदलते मौसम का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। रियल एस्टेट में निवेश शुभ सिद्ध होगा। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपके लिए बहुत ही अच्छा दिन रहने वाला है। बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। अनुभवी व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में उत्तम सफलता मिल सकती है। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु — आज आपको अभद्र भाषा का प्रयोग करने से बचना चाहिए। आलस्य के कारण आप काम से बचने का प्रयास करेंगे। परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। नई भूमि-संपत्ति खरीदने का विचार बना रहे हैं, तो थोड़ी सावधानी बरतें।

मकर — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। आपकी भौतिक इच्छाओं की पूर्ति होगी। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा। सरकारी प्रोजेक्ट्स से जुड़े कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आज आपके सम्मान में कमी आने के योग बन रहे हैं। अपना समय व्यर्थ में बर्बाद न करें। पारिवारिक समस्याओं को बाहरी लोगों से साझा न करें। सही समय पर काम पूरा न कर पाने के कारण आपको कठिनाई हो सकती है।

मीन — आज रचनात्मक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिल सकती है। ऑनलाइन व्यापार में अच्छे परिणाम मिलेंगे। अपनी प्रतिभाओं और क्षमताओं को पहचानें। घर की समस्या दूर होगी। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

सुडोकू -11

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2					3		4	
		6		9				8
7			5					
			4		7		3	9
		4				6		
	5				1			
	3	9						5
				4		2		
			8					1

सुडोकू - 10 का हल

1	2	7	3	9	8	6	5	4
3	8	5	4	6	1	2	7	9
6	9	4	5	7	2	1	3	8
7	6	9	8	1	5	4	2	3
8	5	3	9	2	4	7	1	6
4	1	2	7	3	6	8	9	5
5	7	1	6	4	3	9	8	2
2	3	6	1	8	9	5	4	7
9	4	8	2	5	7	3	6	1

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 24 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नेरेस के दो गोल से नेपोली ने इटालियन सुपर कप जीता

इटैलियन सुपर कप फाइनल सॉकर मैच के दौरान बॉल को किक लगाते नेपोली के खिलाड़ी। एजेंसी

रियाद। डेविड नेरेस ने दोनों हॉफ में एक-एक गोल किया, जिससे मौजूदा सीरी ए चैंपियन नेपोली ने सऊदी अरब में खेले गए फाइनल में बोलोग्ना को 2-0 से हराकर तीसरी बार इटालियन सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता। नेरेस का 39वें मिनट में पहला गोल किया। उनका 25 मीटर की दूरी से बाएं पैर से लगाया गया शॉट दूर के कोने में जाकर लगा। उन्होंने बोलोग्ना के गोलकीपर फेडेरिको रावग्लिया को इसे बचाने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने मैच का एक घंटा पूरा होने के बाद अपना दूसरा गोल किया। नेरेस ने रावग्लिया के एक ढीले पास का फायदा उठाया और जॉन लुकुमी से गेंद छीनकर गोलकीपर के ऊपर से उसे गोल में डाल दिया।

प्रियंदना ने एक ओवर में पांच विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड

बाली (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गेडे प्रियंदना ने मंगलवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के एक ओवर में पांच विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया। यह कारनामा उन्होंने कंबोडिया के खिलाफ अपनी टीम की 60 रन की जीत के दौरान किया। आठ मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में सातवें गेंदबाज के रूप में गेंदबाजी करते हुए प्रियंदना ने सिर्फ एक ओवर में एक रन पर पांच विकेट झटक कर शानदार प्रदर्शन किया। इंडोनेशिया ने पांच विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में कंबोडिया की टीम 16 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। कंबोडिया ने 15वें ओवर तक पांच विकेट गंवाये थे पर प्रियंदना ने 16वें ओवर में शाह हुसैन (37), निर्मलजीत सिंह (0), चान्थोउन रथनाक (0), मोंगदारा सोक (0) और पेल वन्नक (0) को आउट कर उपलब्धि हासिल की।

कोहली, रोहित और गिल ने बढ़ाई टूर्नामेंट की चमक

बेंगलुरु, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

- आज से शुरू हो रही है एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता

15 वर्षों बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे विराट कोहली

24 और 26 दिसंबर को रोहित शर्मा मुंबई की तरफ से खेलेंगे

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित कई शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों की उपस्थिति से बुधवार से शुरू होने वाले विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की चमक बढ़ गई है जिसमें इन दिग्गज खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की कतार में ऋषभ पंत, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा जैसे नाम भी शामिल हैं, लेकिन कोहली और रोहित जितनी सुर्खियां किसी और को नहीं मिलतीं।

कोहली और रोहित को इसलिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। कोहली 15 साल बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। उनका और रोहित का इस टूर्नामेंट में खेलने का सीधा मतलब है कि यह दोनों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में विकसित हो रहे शक्ति समीकरणों से अछूते नहीं हैं। यह दोनों खिलाड़ी अभी क्रिकेट जगत के स्टार हैं लेकिन क्रिकेट परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहा है जिसका असर इन दोनों पर पड़ना लाजमी है।

रोहित ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। कोहली ने मुंबई में भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ अभ्यास किया। उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह दिल्ली के लिए कौन से दो या तीन मैच खेलेंगे। दिल्ली एलीट ग्रुप डी में बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। यह मैच बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेला जाएगा क्योंकि कर्नाटक सरकार ने सुरक्षा कारणों से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैचों के आयोजन को अनुमति नहीं दी। दिल्ली का अगला मुकाबला गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों के लिए उनके चयन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कोहली और रोहित इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उनका दायरा सिकुड़ता जा रहा है। वे जानते हैं कि युवा खिलाड़ी उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। भारत की टी20 विश्व कप टीम से गिल को बाहर करना और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन को टीम में शामिल करना, इस बात का गंभीर संकेत है कि अगर कोहली और रोहित सहजता से रन नहीं बना पाते हैं तो उनके साथ क्या हो सकता है। रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य सीनियर खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

महिला टीम ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

टी-20 सीरीज में मेजबान 2-0 से आगे, शेफाली ने खेली तूफानी पारी

शेफाली वर्मा।

विशाखापत्तनम, एजेंसी

वैष्णवी शर्मा और श्रीचारणी (दो-दो विकेट) के साथ क्षेत्ररक्षकों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा (नाबाद 69) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 49 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

श्रीलंका की कप्तान अटापट्टू का विकेट लेने के बाद टीम के साथ जश्न मनातीं स्नेह राणा। एजेंसी

29 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। कविशा दिलहारी ने स्मृति मंधाना 11 गेंदों में (14) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जेमिमाह रॉड्रिग्स ने भी आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। आठवें ओवर में 87 के स्कोर पर काव्या कविंदी ने जेमिमाह रॉड्रिग्स को अपना शिकार बना लिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 15 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 26 रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर (10) को मल्की मदारा बोल्ड कर जीत के एक रन से पहले पवेलियन भेज दिया। भारतीय टीम ने 11.5 आवरों में तीन विकेट पर 129 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 69 रनों की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से मल्की मदारा, काव्या कविंदी और कविशा दिलहारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विष्मी गुणारत्ने (एक) का विकेट विकेट गंवा दिया। विष्मी को क्रांति गौड ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने कप्तान चामरी अटापट्टू के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। चामारी अटापट्टू ने 24 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 33 रनों की पारी खेली।इसके बाद श्रीचारणी ने हसिनी परेरा (22) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा ने 32 गेंदों में चार चौकों की मदद से (33) रनआउट हुई।

दीप्ति पहली बार शीर्ष टी-20 गेंदबाज बनीं

दुबई, एजेंसी

आईसीसी रैंकिंग

स्टार भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मंगलवार को अपने करियर में पहली बार आईसीसी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं।

विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में 28 साल की ऑफ स्पिनर दीप्ति ने 20 रन देकर एक विकेट चटकाया और इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गईं। दीप्ति ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज से एक रेटिंग अंक आगे 737 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी पांच स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर हैं जबकि स्पिनर श्री चरणी 19 स्थान की लंबी छलांग के साथ 69वें स्थान पर पहुंच गईं। विशाखापत्तनम में 44 गेंद में नाबाद 69 रन बनाकर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं जेमिमा रोड्रिग्स पांच स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय बल्लेबाज बनी हुई हैं। वह तीसरे स्थान पर हैं। शेफाली वर्मा एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर हैं।

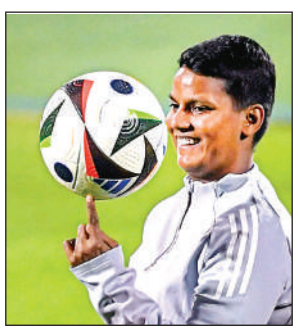

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति की जगह नंबर एक बल्लेबाज बन गईं। आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच में 124 और नाबाद 100 रन बनाकर लगातार दो शतक जड़ने वाली वोलवार्ट ने स्मृति पर नौ अंक की बढ़त बना ली। वोलवार्ट ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 820 रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस 45 और 64 रन की पारियों के बाद चार स्थान ऊपर 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनकी टीम की साथी ऐमी हंटर 31वें से 28वें स्थान पर पहुंच गईं जबकि दक्षिण अफ्रीका की सुने लुस सात स्थान ऊपर 34वें स्थान पर पहुंच गईं।

2025

भारतीय कुश्ती पर एक नजर

सीनियर पहलवानों को मिली सीमित सफलता

लेकिन जूनियरों ने बिखेरी चमक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कुश्ती के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव से भरा रहा जिसमें सीनियर स्तर पर अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, लेकिन जूनियर स्तर पर किए गए अच्छे प्रदर्शन ने उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगाई। सीनियर खिलाड़ियों में अंतिम पंघाल ही अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख पाई। हरियाणा की इस पहलवान ने विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इस प्रमुख प्रतियोगिता की पदक तालिका में भारत की उपस्थिति सुनिश्चित की। कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाली अंतिम ने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में भी तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे महाद्वीपीय स्तर पर उनकी साख और बढ़ी। उन्होंने सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर वर्ष का शानदार समापन किया। जिस तरह से उन्होंने पूरे साल अच्छा प्रदर्शन किया, उसे देखते हुए अंतिम को इस खेल में देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

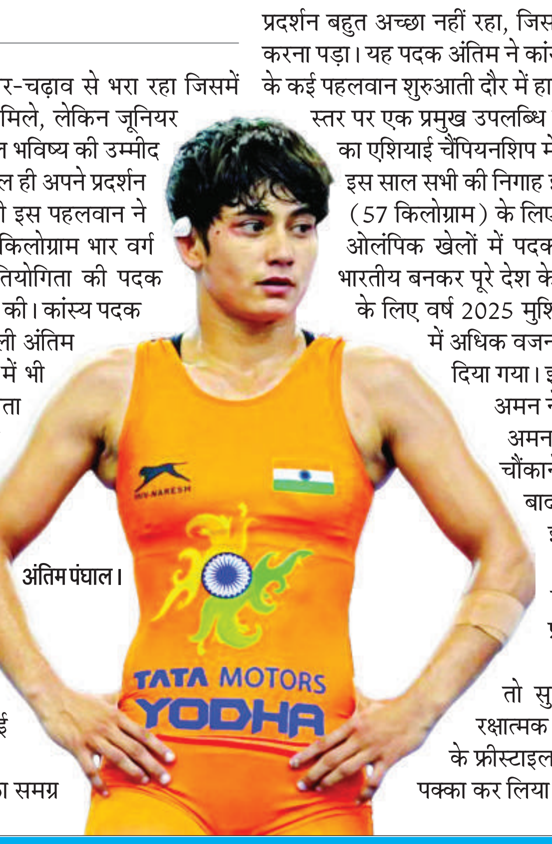

अंतिम पंघाल।

सीनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत का समग्र प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा, जिसमें उसे केवल एक पदक से संतोष करना पड़ा। यह पदक अंतिम ने कांस्य पदक के रूप में जीता था। भारत के कई पहलवान शुरुआती दौर में हारने के बाद बाहर हो गए। महाद्वीपीय स्तर पर एक प्रमुख उपलब्धि मनीषा भानवाला (62 किलोग्राम) का एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना रही।

इस साल सभी की निगाह इस पर टिकी थी कि अमन सेहरावत (57 किलोग्राम) के लिए यह सत्र कैसा रहेगा। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनकर पूरे देश के चहेते बने इस 22 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वर्ष 2025 मुश्किलों भरा रहा। विश्व चैंपियनशिप में अधिक वजन के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस कारण उन पर प्रतिबंध भी लगा।

अमन ने बिना शर्त माफी मांगी

अमन पर लगा प्रतिबंध इस साल के सबसे चौंकाने वाले घटनाक्रमों में से एक था। बाद में अमन ने बिना शर्त माफी मांगी। इसके बाद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उनका निलंबन वापस ले लिया और वह घरेलू प्रतियोगिताओं में लौट आए।

सकारात्मक पक्ष की बात करें तो सुजीत कलकल ने अपने शानदार रक्षात्मक कौशल से प्रभावित किया और पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किलोग्राम वर्ग में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

विनेश फोगाट संन्यास से वापसी कर आईं चर्चा में

इस वर्ष चर्चा का एक और प्रमुख विषय विनेश फोगाट का ओलंपिक पदक जीतने की अपनी कवायद में संन्यास से वापसी करने का निर्णय था। पेरिस ओलंपिक खेलों में 50 किलोग्राम वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था। हरियाणा की इस जुझारू पहलवान ने इस निराशा से खुद को बाहर निकाला। उन्होंने अब पहले से भी अधिक मजबूत होकर वापसी करने का वादा किया है। डब्ल्यूएफआई ने अपनी नई चयन नीति तैयार की जिसमें राष्ट्रीय शिविरों को अधिक महत्व दिया गया और यह स्पष्ट किया गया कि ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों को चयन के लिए होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। लंबे समय के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी आधारित प्रो कुश्ती लीग अगले महीने फिर से शुरू होने जा रही है जो युवा पहलवानों के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

नेमार के घुटने की सर्जरी हुई, विश्व कप में खेलने की उम्मीद

साओ पाउलो : स्टार स्ट्राइकर नेमार के बाएं घुटने की सर्जरी हुई है लेकिन उन्हें अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करने की उम्मीद है।

नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि इस 33 वर्षीय खिलाड़ी के बाएं घुटने की मामूली सर्जरी हुई है। इस चोट के कारण वह इस साल लंबे समय तक बाहर रहे। उनकी आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी रोड्रिगो लास्मार ने की, जो ब्राजील टीम से भी जुड़े हुए हैं।

मोहम्मद सलाह।

सलाह के गोल से मिस्र ने जिम्बाब्वे को हराया

रबात (मोरक्को), एजेंसी

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह के गोल की मदद से मिस्र ने जिम्बाब्वे को 2-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की।

विश्व रैंकिंग में 129वें स्थान की टीम जिम्बाब्वे ने मिस्र के सामने कड़ी चुनौती पेश की और एक समय वह मैच ड्रॉ कराने के करीब पहुंच गया था।

ऐसे में सलाह में इंजरी टाइम में गोल करके मिस्र को जीत दिलाई।

एक अन्य मैच में दक्षिण अफ्रीका ने अंगोला को 2-1 से हराया। यह दक्षिण अफ्रीका की अंगोला के खिलाफ पिछले छह मैचों में पहली जीत है।

कैसाब्लांका में खेले गए एक अन्य मैच में पैटसन डाका ने स्टॉपेज टाइम में गोल किया जिससे जाम्बिया ने माली के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ कराया। मेजबान देश मोरक्को ने रविवार को कोमोरोस पर 2-0 से जीत हासिल की थी।

प्रोत्साहन

बेल्जियम के डिफेंडर का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन में दिखाई निरंतरता

भारत हॉकी विश्व कप का प्रबल दावेदार : डोरेन

आर्थर वैन डोरेन। फाइल फोटो

नई दिल्ली, एजेंसी

14 से 30 अगस्त तक विश्व कप नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेला जाएगा

बेल्जियम के डिफेंडर आर्थर वैन डोरेन का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है जिससे वह अगले साल होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में खिताब का प्रबल दावेदार बन गया है। भारत ने पिछले दो ओलंपिक खेलों में कांस्य जीता था और वैन डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी दृष्टिकोण से कम करके नहीं आंका जा सकता है।

वैन डोरेन ने पीटीआई वीडियो से कहा भारत को बड़े दावेदारों के रूप में न मानना असंभव है। भारतीय टीम ने लंबे समय से अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वह पिछले दो ओलंपिक खेलों की पदक विजेता है। इसलिए विश्व कप की बात करते समय भारत को नजरअंदाज करना अब उचित नहीं होगा।

लगभग 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके बेल्जियम के इस दिग्गज खिलाड़ी ने भारतीय टीम के शानदार संतुलन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा उनके पास लगभग हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, अनुभवी खिलाड़ी हैं और उसके युवा खिलाड़ी भी प्रतिभावान हैं।

भारतीय टीम आज जिस मजबूत स्थिति में हैं वह महज संयोग नहीं है। इसके लिए उन्होंने लंबे समय से काम किया जिसके परिणाम अब मिल रहे हैं। वैन डोरेन ने इसके साथ ही कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को काम करके नहीं आंका जा सकता है और खिताब की दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है।

युवा पीढ़ी की तकनीकी क्षमता शानदार

वैन डोरेन ने भारतीय खिलाड़ियों विशेषकर युवा पीढ़ी के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा भारतीय हॉकी टीम दुनिया के किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं। आर्थर वैन डोरेन ने कहा भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही आत्मविश्वास से भरी हैं। शीर्ष पर मुकाबला बेहद कड़ा है।